आज का मौसम
33.0⁰ अधिकतम तापमान
22.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.10
सूर्यास्त 05.37

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 01:51 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 19 अक्टूबर 2025, वर्ष 35, अंक 261, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

आज पधारेंगे राजाराम, दीपोत्सव पर आतुर अलौकिक अद्भुत अयोध्या
- 11

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता सौहार्दपूर्ण माहौल में बढ़ रही आगे : पीयूष गोयल
- 10

ट्रंप का फॉर्मूला: युद्धविराम की कीमत चुकाए यूक्रेन, रूस के कब्जे वाली अपनी जमीन छोड़े
- 11

आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में कोहली और रोहित पर रहेंगी नजरें
- 12

Classic Radhey Sweets
RADHEY SWEET'S Since 1926 The Classic RESTAURANT
Sweets, Restaurant, Banquets & Rooms

शुभ दिवाली

मिठाइयाँ | ड्राई फ्रूट्स | प्रीमियम गिफ्ट्स हैम्पर्स
असोर्टेड बक्लावा | स्टफ्ड ड्राई फ्रूट डेट्स

दिवाली, परेवा और भाई दूज पर दुकान खुली रहेगी!

Follow Us:
ORDER ONLINE ON SWIGGY zomato
*Terms and Conditions Applied
Prices are subject to change based on availability and market conditions
DELIVERING WORLDWIDE
www.classicradheysweets.in
SCAN TO VIEW CATALOGUE
Classic Chauraha, Mahanagar, Lucknow | 7380314444

इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन का प्रतीक बन रहा उत्तर प्रदेश: राजनाथ

रक्षा मंत्री ने पीटीसी इंडस्ट्रीज में टाइटेनियम और सुपर एलॉय मटेरियल प्लांट्स का किया लोकार्पण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

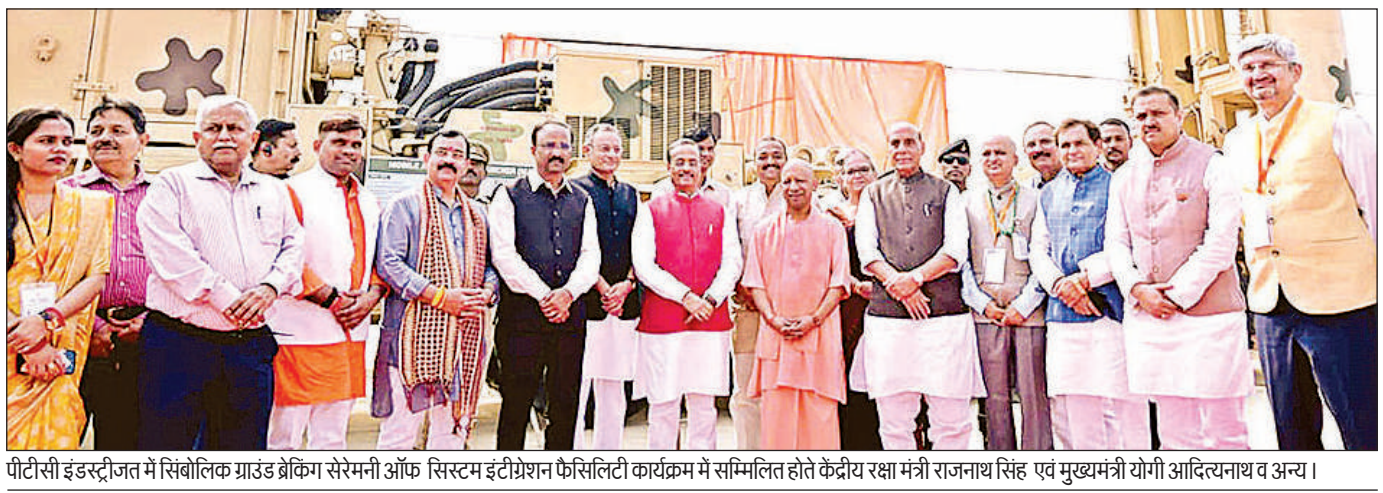

पीटीसी इंडस्ट्रीजत में सिंबोलिक ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी ऑफ सिस्टम इंटीग्रेशन फैसिलिटी कार्यक्रम में सम्मिलित होते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य।

अमृत विचार। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को लखनऊ स्थित पीटीसी इंडस्ट्रीज का भ्रमण किया और यहां बने विश्वस्तरीय टाइटेनियम और सुपर एलॉय मटेरियल प्लांट्स का लोकार्पण किया। उन्होंने इसे भारत के डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता की दिशा में माइलस्टोन बताते हुए कहा कि यह प्रोजेक्ट केवल मटेरियल नहीं बना रहा, बल्कि भारत की तकनीकी संप्रभुता की नींव रख रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन का प्रतीक बन गया है। दस वर्ष पहले यह कल्पना भी कठिन थी कि यहां इतनी हाई-टेक इंडस्ट्रीज स्थापित होंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बेहतर कानून-व्यवस्था, स्थिर नीतियां और निवेशक-हितैषी माहौल ने उद्योगों का भरोसा बढ़ाया है। अब निवेशक घबराते नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश को अवसर की भूमि मानते हैं। राजनाथ सिंह ने बताया कि टाइटेनियम और सुपर एलॉय जैसे स्ट्रैटेजिक मटेरियल्स डिफेंस, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स और मेडिकल उपकरणों में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनका स्वदेशी उत्पादन भारत को आयात निर्भरता से मुक्त करेगा। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल 'मेक इन इंडिया' नहीं, बल्कि 'डिज़ाइन, डेवलप और डिलीवर इन इंडिया' के युग में प्रवेश कर चुका है। राजनाथ सिंह ने प्रोजेक्ट में ग्रीन टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबल एनर्जी को भी सराहा। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी विकास के साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखना ही आने वाले भारत की दिशा है। रक्षा मंत्री ने कर्मचारियों और इंजीनियरों को राष्ट्र निर्माण की यात्रा के वास्तविक नायक बताते हुए उन्हें नवाचार और समर्पण की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सांसद संजय सेठ व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पीटीसी इंडस्ट्रीज और भारत डायनामिक्स के बीच एमओयू : भ्रमण के दौरान रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री ने पीटीसी इंडस्ट्रीज के फाइटर जेट व मिसाइल पार्ट्स का अवलोकन किया। कार्यक्रम में पीटीसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड और भारत डायनामिक्स लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ, जिसके तहत वे प्रोपल्जन सिस्टम, गाइडेड बम और स्मॉल टर्बो इंजन के निर्माण में सहयोग करेंगे। साथ ही डीआरडीओ ने एएमसीए टाइटेनियम कास्टिंग और कावेरी इंजन ऑयल टैंक असेंबली के लिए दो तकनीकी स्वीकृति पत्र सौंपे। इस दौरान 30 ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनीज़ को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए गए।

आत्मनिर्भरता की नई उड़ान का केंद्र पीटीसी इंडस्ट्रीज

लखनऊ के इस डिफेंस नोड में विकसित यह यूनिट भारत की पहली निजी सुविधा है जो टाइटेनियम और सुपर एलॉयज के ग्लोबल लेवल प्रोडक्शन की क्षमता रखती है। यहां री-मेल्टिंग और रीसाइकलिंग दोनों तकनीकें एक ही कैंपस में मौजूद हैं। यह न केवल भारत की रक्षा उत्पादन आत्मनिर्भरता को सशक्त कर रहा है, बल्कि दुनिया को दिखा रहा है कि भारत अब निर्माण नहीं, इतिहास रच रहा है।

आत्मनिर्भर भारत अब विचार नहीं, साकार हकीकत है : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। अमृत विचार। रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रदेश ने शनिवार को एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाया। ब्रह्मोस एयरोस्पेस परिसर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीटीसी इंडस्ट्रीज की सिस्टम इंटीग्रेशन फैसिलिटी का सिंबोलिक ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी कर प्रदेश में रक्षा उत्पादन की नई नींव रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अब केवल एक विचार नहीं, बल्कि साकार होती हकीकत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भारत अब अपने रक्षा उत्पादन में आत्मविश्वास से खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत, जो कभी अपनी सुरक्षा जरूरतों के लिए विदेशों पर निर्भर था, आज न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है बल्कि मित्र देशों की रक्षा जरूरतों में भी भागीदार बन चुका है। यह आत्मनिर्भरता का प्रतीक ही नहीं, बल्कि रोजगार सृजन का भी बड़ा माध्यम है।

योगी ने कहा कि पीटीसी इंडस्ट्रीज ने 50 एकड़ भूमि पर 1000 करोड़ रुपये का निवेश कर अपने संकल्प को धरातल पर उतारा है। यहां रक्षा उद्योग के लिए स्ट्रैटेजिक मैटेरियल से लेकर रेडी-टू-फिट क्रिटिकल कंपोनेंट तक तैयार करने की क्षमता विकसित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह न केवल उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में एक बड़ी छलांग है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार और नवाचार के अवसर भी खोलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में भारत ने हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अद्भुत प्रगति की है। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित है। रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में जो सपना प्रधानमंत्री ने देखा था, वह अब साकार होता दिखाई दे रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश का डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' विजन को नई गति दे रहा है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट के छह नोड्स में रक्षा उद्योग तेजी से विकसित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि "हमारे पास पर्याप्त भूमि बैंक है, तकनीकी सहयोग के लिए आईआईटी कानपुर, आईआईटी बीएचयू और एकेटीयू जैसे संस्थान हमारे साथ हैं।

ऑपरेशन सिंदूर ने ब्रह्मोस की शक्ति सिद्ध की : रक्षा मंत्री

लखनऊ में शनिवार को आत्मनिर्भर भारत का नया अध्याय लिखा गया। ब्रह्मोस एयरोस्पेस की स्थानीय इकाई से सुपरसोनिक मिसाइलों के पहले बैच की डिलीवरी के साथ यूपी अब डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के नक्शे पर और मजबूत हुआ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 2014 में जिस यात्रा की शुरुआत हुई थी, वह अब 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है।

फ्लैग आफ सेरेमनी में मौजूद केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

पर्यावरण से भी 'शौर्य' गाथा कहेगी 'ब्रह्मोस'

- ब्रह्मोस फैसिलिटी के 30 एकड़ में विकसित की गई 'ग्रीन बेल्ट'
- 20 हजार पौधों से सजेगा भटगांव स्थित परिसर में 'शौर्य वन'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। अमृत विचार : अब 'ब्रह्मोस' सिर्फ भारत की सैन्य शक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की मिसाल भी बनेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में भटगांव स्थित ब्रह्मोस फैसिलिटी के परिसर में 30 एकड़ भूमि पर एक विशाल 'ग्रीन बेल्ट' विकसित की गई है। इसका नाम 'शौर्य वन' रखा गया है, जो भारत की सैन्य वीरता और पर्यावरणीय संवेदनशीलता दोनों का प्रतीक बनेगा। शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस 'शौर्य वन' में पौधरोपण कर नई परंपरा की शुरुआत की। दोनों नेताओं ने एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत रुद्राक्ष का एक-एक पौधा रोपित किया। रक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में चल रही पर्यावरणीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल हरियाली नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षा का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री योगी ने 'शौर्य वन' के स्वरूप को और वृहद करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस जैसी सामरिक परियोजनाएं केवल देश की सीमाओं की सुरक्षा ही नहीं, बल्कि पर्यावरण की रक्षा की दृष्टि से भी उदाहरण बनें यही उत्तर प्रदेश की प्रतिबद्धता है। लखनऊ के प्रभागीय वनाधिकारी सितांशु पांडेय ने बताया कि ब्रह्मोस फैसिलिटी के परिसर में अब तक 20 हजार पौधे लगाए जा चुके हैं। इन पौधों में आम, नीम, आंवला, मौलश्री, अमरूद, अर्जुन और शीशम जैसे देशी वृक्ष शामिल हैं। परिसर के चारों ओर बांस की परिधीय पौधारोपण पट्टी तैयार की गई है, जिससे प्राकृतिक सुरक्षा और हरियाली दोनों सुनिश्चित हो सकें। उन्होंने बताया कि शौर्य वन' का नामकरण भारतीय सेना के साहस और ब्रह्मोस परियोजना की वीरता को समर्पित है। यह वन न केवल हरियाली बढ़ाएगा, बल्कि भारत की रक्षा यात्रा में पर्यावरणीय संतुलन का प्रतीक बनेगा।

उपकरण देखते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

पीटीसी इंडस्ट्रीज की नई परियोजना एक नजर में

- **स्थान :** ब्रह्मोस एयरोस्पेस परिसर, लखनऊ
- **परियोजना :** सिस्टम इंटीग्रेशन फैसिलिटी
- **क्षमता :** स्ट्रैटेजिक मैटेरियल से लेकर रेडी-टू-फिट क्रिटिकल कंपोनेंट तक उत्पादन
- **उद्देश्य :** रक्षा आत्मनिर्भरता, रोजगार और सप्लाई चेन विकास
- **यूपी डिफेंस कॉरिडोर :** आत्मनिर्भर भारत का इंजन
- **कुल नोड्स :** 6 (लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी, चित्रकूट)
- **कुल भूमि आवंटन :** 2,500 एकड़ से अधिक
- **निवेश प्रस्ताव :** 25,000 करोड़ से अधिक
- **प्रमुख इकाइयां :** ब्रह्मोस एयरोस्पेस, बीडीएल (झांसी), एके-203 (अमेठी), पीटीसी इंडस्ट्रीज (लखनऊ)

न्यूज ब्रीफ

पिकअप ने सिपाही को कुचला, मौत

सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली देहात के पकड़ी मोड़ के पास शुक्रवार देर शाम जीएसटी टीम की जांच के दौरान एक बेकाबू पिकअप ने सिपाही को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने राज्यकर अधिकारी (सीटीओ) पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। वहीं, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी चालक व वाहन को कब्जे में लिया है। शुक्रवार की शाम जीएसटी की टीम राज्यकर अधिकारी सोनम राय के नेतृत्व में कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के पकड़ी मोड़ के पास चेकिंग अभियान चलाया था। इसी दौरान एक बेकाबू पिकअप ने अधिकारी के बोलेरे वाहन के पीछे खड़े सिपाही हरेंद्र प्रताप यादव (45) पुत्र मनोज यादव निवासी बीरपुर मिश्र थाना खुखुन्दु जिला देवरिया को कुचल दिया।

भूमि विवाद में युवक की पीटकर हत्या

मिल्कीपुर, अयोध्या, अमृत विचार : खंडासा थाना क्षेत्र के ग्राम डीली सरैया मजरे कृष्णानंद पांडेय का पुरवा में शुक्रवार की रात जमीन विवाद को लेकर हुई कहासुनी ने खूनी रूप ले लिया। चचेरे भाइयों व चाची ने मिलकर युवक की लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक सचिन पांडेय (30) पुत्र रुद्र दत्त पांडेय सोहावल क्षेत्र में निजी क्लीनिक चलाते थे। शुक्रवार सुबह खेत की जुताई को लेकर उनके सगे चाचा जय नारायण पांडेय के पुत्र सौरभ, शुभम व चाची आशा देवी से विवाद हुआ था।

मौलाना साएम मेहंदी फिर बने शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

बैठक में साएम मेहंदी का स्वागत करते लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। आल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना साएम मेहंदी को दोबारा तीन साल के लिए अध्यक्ष चुना गया। बोर्ड की बैठक शनिवार को विक्टोरिया स्ट्रीट स्थित शिया पीजी कालेज में हुई।

मौलाना साएम मेहंदी ने केन्द्र सरकार से वक्फ़ संशोधन अधिनियम 2025 को वापस लेने की मांग की। बैठक में महासचिव मौलाना यासूब अब्बास, मौलाना एजाज़ अतहर, मौलाना सैय्यद अनवर हुसैन रिजवी, मौलाना जाफर अब्बास, मौलाना रज़ा अब्बास, मौलाना फसी हैदर (मुज़फ्फरनगर), मौलाना इन्तिज़ार हैदर, मौलाना सै. हसन मेहदी मारपुरी, मौलाना इसहाक रिज़वी, मौलाना डॉ. मोहम्मद रज़ा, मौलाना अली मियां, मौलाना गुलाम पंजेतन मुसय्यब, मौलाना सैय्यद मोहम्मद मुस्लिम आदि थे।

पूरे देश में मतदाताओं के बीच पैठ बनाएगी बसपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने स्पष्ट किया है कि पार्टी अब केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि देश के विभिन्न प्रांतों में भी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करेगी। इसके लिए 19 अक्टूबर को लखनऊ में माल एवेन्यू स्थित कार्यालय में बैठक बुलाई गई है, जिसमें उप्र. व उत्तराखंड को छोड़कर अन्य विभिन्न राज्यों के प्रांतीय पदाधिकारी हिस्सा लेंगे। कार्यालय प्रभारी ने शनिवार को बताया कि बैठक का उद्देश्य सर्वसमाज के बीच बसपा का जनाधार बढ़ाना और आगामी चुनावों को लेकर जमीनी रणनीति तैयार करना है।

वृद्धा पेंशन में और पकड़े 700 अपात्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- समाज कल्याण विभाग ने संदिग्ध लगने पर की थी जांच

अमृत विचार : मोहनलालगंज की ग्राम पंचायत करोरा में 64 वृद्धा पेंशन के अपात्र मिलने के बाद जिला समाज कल्याण अधिकारी अंजनी कुमार ने जिलेभर में जांच करके और 700 संदिग्ध पेंशन पकड़े हैं। यह लोग आय प्रमाण पत्र और आधार कार्ड कूटरचित करके करके सालों से पेंशन पा रहे हैं। इन सभी के पेंशन से नाम काटने के साथ खातों में रोक लगा दी है।

दरअसल, एक शिकायत के आधार पर जिलाधिकारी विशाख जी के निर्देश पर समाज कल्याण अधिकारी ने करोरा गांव में पेंशन लाभार्थियों की जांच की थी। जांच में 64 युवा आधार कार्ड में एडिटिंग उम्र कम दर्शाकर पेंशन पा रहे थे। इसी जांच के दौरान जिलेभर में 700 और ऐसे ही अपात्र पकड़े गए जिन्होंने आय कम व उम्र कम दिखाई है और फर्जी तरह से दस्तावेज लगाकर पेंशन पा रहे हैं। हालांकि इन सभी के सूची व ऑनलाइन प्रक्रिया से नाम काट दिए गए हैं। साथ ही खातों में रोक लगा दी है। अब तक मिली धनराशि की वसूली करने के लिए बैंक व एनआईसी से स्टेटमेंट मांगा है। अब सवाल जिम्मेदारों द्वारा वार्षिक और समय-समय पर पेंशन आने पर सत्यापन किस आधार पर किया गया है।

फर्जी सत्यापन पर सचिव को हटाया

डीएम की फटकार के बाद करोरा में 64 पेंशन आपात्रों का सत्यापन करने वाले ग्राम पंचायत अधिकारी अंकित द्विवेदी को गोसाईंगंज ब्लॉक से हटाकर डीपीआरओ कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया। साथ ही जांच शुरू हो गई। यह मामला वर्ष 2023 से चल रहा है। तब से तैनात रहे तीन सचिवों पर भी कार्रवाई की तैयारी है।

पूर्व मुख्य सचिव मनोज सिंह को नोटिस

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश के बाद हाल ही में सेवानिवृत्त हुए पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह को अनियमित भुगतान के लिए 10 करोड़ रुपये की वसूली का नोटिस भेजा गया है। मामला खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के क्रियान्वयन के दौरान नीति निर्देशों के विपरीत चार फर्मों को अनियमित भुगतान का है। इस कार्रवाई के बाद यूपी की नौकरशाही में हलचल मच गई है। मामले को योगी बनाम केशव से भी जोड़ा जा रहा है। खाद्य प्रसंस्करण विभाग का भी दायित्व संभाल रहे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गाइडलाइन के विपरीत किए गए भुगतान को गंभीरता से लेते हुए मनोज कुमार सिंह से दस करोड़ रुपये वसूलने के निर्देश दिए हैं। इस पर उद्यान एवं खाद्य संस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने यूपीडास्प के प्रबंध वित्त व तकनीकी समन्वयक शैलेन्द्र प्रताप सिंह से दस करोड़ रुपये वसूल कर जमा करने के लिए कहा है। इसी पत्र के आधार पर पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह को नोटिस भेजा गया है। नोटिस में कहा गया है कि यूपीडास्प को खाद्य प्रसंस्करण नीति के क्रिन्यावयन के लिए 10 करोड़ रुपये की सब्सिडी जारी की गई थी। पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि नोटिस आधारहीन है। मेरे खिलाफ व्यक्तिगत कार्रवाई जैसी प्रतीत होती है।

वनटांगिया गांव में उमंग की लहर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दीपावली के दिन वनटांगिया समुदाय के साथ होंगे मुख्यमंत्री

अमृत विचार। कुसम्ही जंगल के वनटांगिया गांव जंगल तिकोनिया में दीपोत्सव की तैयारी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन का उल्लास नजर आ रहा है। लगभग 15 किमी दूर जिला मुख्यालय से बसी इस बस्ती के लोग सप्ताह भर से अपने घर सजाने में जुटे हैं क्योंकि मुख्यमंत्री 20 अक्टूबर को यहीं दिवाली मनाने आ रहे हैं।

वनटांगिया समुदाय की कहानी सैकड़ों साल पुरानी है। ब्रिटिश राज में रेल पटरियों के लिए साखू के पेड़ काटते समय काम करने वाले मजदूरों को जंगल में बसाया गया था; इसी तरह से बने थे ये गांव। स्वतंत्रता के बाद भी वनटांगियों को नागरिकता और बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा गया। घोर गरीबी, जमीन के अधिकारों का अभाव और बेदखली का भय इनकी नियति रहा। परंतु 1998 में योगी आदित्यनाथ के सांसद बनने के बाद इस समुदाय की तकलीफों पर ध्यान गया और बदलाव की शुरुआत हुई। योगी ने वनटांगिया बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए पहल की। उनके नेतृत्व वाली संस्थाओं ने मोबाइल मेडिकल सर्विस और शिक्षा से जुड़े कई कार्यक्रम चलाए; 2003 से 2007 तक यह कार्य प्रगति करता रहा। 2009 में जंगल तिकोनिया नंबर तीन में अस्थायी स्कूल की स्थापना के प्रयास के दौरान वन विभाग ने आपत्ति जताई, पर योगी के संघर्ष से स्कूल कायम हुआ, वहीं गोरक्षनाथ हिंदू विद्यापीठ आज उनके संघर्ष का साक्षी है। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी योगी आदित्यनाथ ने वनटांगिया परंपरा को नहीं छोड़ा और 2009 से हर दिवाली यह परंपरा जारी है। सीएम के प्रयासों से अब वनटांगिया गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा मिला।

'वर्चुअल दीपदान' से लोग कर रहे दीपोत्सव में सहभाग: जयवीर सिंह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : दीपोत्सव 2025 में लॉन्च की गई 'दीपोत्सव एआर मोबाइल एप्लीकेशन' श्रद्धालु और पर्यटकों को खासा आकर्ष कर रहा है। यह ऐप आस्था और नवाचार का अद्भुत संगम है। ऐप के माध्यम से अयोध्या आने वाले श्रद्धालु रामायण के पावन प्रसंगों को एआर तकनीक (ऑगुमेण्टेड रियलिटी) के जरिए सजीव रूप में अनुभव कर रहे हैं। साथ ही, इसका वर्चुअल दीपदान फीचर दुनियाभर के लोगों को ऑनलाइन दीया जलाने और दीपोत्सव में शामिल होने का अवसर दे रहा है।

यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शनिवार को दी, उन्होंने बताया कि उप्र. अपनी समृद्ध संस्कृति को और अधिक जीवंत और समावेशी स्वरूप दे रहा है। 'दीपोत्सव एआर ऐप' युवाओं और नई पीढ़ी को हमारी परंपराओं और सांस्कृतिक गौरव से जोड़ने का अभिनव प्रयास है। यह ऐप भक्ति को डिजिटल युग से जोड़ते हुए, आस्था को वैश्विक मंच प्रदान करता है।

राहुल गांधी पटरी से उतरे हुए दलितों के नाम पर कर रहे राजनीति : ब्रजेश पाठक

अमृत विचार, लखनऊ। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी को भ्रमित बताते हुए रायबरेली में हरिओम की हत्या पर कांग्रेस की राजनीति की आलोचना की। पाठक ने कहा कि भाजपा दलित स्वाभिमान के लिए लड़ रही है और यूपी में दलित समाज सुख-चैन से जी रहा है, जबकि कांग्रेस शासित राज्यों में दलितों पर अत्याचार हो रहे हैं।

उन्होंने फतेहपुर के पीड़ित परिवार को न्याय और दोषियों को कड़ी सजा का आश्वासन दिया। पाठक ने राहुल गांधी को सामाजिक विभाजन न करने की सलाह देते हुए कहा कि सनातन भाजपा के साथ एकजुट है। पाठक ने कहा कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दलित स्वाभिमान की लड़ाई प्राथमिकता से लड़ रही है। आज उत्तर प्रदेश में दलित समाज, पिछड़ा समाज सुख चैन की जिंदगी जी रहे हैं और जीवन के हर पहलू में उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिल है। कांग्रेस सरकारों की आलोचना करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को याद करना चाहिए कि जब उनकी सरकारें थीं, वह चाहे उत्तर प्रदेश हो या आज भी कर्नाटक, हिमाचल या तेलंगाना जैसे राज्य- वहाँ दलितों का क्या हाल है। कांग्रेस की सरकारें दलितों पर अत्याचार की सारी सीमाएं लांघ चुकी हैं। आज पीएम मोदी के मार्गदर्शन में बेहतर ढंग से यूपी सरकार काम कर रही है।

बिहार चुनाव में स्टार प्रचारक नहीं, स्टार विभाजक बनकर गए हैं योगी

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा, अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो नीति पर चलती है। भाजपा का एनडीए निगेटिव गठबंधन है। भाजपा डिवाइड एण्ड रूल के रास्ते पर चल रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बिहार चुनाव में स्टार प्रचारक नहीं, स्टार विभाजक बनकर गए हैं। बिहार के लोग साम्प्रदायिक लोगों को कभी नहीं स्वीकार करते हैं।

सपा प्रमुख, शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसकांफ्रेंस में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में बड़े पैमाने पर भेदभाव हो रहा है। इस सरकार में शिक्षा विभाग, शिक्षण संस्थाओं से लेकर ट्रांसफर पोस्टिंग सब जगह भेदभाव हो रहा है। भेदभाव का झगड़ा बहुत पुराना है। पीडीए इसी पीड़ा के सूत्र से बंधा हुआ है। सपा भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि बैंकों में गरीबों के जो खाते खुलवाए गये थे इस सरकार ने उनका सारा पैसा अपने पास रख लिया। स्मार्टसिटी के नाम पर आया बजट लूट लिया गया है। लखनऊ में जगह-जगह कूड़ा है। नाले भरे पड़े हैं। सफाई नहीं है। प्रदेश के बड़े शहरों में यातायात स्थिति बेहद खराब है। हर शहर में जाम की स्थिति है। भाजपा सरकार बिजली व्यवस्था को निजी हाथों में बेचना चाहती है, मगर बेच नहीं पा रही है। आज जो भी बिजली मिल रही वह सपा सरकार में लगाए गए बिजली घरों से मिल रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में जमींनों की बड़े पैमाने पर लूट हो गयी। भाजपा के लोगों ने तालाबों पर कब्जा कर लिया। अवैध बिल्डिंगें बना ली है। बरेली, वाराणसी समेत अन्य शहरों में सबसे ज्यादा अवैध बिल्डिंगें भाजपा के लोगों ने बनायी हैं। जंगली जानवरों के हमले में बहराइच में 50 लोग घायल हो चुके है। कई की मौत हो गयी।

विभिन्न दलों के नेता और कई समाजसेवी सवार हुए सपा की साइकिल पर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के नेतृत्व और पार्टी की नीतियों में आस्था व्यक्त करते हुए विभिन्न दलों के कई नेता और समाजसेवियों ने सपा की सदस्यता ग्रहण की। सपा प्रमुख ने नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाते हुए कहा कि इन साथियों के आने से पीडीए की लड़ाई मजबूत होगी और सामाजिक न्याय की स्थापना में मदद मिलेगी। पार्टी मुख्यालय में शनिवार को सदस्यता ग्रहण करने वाले में सेवानिवृत्त अधिकारी कन्नौज के राजेन्द्र कुमार कनौजिया, अमर पाल सिंह, सिद्धार्थनगर के विजय यादव, देवरिया के भाजपा नेता देवेन्द्र कुशवाहा, श्याम लाल बिंद और गाजीपुर निगुर्ण बिन्द, विभिन्न राजनीतिक दलों में प्रमुख पदों पर रहे जायस के रहने वाले नदीम अशरफ जायसी, महोबा के रणवीर सिंह गौतम (अहिरवार), शामिल हैं। इस मौके पर चन्दौली के इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार यादव ने अखिलेश यादव को अपनी पुस्तक ''पूर्वांचली समाजवाद'' भेंट की। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की ओर से कई समाजवादी गीत सुनाए गए।

आज का मौसम
33.0⁰ अधिकतम तापमान
22.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.10
सूर्यास्त 05.37

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 01:51 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 19 अक्टूबर 2025, वर्ष 35, अंक 261, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

- आज पधारेंगे राजाराम, दीपोत्सव पर आतुर अलौकिक अद्भुत अयोध्या - 11

- अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता सौहार्दपूर्ण माहौल में बढ़ रही आगे : पीयूष गोयल - 10

- ट्रंप का फॉर्मूला: युद्धविराम की कीमत चुकाए यूक्रेन, रूस के कब्जे वाली अपनी जमीन छोड़े - 11

- आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में कोहली और रोहित पर रहेंगी नजरें - 12

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, दीपोत्सव में पंचपर्वों का अनुपम समागम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।
☞www.amritvichar.com

पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन अब ब्रह्मोस की पहुंच में : राजनाथ

रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री ने दुनिया को दिया भारत की ताकत का संदेश

- भारत माता की जयघोष से सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलों के पहले बैच का फ्लैग ऑफ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

ब्रह्मोस के अनावरण कार्यक्रम में मौजूद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, सांसद दिनेश शर्मा व अन्य।

अमृत विचार : धनतेरस के अवसर पर शनिवार को लखनऊ आत्मनिर्भर भारत के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हुआ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस लिमिटेड की लखनऊ इकाई में निर्मित सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलों के पहले बैच का फ्लैग ऑफ किया। 'भारत माता की जय' के घोष के बीच जब चार मिसाइलों का पहला जत्था रवाना हुआ, तो पूरा परिसर गौरव और देशभक्ति के नारों से गूंज उठा।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अब पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन ब्रह्मोस की पहुंच में है। ऑपरेशन सिंदूर तो सिर्फ एक ट्रेलर था। उन्होंने कहा कि भारत अब 'टेकर' नहीं, बल्कि 'गिवर' की भूमिका में है। ब्रह्मोस आज भारत की स्वदेशी क्षमता और वैश्विक पहचान का प्रतीक बन चुका है। राजनाथ सिंह ने बताया कि केवल पांच महीनों में लखनऊ यूनिट ने रिकॉर्ड प्रोडक्शन कर मिसाइलों की पहली खेप तैयार की है। अगले वित्तीय वर्ष में यह इकाई तीन हजार करोड़ रुपये का टर्नओवर और पांच सौ करोड़ जीएसटी राजस्व देगी। उन्होंने कहा कि लखनऊ अब केवल तहजीब नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी और डिफेंस इंडस्ट्री का केंद्र बन गया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि धनतेरस पर इससे बड़ा 'धन' देश के लिए और क्या हो सकता है कि सुरक्षा और अर्थव्यवस्था दोनों को नई ताकत मिली है। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री ने बूस्टर भवन का उद्घाटन, ब्रह्मोस सिम्युलेटर उपकरणों का प्रदर्शन देखा और रुद्राक्ष का पौधा रोपित किया। डीजी (ब्रह्मोस) ने मुख्यमंत्री को 40 करोड़ रुपये का जीएसटी चेक सौंपा।

मित्र देशों की रक्षा करने का सबसे सक्षम हथियार : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह क्षण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' संकल्प को साकार करने वाला है। कहा कि ब्रह्मोस केवल भारत की नहीं, बल्कि दुनिया में अपने मित्र देशों की रक्षा करने का सबसे सक्षम हथियार है। योगी ने बताया कि लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे अब तक 15,000 युवाओं को रोजगार मिला है। सीएम ने कहा कि लखनऊ की भूमि अब राष्ट्र रक्षा, उद्योग, रोजगार और विकास को एक साथ साध रही है।

भगोड़ों के प्रत्यर्पण के लिए साझा करें डेटाबेस

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद ने विदेश से भगोड़े अपराधियों के प्रत्यर्पण के प्रयासों को मजबूत करने के लिए देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल और निर्बाध रूप से जानकारी (डेटा) साझा करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। सीबीआई प्रमुख ने शुक्रवार को दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान विभिन्न राज्यों के पुलिस प्रमुखों और केंद्रीय एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय एजेंसी की ओर से भगोड़ों का प्रत्यर्पण-चुनौतियां और रणनीतियां नामक विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

- सीबीआई प्रमुख बोले-कानून प्रवर्तन एजेंसियों में बेहतर तालमेल जरूरी

सीबीआई के प्रवक्ता के मुताबिक सूद ने वांछित अपराधियों के खिलाफ प्रयासों में अधिक तालमेल लाने के लिए विभिन्न एजेंसियों को एक साथ आने और अपने डेटाबेस (जानकारी) साझा करने की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि दो दिवसीय सम्मेलन में होने वाले विचार-विमर्श से भविष्य की रणनीति की रूपरेखा तैयार होगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा-

शैक्षिक परिसंपत्तियों का व्यावसायिक गतिविधि में उपयोग अस्वीकार्य

विधि संवाददाता, प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शैक्षणिक संस्थाओं की अचल संपत्तियों के व्यावसायिक प्रयोग पर कड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि राज्य में शैक्षणिक संस्थानों की अचल संपत्तियों, विशेषकर खेल के मैदानों का उपयोग किसी भी परिस्थिति में प्रदर्शनी, व्यापार मेला, बिक्री या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। शैक्षणिक संस्थान का कार्य केवल शिक्षा प्रदान करना है, इसलिए उनकी भूमि और भवनों (खेल मैदान सहित) का किसी भी नाम पर व्यावसायिक गतिविधियों में उपयोग अनुमन्य नहीं है। ऐसे परिसरों का उपयोग सिर्फ कक्षाएं, खेल आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिताओं और पाठ्यचर्या गतिविधियों के लिए ही किया जाना चाहिए।

उक्त आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की खंडपीठ ने गिरजा शंकर द्वारा दाखिल एक जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए पारित किया। याचिका में राठ (हमीरपुर) स्थित ब्रह्मानंद डिग्री कॉलेज के परिसर में "स्वामी ब्रह्मानंद मेला महोत्सव" जैसे व्यावसायिक मेले का आयोजन किए जाने को चुनौती दी गई थी। यह कॉलेज बुंदेलखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध एक अनुदानित कॉलेज है। उक्त कॉलेज में पिछले दो वर्षों से बड़े पैमाने पर मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें झूले, कपड़ों की दुकानों, आइसक्रीम स्टॉल आदि से पूरा मैदान व्यापारिक केंद्र में बदल दिया जाता है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि संबद्धता/मान्यता पाने या बनाए रखने के लिए स्वयं का खेल का मैदान होना अनिवार्य है।

खेल मैदान के महत्व को कम नहीं किया जा सकता

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में शैक्षणिक संस्थान के खेल मैदान के महत्व को कम नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने इसे सार्वजनिक महत्व का मुद्दा माना और उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि वह एक महीने के भीतर स्पष्ट परिपत्र जारी करे। जिसमें राज्यभर के सभी स्कूलों और कॉलेज परिसरों के गैर-शैक्षणिक/व्यावसायिक उपयोग पर रोक लगाई जाए। यह परिपत्र जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचाया जाए, जिससे अनुपालन सुनिश्चित हो सके।

ब्रीफ न्यूज

शांतनु झा को महाराष्ट्र नौसेना क्षेत्र की कमान

मुंबई। रियर एडमिरल शांतनु झा ने रियर एडमिरल अनिल जग्गी के बाद महाराष्ट्र नौसेना क्षेत्र (एमएनए) की कमान संभाली। नौसेना ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को आईएनएस कुंजली में आयोजित औपचारिक परेड में पदभार ग्रहण किया। रियर एडमिरल झा एक जुलाई, 1993 को भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से स्नातक झा नौवहन और दिशा-निर्देशन के विशेषज्ञ हैं।

गायक टीएम कृष्णा को मिलेगा पीजी संस्कृति केंद्रम पुरस्कार

तिरुवनंतपुरम। माकपा विचारक और लेखक दिवंगत पी. गोविंदा पिल्लई की स्मृति में आयोजित पीजी राष्ट्रीय पुरस्कार के पांचवें संस्करण के लिए प्रख्यात गायक और कार्यकर्ता टीएम कृष्णा को चुना गया है। यह पुरस्कार पीजी संस्कृति केंद्रम द्वारा प्रदान किया जाता है, जिसमें तीन लाख रुपये की नकद राशि, एक प्रशस्ति पत्र और एक प्रतिमा शामिल है। माकपा महासचिव एमए बेबी की अध्यक्षता में एक पैनल ने विजेता का चयन किया।

मतदान के दिन मतदाता सवैतनिक अवकाश के हकदार

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि बिहार में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में मतदाता मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश के हकदार हैं और इस कानूनी प्रावधान का उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं पर जुर्माना लगाया जा सकता है। आयोग ने कहा कि जिन राज्यों के आठ विधानसभा क्षेत्रों में 11 नवंबर को उपचुनाव होना है, वहां के मतदाता भी सवैतनिक अवकाश के हकदार हैं। आयोग ने कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135बी के अनुसार व्यक्ति विधानसभा के चुनाव में मतदान करने का हकदार है, उसे मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश दिया जाएगा। आयोग ने कहा कि इस तरह के अवकाश के कारण वेतन में कोई कटौती नहीं की जाएगी।

गरीब रथ एक्सप्रेस के डिब्बे में लगी आग

फतेहगढ़ साहिब। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास शनिवार सुबह अमृतसर-सहरसा गरीब रथ एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आग लग गई। रेलवे बोर्ड के अनुसार, इस घटना में एक महिला को मामूली चोटें आई हैं। घटना के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। आग सुबह करीब साढ़े सात बजे उस समय लगी जब ट्रेन (संख्या 12204) अमृतसर से आ रही थी। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक अधिकारी ने बताया कि ट्रेन के एक एसी कोच में धुआं देखा गया। अधिकारी ने बताया कि एक यात्री ने ट्रेन रोकने के लिए अलार्म चेन खींची जिसके बाद यात्रियों को डिब्बे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग ने डिब्बे (जी-19) को जल्द ही अपनी चपेट में ले लिया। दो अन्य डिब्बों को भी मामूली नुकसान हुआ।

चाकू मारकर की कांस्टेबल की हत्या

हैदराबाद। तेलंगाना के निजामाबाद शहर में एक व्यक्ति ने खुद को थाने ले जाते समय 42 वर्षीय कांस्टेबल की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना 17 अक्टूबर को रात 8:30 से नौ बजे के बीच हुई।

पाक हमलों में तीन क्रिकेटरों सहित 8 लोगों की मौत

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत में शुक्रवार रात पाकिस्तानी हवाई हमलों में तीन स्थानीय क्रिकेटरों सहित आठ लोगों की मौत हो गई। सुरक्षा अधिकारियों और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सदस्यों के अनुसार उरगोन जिले में यह हवाई हमला शुक्रवार देर रात हुआ जिसमें सात अन्य लोग घायल हो गए हैं। खिलाड़ियों की पहचान कबीर, सिघबतुल्लाह और हारून के रूप में की गई है। बोर्ड के अनुसार जब यह हमला हुआ, तब खिलाड़ी प्रांतीय राजधानी शरण में एक दोस्ताना मैच खेलकर घर लौट रहे थे। बोर्ड ने एक बयान में इन मौतों को अफगानिस्तान के खेल समुदाय के लिए एक ''बड़ी क्षति'' बताया और पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। एसीबी ने नवंबर के अंत में होने वाली आगामी टी20 अंतर्राष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला से हटने की घोषणा की है, जिसमें पाक शामिल था। यह हमला दोनों देशों के बीच विशेष रूप से पक्तिका और खोस्त प्रांतों में सीमा पार झड़पों में तेजी से वृद्धि के बीच हुआ है।

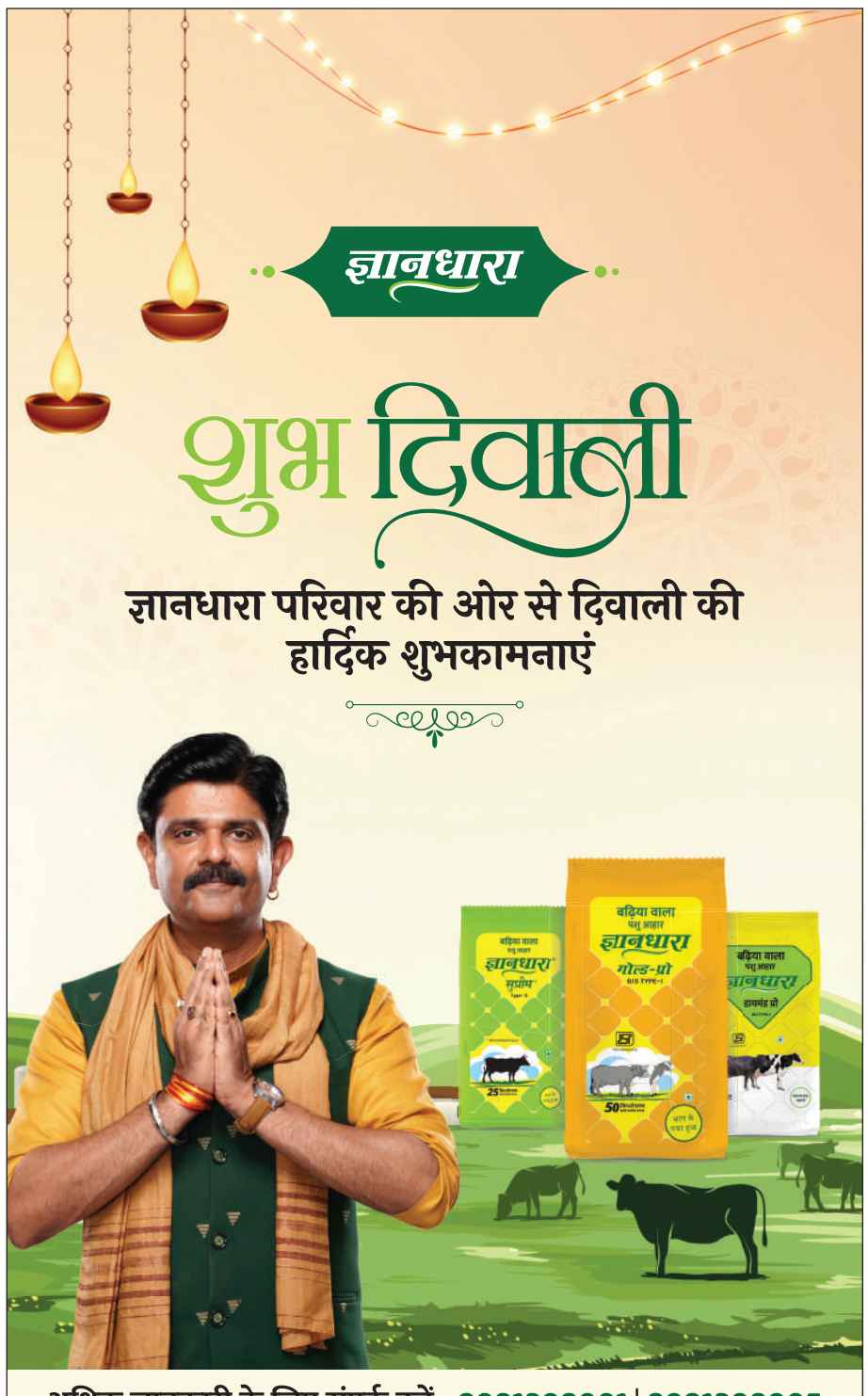

अमृत विचार
लखनऊ, रविवार, 19 अक्टूबर 2025

सिटी डायरी

आरओ के लिए फंड देते अधिकारी।

12 आरओ वाटर कूलर का लोकार्पण

अमृत विचार, लखनऊ : माध्यमिक विद्यालय आरए बाजार प्रेक्षाग्रह में शनिवार को छावनी परिषद द्वारा जनरल ऑफिसर कमांडिंग मध्य यूपी सब एरिया मेजर जनरल सलिल सेठ के सम्मान में विदाई समारोह मनाया गया। जनरल ऑफिसर को उत्कृष्ट नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं छावनी क्षेत्र के समग्र विकास में दिए गए योगदान के लिए परिषद ने सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डीसीबी बैंक ने अपने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी निधि से छावनी परिषद के विद्यालयों के लिए 12 लाख रुपये के 12 आरओ वाटर कूलर दिए। लोकार्पण मेजर जनरल सलिल सेठ ने किया। लखनऊ छावनी परिषद के अध्यक्ष ब्रिगेडियर सौमित पटनायक, मुख्य अधिशासी अधिकारी अभिषेक राठौर, उप मुख्य अधिशासी अधिकारी आरपी सिंह, कमांडेंट कर्नल अवनीत सिंह कपूर रहे।

शपथ लेते हुए नव प्रवेशित छात्र।

लोहिया संस्थान में सफेद कोट पहन एमबीबीएस छात्रों ने ली शपथ

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में शनिवार को 'वाइट कोट सेरेमनी एवं चरक शपथ' का आयोजन किया गया। इसमें नया प्रवेश पाने वाले एमबीबीएस बैच-2025 के छात्रों को औपचारिक रूप से चिकित्सा पेशे में शामिल किया गया। संस्थान के वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने छात्रों को सफेद कोट पहनाया। छात्रों को शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो सीएम सिंह, डीन प्रो प्रद्युमन सिंह, सीएमएस प्रो विक्रम सिंह मौजूद रहे। निदेशक ने विद्यार्थियों को आगामी जीवन के रोमांचकारी अनुभवों को साझा करने के साथ ही आने वाले समस्त दायित्वों के बारे में भी बताया।

कार्यक्रम में शामिल बच्चे।

बच्चों ने रंगोली सजा की लक्ष्मी-गणेश की पूजा

अमृत विचार, लखनऊ : बाल निकुंज गर्ल्स एकेडमी अलीगंज में देव-दीपावली की पूर्व संध्या पर शनिवार को अर्द्धवार्षिक परीक्षा संपन्न होने के साथ-साथ बच्चों ने सामूहिक रूप से रंगोली सजाकर, दीपों की अवली जगमगा कर साकार लक्ष्मी-गणेश की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मीडिया प्रभारी ओम प्रकाश वर्मा बताया कि यह आयोजन शिक्षकों ने प्रधानाचार्या डॉ. अनूप कुमारी शुक्ला के दिशा निर्देशन में करवाया ताकि बच्चों में भी धार्मिक संस्कार फलीभूत हो सके।

कैंसर पीड़ित बच्चों के साथ क्लब की सदस्य।

कैंसर पीड़ित बच्चों के साथ मनाई दिवाली

अमृत विचार, लखनऊ : इनर व्हील क्लब ऑफ लखनऊ बारादरी ने होम अवे फ्रॉम होम में रह रहे कैंसर पीड़ित बच्चों के साथ दिवाली मनाई। इस अवसर पर बच्चों को खिलौने, कलरिंग बुक, क्रेयॉन, कप केक दिए और उनके लिए मैजिक शो का भी आयोजन किया गया। क्लब की ओर से संस्था को एक इंडक्शन चूल्हा भी दिया गया। क्लब की अध्यक्ष हेमा गुप्ता, वंदना श्रीवास्तव, दीपिका गुरनानी सहित क्लब की अन्य सदस्य मौजूद रहीं।

तंत्र मंत्र के लिए छात्र की कब्र की कर रहे थे खोदाई

पुलिस कब्र की खोदाई करने वाले लोगों की तलाश में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है

मलिहाबाद संवाददाता

- पीड़ित परिवार ने पुलिस कंट्रोल रूम पर दी सूचना

अमृत विचार : मलिहाबाद कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बख्तियार नगर में तंत्र-मंत्र के उद्देश्य से एक छात्र की कब्र की खोदाई का मामला सामने आया है। जब परिजनों ने कुछ अज्ञात लोगों को कब्र को खोदते देखा तो वह शोर मचाने लगे। इसके बाद आरोपित वहां से भागनिकले। हालांकि पीड़ित परिवार ने पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना देते हुए संबंधित थाने को जानकारी दी है। इसके बाद पुलिस कब्र की खोदाई करने वाले लोगों की तलाश में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

गौरतलब है कि वर्ष 2015 में बख्तियार नगर निवासी 11वीं के छात्र अनिल साहू (15) की सर्पदंश से मौत हो गई थी। इसके बाद परिजनों ने छात्र का अंतिम संस्कार अपने पुश्तैनी बाग में कर दिया था। जहां उसकी कब्र आज भी मौजूद है। चचेरे भाई दीपू साहू ने बताया कि छात्र के पिता राकेश साहू किराना व्यापारी है। अनिल की मौत के बाद वह ठाकुरगंज के बालागंज इलाके में रहने लगे हैं।उन्होंने बताया कि शुक्रवार देर रात करीब 12:30 कुछ अज्ञात लोग पुश्तैनी कब्रिस्तान में पहुंचे और छात्र के कब्र की खोदाई करने लगे। हालांकि, अज्ञात लोगों को देख गांव के आवारा कुत्ते जोर-जोर से भोकने लगे हैं। कुत्तों की आवाज सुनकर वह बाहर निकले और कब्रिस्तान की तरफ गए। जहां कुछ लोग हाथ में फावड़ा लेकर कब्र खोदते दिखाई पड़े। दीपू के शोर मचाने पर आरोपित वहां से भाग निकले। इसके बाद परिजनों को मामले की जानकारी देते हुए पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना दी। जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मौजूद लोगों से पूछताछ की। मलिहाबाद इंस्पेक्टर ने बताया कि परिजनों ने थाने में तहरीर दी है। जिसके आधार पर पुलिस जांच कर रही है। आरोपितों की तलाश में पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

खोदी गई कब्र। अमृत विचार

दीपावली के मौके पर लोग करते हैं तंत्र मंत्र : सूत्रों के माने तो, दीपावली के मौके पर अंधविश्वास से जुड़े लोग सनातन धर्म के कायस्थ मृतकों का नरमुंड की तलाश में लगे रहते है। हालांकि अंधविश्वास के चलते राजधानी में तमाम घटनाएं सामने आ चुकी हैं। बावजूद इसके अशिक्षित वर्ग के अलावा पढ़ा लिखा वर्ग भी वारदात को अंजाम देने में गुरेज नहीं करता है।

इस सम्बन्ध मे थाना प्रभारी ने बताया की रात्रि जानकारी प्राप्त हुई थी पुलिस को मौक़े पर भेजा गया था आधी कब्र खोदी गई था लेकिन परिजनों की तरफ से कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई जांच कराई जा रही तहरीर प्राप्त होने पर मुकदमा दर्ज किया जायेगा

धावापुर में 77 के नमूने लिए, किसी को नहीं निकला डेंगू-मलेरिया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : सरोजनी नगर के धावापुर गांव में बुखार से महिला की मौत और 15 से अधिक लोगों के बीमार होने की सूचना पर शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची। टीम ने घर-घर 77 लोगों की डेंगू, मलेरिया की जांच की। इन सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई।

धावापुर गांव के राजेंद्र सिंह की पत्नी रानी (60) की मौत हो गई थी। परिजनों के अनुसार एंटीजन जांच में वृद्धा को डेंगू की पुष्टि हुई थी। एलाइजा जांच में रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। गांव में बीमारी फैलने की खबर शनिवार को समाचार पत्रों में प्रकाशित होने पर विभागीय अधिकारी जागे। डिप्टी सीएमओ डॉ. निशांत निर्वाण, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. रितु, मलेरिया इंस्पेक्टर एके सिंह, सरोजनी नगर सीएचसी के प्रभारी डॉ. चंदन यादव, डॉ. पीयूष अवस्थी, डॉ. रोहित, लैब टेक्नीशियन गणेश तथा जिला स्वास्थ्य निरीक्षक अशोक गांव पहुंचे। आशा बहू के साथ जांच टीम ने मृत महिला के घर व आसपास जांच की।

अनियंत्रित स्कूटी फिसली, युवक की मौत

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बिजनौर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह सीआरपीएफ गेट नंबर-1 के पास स्कूटी फिसलने से युवक की मौत हो गई। कमलापुर निवासी शिवा (19) अपनी बहन को फ्लिपकार्ट कंपनी में नौकरी के लिए छोड़कर लौट रहा था। सामने से आ रही कार और सड़क पर रखी बैरिकेटिंग से बचने के चक्कर में उसने अचानक ब्रेक लगा दी, जिससे स्कूटी अनियंत्रित होकर फिसल गई। सिर पर गंभीर चोट लगने से शिवा घायल हो गया। पुलिस ने उसे सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

दिवाली पर चौक पुलिस ने 170 लोगों को लौटाए गुम मोबाइल

संवाददाता, चौक

अमृत विचार: दिवाली सीजन पर लखनऊ पुलिस ने पश्चिम जोन के 170 लोगों को गुमशुदा मोबाइल बरामद होने का गिफ्ट दिया। अपना मोबाइल देख स्वामियों के चेहरे पर मुस्कान आ गयी। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने मोबाइल उनके मालिकों के सुपुर्द कर दिया। बरामद मोबाइल की कीमत करीब 35 लाख रुपये बतायी जा रही है।

डीसीपी ने बताया कि इंस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय, उपनिरीक्षक दीपक शाक्य व सर्विलांस सेल प्रभारी आशीष बालियान की टीम ने मोबाइल बरामद करने में अहम भूमिका निभायी है। अपना मोबाइल मिलने पर कई लोगों की आंखें नम हो गईं तो कई के चेहरों पर मुस्कान देखने को मिली। मोबाइल मालिकों ने बताया कि उन्होंने उम्मीद छोड़ दी थी कि अब कभी गुम हुआ मोबाइल वापस मिल पाएगा। मोबाइल बरामद करने में अहम भूमिका निभाने वाले उपनिरीक्षक दीपक शाक्य ने बताया कि हर मोबाइल के पीछे पीछे एक कहानी होती है।

लखनऊ नगर निगम

टी.एन.मार्ग, लालबाग, लखनऊ, ई-मेलः nnlko@up.nic.in

संख्याः 391/D/ZO-1

जोन-1

निम्नलिखित भवनों के नाम परिवर्तन हेतु आवेदन पत्र प्राप्त होने के उपरान्त नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा-213(बी-2) के अन्तर्गत नोटिस जारी की जा चुकी है निम्नलिखित नाम परिवर्तन में यदि कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 20 दिन के अन्दर लिखित आपत्ति साक्ष्यों सहित सम्बन्धित जोनल कार्यालय में प्रस्तुत करें। आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में नाम परिवर्तन की कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र0 सं0	भवन संख्या एवं मोहल्ले का नाम	सर्वश्री दर्ज भवन स्वामी का नाम	सर्वश्री प्रस्तावित भवन स्वामी का नाम	नामान्तरण का आधार
	गोलागंज			
1	174/71ए पीर जलील	रवि गुप्ता	राजू गुप्ता	रजिस्ट्री
2	180/007एफएफ-101 तकिया आजम बेग	नूर सबा	मो0 मसलाहउद्दीन खां	रजिस्ट्री
3	174/42 पीर जलील	बशीर अहमद	शकीर बेगम	रजिस्ट्री
	लाल कुआं			
4	68/285(68/205) छितवापुर पजावा	शारदा शर्मा	सौरभ भारद्वाज	दान-विलेख
5	62/014/12ए/टीएफ-01 स्टेशन रोड	राजेन्द्र कुमार अग्रवाल	जेबा सरफराज	दान-विलेख
	राम मोहन राय			
6	24/066/एफएफ-101 प्राग नरायन रोड	राजीव टण्डन एवं रश्मि टण्डन	कमलेश कुमार	रजिस्ट्री
7	25/115, 116/सी-5 जॉपलिंग रोड	नागेन्द्र सिंह चौहान	साधना वर्मा	रजिस्ट्री
8	25/030/6एफ-603बी जॉपलिंग रोड	ईरा वर्मा	ऋतु अरोड़ा	रजिस्ट्री
9	24/001ए/101 प्राग नरायन रोड	प्रशान्त सहाय	मुकेश कुमार मेश्राम	रजिस्ट्री
10	25/117/301 टीएफ लाजपत राय मार्ग	कुरूकिला थामस	नफीस खान	रजिस्ट्री
	मशकगंज-वजीरगंज			
11	194/040(194/038) लक्ष्मण प्रसाद रोड	अली सादिक	सलीम अख्तर	मा० न्यायालय का निर्णय
12	188/013, 016 हाता दुर्गा प्रसाद	ललित कुमार	रामेश्वरी अजीत कुमार श्रीवास्तव	मृत्यु
13	194ए/029(031) बुलंद बाग	आर डी जोहरी	मो0 जमरूद्दीन व अन्य	रजिस्ट्री
	हजरतगंज-रामतीर्थ			
14	31/80/जीएफ/एसएन-31 एम जी मार्ग	यू एस हलवासिया	कुंज बिहारी लाल	रजिस्ट्री
15	28/31ए/यूजीएफ अशोक मार्ग	शोभा अग्रवाल	मनीष कुमार साहनी एवं मीनू साहनी	रजिस्ट्री
16	28/31ए, एलजीएफ अशोक मार्ग	शोभा अग्रवाल	मनीष कुमार साहनी एवं मीनू साहनी	रजिस्ट्री
17	28/31ए/टीएफ अशोक मार्ग	शोभा अग्रवाल	मनीष कुमार साहनी एवं मीनू साहनी	रजिस्ट्री
18	28/32/1-आईवी-एफ(28/32) अशोक मार्ग	धन कॉम्प्लेक्स निर्माण	मनीष कुमार साहनी एवं मीनू साहनी	रजिस्ट्री
19	28/31एफएफ अशोक मार्ग	शोभा अग्रवाल	मनीष कुमार साहनी एवं मीनू साहनी	रजिस्ट्री
20	28/014ए/यूजीएफ-7 अशोक मार्ग	मो0 नदीम	चन्द्र किशोर शर्मा व माधुरी शर्मा	रजिस्ट्री
21	19/002/ए-622 पार्क रोड	क्षमा तिवारी	प्रफुल्ला पाण्डेय	रजिस्ट्री
22	31/006/जीएफ-3 महात्मा गांधी मार्ग	मीरा साहू	सत्यजीत साहू	दान-विलेख
23	31/006/जीएफ-2 महात्मा गांधी मार्ग	मीरा साहू	सत्यजीत साहू	दान-विलेख
24	19/088/यूजीएफ-8 पार्क रोड	अतुल गुप्ता	अमित कुमार अग्रवाल	रजिस्ट्री
25	37/036/फ्लैट-7 लारेन्स टैरेस	अविनाश जैन	बृजेश कुमार सिंह	रजिस्ट्री
26	19/155/एनडब्ल्यू-1 पार्क रोड	डॉ0 सुरेश चन्द्रा	माधुरी चन्द्रा महेश चन्द्रा स्मिता जौहरी	मृत्यु
	महात्मा गांधी-विक्रमादित्य			
27	140/1/31(14/246ए/1) बरफ खाना	अब्बास अली	रहमतुन्निशा	रजिस्ट्री
28	12/128/सीसी-3 कैण्ट रोड	सबीर अहमद	दबीर अहमद	मृत्यु
29	13/100(13/59) कबीर मार्ग	रेहाना बेगम	निशात फातिमा	रजिस्ट्री
30	14सी/30(399ए) बरफ खाना	मुश्तरी बेगम	यासमीन बानों	दान-विलेख
31	13/045/4एफ-404 कबीर मार्ग	कबीर अपार्टमेन्ट	छाया चौहान	रजिस्ट्री
32	16/97/207 सरोजनी नायडू मार्ग	अनीश गर्ग अंशू अग्रवाल	सुमित गुप्ता नन्दिनी गुप्ता	रजिस्ट्री
	नजरबाग-यदुनाथ सान्याल			
33	108/033(013/1) तालाब गगनी शुक्ल	रेशमा कुरैशी	माज अहमद	रजिस्ट्री
34	110/106ए/1 नया गांव	रूबी सोनकर	रिजवाना खातून एवं शहाना खातून आफरीन इरशाद	रजिस्ट्री
	रानी लक्ष्मी बाई			
35	92/200/यूजीएफ-17 गौतम बुद्ध मार्ग	कैलाश टावर	मीना देवी	रजिस्ट्री
36	92/200/यूजीएफ-16 गौतम बुद्ध मार्ग	कैलाश टावर	मीना देवी	रजिस्ट्री
37	92/200/यूजीएफ-10 गौतम बुद्ध मार्ग	कैलाश टावर	मीना देवी	रजिस्ट्री
	जे0सी0 बोस			
38	33/21/जीएफ(64ए)	कु0 नीरू कुमार	राजीव कुमार	दान-विलेख
39	33/21/एफएफ(64ए)	राजीव कुमार	कु0 नीरू कुमार	दान-विलेख
	मौलवीगंज			
40	151/115(151/103) रथ खाना	आयशा खातून	अब्दुल शफीक व शुगुफ्ता परवीन	रजिस्ट्री
	नजरबाग-यदुनाथ सान्याल			
41	106/040ए नजरबाग	अब्दुल बारी एवं बिलकीस जहां	मो0 आरिफ	रजिस्ट्री
42	84/023बी/1 कटरा मकबूलगंज	निरूपमा श्रीवास्तव	सुयश नरायन	दान-विलेख
43	109/219ए(16) मॉडल हाउस	कुमार दीपक	मो0 हमजा हुसैन	रजिस्ट्री
44	110/232ए नया गांव	मो0 जुबैर	मो0 आसिफ	रजिस्ट्री
45	47/080/एफएल/103(47/030)	अलमास टावर	मनीष साहू राजेश कुमार रोहित साहू हरी शंकर साहू	रजिस्ट्री
46	102/143जीएफ-3(032डी) शिवाजी मार्ग राणा प्रताप मार्ग	राम चन्दर अग्रवाल	सुनील कुमार अग्रवाल एवं अर्चित अग्रवाल	दान-विलेख

जोनल अधिकारी, जोन-1

अमृत विचार

लोक दर्पण

रविवार, 19 अक्टूबर 2025 www.amritvichar.com

दीपोत्सव में पंचपर्वों का अनुपम समागम

इस दीपावली घर के साथ मन और रिश्तों पर जमी धूल भी करें साफ

भारत उत्सवधर्मी देश है। यहां दीपों की अवली (कतार) की भांति विभिन्न त्योहारों की श्रृंखला मनोरम है और उनका अपना अलग-अलग वैशिष्ट्य व संदेश किसी से छिपा नहीं है। दीप-पर्व जिस उजास व आशा का राष्ट्रीय त्योहार है, वह जीवन को जीवट और जिजीविषा से भर देता है। इन दीपमालाओं को देखकर ऐसा प्रतीत होता है, जैसे धरती पर साक्षात आकाशगंगा अवतरित हुई हो। दीपावली मनाने के कई पौराणिक प्रसंग हैं, उनमें श्रीरामचंद्र जी के 14 वर्ष के वनवास से अयोध्या लौटने पर नगरवासियों ने प्रसन्नता से दीप जलाया था। पौराणिक कथानुसार भगवान विष्णु ने नरसिंह का रूप धारण कर जब हिरण्यकश्यप का संहार किया, आततायी के वध से प्रसन्न जनता-जनार्दन ने तब दीपावली मनाई थी।

धनतेरस या धन त्रयोदशी की तिथि का उल्लेख शास्त्रों में वर्णित है। समुद्रमंथन के दौरान भगवान धनवंतरि हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। ये स्वास्थ्य-प्रदायक देवता हैं, जगजाहिर है कि स्वास्थ से बड़ा कोई और धन नहीं होता। भारत सरकार ने इस दिवस को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। व्यापारीगण इस दिन अपना नया बहीखाता बनाते और उस पर शुभ-लाभ लिखकर व्यापार में बढ़ोतरी की महालक्ष्मी से कामना करते हैं। दूसरे दिन नरक चतुर्दशी होती है, कहते हैं कि भगवान कृष्ण ने अत्याचारी असुर नरकासुर का वध करके उसके बंदीगृह से हजारों निरपराधियों को मुक्त किया था। एक और प्रसंग में किसी दानी राजा का उल्लेख है, जो पुण्य-प्रतीक थे, परंतु उन्हें मृत्योपरांत नरक प्राप्ति हुई। ऐसी मान्यता है कि कार्तिक चतुर्दशी को व्रत रखने पर विभिन्न ज्ञात-अज्ञात पापों तथा नरक गमन से मुक्ति मिलती है।

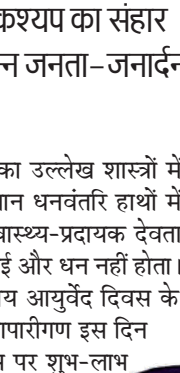

संतोष कुमार तिवारी
शिक्षक, नैनीताल

तीसरे दिवस निर्धारित मुहुर्त बेला में लक्ष्मी-गणेश का पूजन होता है, लोग अपने स्वच्छ घरों में धन की देवी लक्ष्मी के वास हेतु विधि-विधान से उनकी पूजा-अर्चना करते हैं। भारतीय कालगणना के अनुसार चौदह मनुओं का समय बीतने और प्रलय होने के पश्चात पुनर्निर्माण और नवसृष्टि का आरंभ दीपावली के ही दिन हुआ था। समुद्रमंथन से माता महालक्ष्मी का प्राकट्य लोकविदित है। इसलिए उनकी पूजा-उपासना का विशेष विधान है।

इसी क्रम में चौथे दिवस गोवर्धन पूजा और अन्नकूट का पर्व मनाया जाता है। यह ब्रज क्षेत्र का विशिष्ट पर्व है। इसमें गाय के गोबर से गोवर्धननाथ की छवि बनाकर उनकी पूजा का विधान है। श्रीमद्भागवत के अनुसार भगवान कृष्ण ने इंद्र की पूजा के स्थान पर गोवर्धन पर्वत की पूजा आरंभ कराई, जिससे अभिमानी इंद्र ने कुपित होकर अतिवृष्टि की। तब संपूर्ण ब्रज को तबाही से बचाने के लिए श्रीकृष्ण ने अपनी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर सभी की जान बचाई। कहते हैं सातवें दिन उन्होंने पर्वत को धरती पर रखा। हालांकि बाद में देवराज ने शर्मिंदा होकर भगवान कृष्ण से माफी मांगी। ज्योतिपर्व के तीसरे दिन यमद्वितीया मनाया जाता है, जिसमें बहनें अपने भाई के दीर्घ जीवन की कामना करती हैं। भाई यमुना में स्नान आदि के बाद बहन के घर जाकर, उन्हें वस्त्र और धनादि देकर सम्मानित करते हैं। चूंकि यम की बहन यमुना है, लोकमत है कि यमुना में स्नान करने के बाद भाई का यम अर्थात यमराज भी बाल बांका नहीं कर पाते। यह ब्रज क्षेत्र का बड़ा पर्व है, इसी को भैयादूज भी कहते हैं। देश के विभिन्न भागों में चित्रगुप्त जी की पूजा इस दिन की जाती है। कहते हैं कि यमद्वितीया के दिन चित्रगुप्त का जन्म हुआ था। भगवान चित्रगुप्त कायस्थों के साथ ही उन सभी प्राणियों के भी आराध्यदेव हैं, जिन्होंने जीवन में कभी भी हाथ में कलम पकड़ी हो। कायस्थ मूलतः कार्यस्थ का तद्भव रूप है, जिसका अर्थ होता है कार्य विशेष को संपादित करने वाला, जिस पर बड़ी जिम्मेदारी हो।

ऐसी मान्यता है कि ब्रह्मा जी की काया से चित्रगुप्त जी के उत्पन्न होने के कारण इस वंश को कायस्थ नाम से जानते हैं। कायस्थ समाज के लोग इस दिन कलम-दवात की पूजा करते हैं, जिसे कलम पूजा भी कहते हैं। सृष्टि के सम्यक संचालन में भगवान चित्रगुप्त महाराज धर्मराज के सहायक व जन-सामान्य के पुण्यापुण्य का लेखा-जोखा रखने वाले एकमात्र देवता हैं।

दीपावली का त्योहार परंपरागत रूप से सफाई, सजावट और नई शुरुआत का प्रतीक है। हम अपने घर के हर कोने को साफ करते हैं, पुरानी बेकार चीजें हटाते हैं और नई वस्तुओं से घर सजाते हैं, लेकिन हमारे घर की तरह ही, मन और रिश्तों में भी समय के साथ धूल जम जाती है। नकारात्मकता, गलतफहमियां, अहंकार और चुप्पी ये सब धीरे-धीरे हमारे भीतर और रिश्तों पर मोटी परत बना लेते हैं। इसलिए दीपावली केवल घर की सफाई तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह मन व रिश्तों की सफाई का भी समय होना चाहिए।

मेघा राठी
भोपाल, मध्यप्रदेश

मानसिक स्वास्थ्य को दें प्राथमिकता

आज की व्यस्त जिंदगी में मानसिक स्वास्थ्य सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब तक मन हल्का और संतुलित नहीं होगा, त्योहार की खुशी भी अधूरी लगेगी। दीपावली के अवसर पर मानसिक सफाई का संकल्प लें। जैसे घर की सफाई करते समय हर कोना चमकाते हैं, वैसे ही अपने भीतर की धूल को भी झाड़ें। अवसाद, तनाव, ईर्ष्या और नकारात्मक सोच को बाहर निकालें। योग, ध्यान और प्राणायाम को अपनाएं। दिन के 10-15 मिनट का ध्यान आपके भीतर शांति और सकारात्मकता भर सकता है।

स्वयं से करें प्रश्न

अक्सर हम भीतर ही भीतर ऐसी बातों को पकड़े रहते हैं, जो हमें बार-बार दुख देती हैं। इस दीपावली, अपने आप से प्रश्न करें-

- क्या वास्तव में इस बात पर गुस्सा बनाए रखना जरूरी है?
- क्या यह घटना इतनी बड़ी है कि मेरी शांति छीन ले?
- क्या माफी देने से मैं खुद हल्का नहीं हो जाऊंगा?
- ईमानदारी से खुद से सवाल करने पर जवाब मन को साफ कर देंगे। यही आत्मनिरीक्षण मन की सफाई का असली साधन है।

समय का सही प्रबंधन

तनाव और असंतोष का एक बड़ा कारण है। समय का सही उपयोग न कर पाना। काम और निजी जीवन का संतुलन बिगड़ते ही रिश्ते और मानसिक शांति दोनों प्रभावित होते हैं। इस दीपावली, संकल्प लें कि अपने समय का प्रबंधन करेंगे। कामकाजी लोग परिवार और शौक के लिए भी समय निकालें। नियमित ब्रेक लें, बच्चों या माता-पिता के साथ बैठकर बातें करें और कभी-कभी खुद को भी अकेले समय दें। यह सब आपको मानसिक शांति और रिश्तों में निकटता देगा।

रिश्तों में संवाद की शक्ति

रिश्तों की सबसे बड़ी समस्या है संवाद का टूट जाना। छोटी-सी गलतफहमी चुप्पी का रूप ले लेती है और धीरे-धीरे दूरी बढ़ जाती है। इस दीपावली, कोशिश करें कि पुराने रिश्तों की धूल साफ करें। किसी से माफी मांगना या किसी को माफ करना, दोनों ही बड़े कदम होते हैं। एक फोन कॉल, एक संदेश या सिर्फ एक मुस्कान भी बर्फ पिघला सकती है।

क्षमा और समर्पण की भावना

हम अक्सर मान लेते हैं कि गलती हमेशा सामने वाले की है, लेकिन सच यह है कि रिश्तों में दोनों तरफ से गलतियां हो सकती हैं। माफी मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल है। जब हम अपनी गलती स्वीकार करते हैं, तो रिश्तों में सच्चाई और गहराई आती है, जब हम किसी को माफ करते हैं, तो हम सबसे पहले खुद को आजाद करते हैं। दीपावली जैसे शुभ पर्व पर यह कदम रिश्तों में नई रोशनी ला सकता है।

सकारात्मकता का संचार

दीपावली पर दीप जलाकर हम अंधकार दूर करते हैं। उसी तरह, हमें अपने भीतर भी सकारात्मकता का दीप जलाना चाहिए। ईर्ष्या, क्रोध और घृणा जैसे अंधकार को बाहर निकालें। यह आसान नहीं होता, लेकिन शुरुआत जरूरी है। हर दिन खुद से कहें, आज मैं नकारात्मकता नहीं, बल्कि प्रकाश चुनूंगा। धीरे-धीरे यह अभ्यास आदत बन जाएगा।

कृतज्ञता का भाव अपनाएं

हमारे जीवन में जो कुछ भी है, वह आभार योग्य है। परिवार, दोस्त, स्वास्थ्य और अवसर इन सबके लिए कृतज्ञ होना हमें मानसिक रूप से हल्का करता है। इस दीपावली अपने परिवार और मित्रों के प्रति धन्यवाद व्यक्त करें। एक छोटा-सा 'धन्यवाद' भी रिश्तों में जादू भर देता है।

दूसरों की अच्छाइयां स्वीकारें

हम दूसरों में सिर्फ कमी ढूंढते हैं, तो रिश्तों पर धूल जमने लगती है, लेकिन जब हम उनकी अच्छाइयां देखते हैं और सराहना करते हैं, तो हमारे रिश्ते मजबूत होते हैं। यह दीपावली दूसरों की अच्छाइयों को पहचानने और स्वीकार करने का अभ्यास करें। इससे मन हल्का होगा और रिश्ते भी मजबूत होंगे।

पारिवारिक मूल्य और परंपराएं

दीपावली केवल रोशनी और मिठाइयों का त्योहार नहीं, बल्कि यह हमारे परिवार और संस्कृति को जोड़ने का माध्यम है। अपने बच्चों को परंपराओं का महत्व बताएं, उन्हें पूजा-पाठ और पारिवारिक रीति-रिवाजों में शामिल करें। इससे वे अपनी जड़ों से जुड़े रहेंगे और रिश्तों में आत्मीयता बनी रहेगी।

सामाजिक जुड़ाव और सेवा

दीपावली का त्योहार केवल हमारे घर तक सीमित नहीं है। हम दूसरों के जीवन में रोशनी भरते हैं, तभी असली दीपावली होती है। किसी जरूरतमंद को कपड़े, मिठाई या दीपदान करें। किसी बुजुर्ग का हालचाल लें, किसी अकेले पड़ोसी को साथ बैठकर दीपावली मनाएं। यह छोटे-छोटे कदम आपके भीतर सकारात्मकता भरेंगे और रिश्तों का दायरा भी विस्तृत करेंगे।

त्योहार और विज्ञान

आज वैज्ञानिक भी मानते हैं कि घर की सफाई और दीपक जलाने से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा व ताजगी आती है। रोशनी का यह प्रतीक हमारे दिमाग पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। जब घर और मन दोनों स्वच्छ हों, तो मानसिक स्वास्थ्य स्वतः बेहतर होता है।

दीपावली केवल सजावट और उत्सव का प्रतीक नहीं, बल्कि यह आत्मनिरीक्षण, क्षमा और नई शुरुआत का अवसर है। हम अपने घर के साथ-साथ मन और रिश्तों की सफाई करते हैं, तो जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता प्रवेश करती है। इस बार दीपावली पर केवल घर को ही नहीं, बल्कि अपने मन और रिश्तों पर जमी धूल को भी साफ करें, ताकि आपका जीवन प्रेम, शांति और सुख से भर जाए।

भौतिकता में खोती त्योहार की चमक

भौतिकवादी चमक-दमक के पीछे हम त्योहारों की असली उपयोगिता को भूलते चले जा रहे हैं। सदियों से भगवान राम की अयोध्या वापसी की खुशी में दीपावली का त्योहार चल रहा है। घर-घर में रंग-बिरंगी लड़ियां शाम ढलते ही अपनी रोशनी बिखेरकर हवा के साथ अठखेलियां करने पर आमादा हो जातीं हैं और दीए मानो हवा का इम्तिहान लेने की ठान रहे हों। ऐसे में एक द्वंद्व मन के भीतर लगातार चलता रहता है। कुछ साल पहले तक प्रकाश और दीपों का जो त्योहार सबसे अधिक भाता था, आज थोड़ा-थोड़ा मन खट्टा है। वजह कोई एक नहीं। बहुत सारी वजहें हैं, जो शायद आप लोगों ने भी महसूस की होंगी।

अमृता पांडे
लेखिका, हल्द्वानी

आज देश में हर त्योहार दो दिन मनाए जाने की परंपरा शुरू हो गई है। लक्ष्मी पूजन पर भी इसी तरह का संशय है। जानकारों का एक वर्ग 20 तारीख को दिवाली मनाने की बात कहता है, तो दूसरा 21 तारीख को। कभी किसी राज्य विशेष को लेकर एक दिन दिवाली मनाने की घोषणा होती है, जबकि देश में कुछ जगह अलग दिन। दिवाली तो देश का सबसे बड़ा त्योहार है, जिसे सभी लोग उत्साह के साथ मनाते हैं, तो देश का यह त्योहार एक दिन क्यों नहीं?

कुछ सालों पहले तक इन त्योहारों का एक उद्देश्य होता था। त्योहार आते ही मन में एक उमंग छा जाती थी। यह त्योहार खासकर मेलजोल के त्योहार होते थे और रूठे हुए अपनों को मनाने के माध्यम बनते थे, लेकिन आज बाजारवाद हमारे इन त्योहारों पर बुरी तरह से हावी हो गया है। बड़े-बड़े उपहार देने-लेने में ही इसकी सार्थकता रह गई है। यह सच है कि आज रिश्ते भावनाओं से नहीं, बल्कि आर्थिक सामर्थ्य से तोले जाते हैं। इस तरह की प्रवृत्ति समाज को एक ऐसी दिशा की ओर ले जा रही है, जहां पर भावनाओं और संवेदनाओं का कोई मोल नहीं रह जाता। बस स्वार्थपरता रहती है। भौतिकवादिता की परत-दर-परत उभर कर आती है, लेकिन इंसान का मन खोखला रह जाता है, क्योंकि इसे सहलाने वाला कोई नहीं होता। मानव जीवन ऐश्वर्य और दौलत के सहारे नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और भरोसे के सहारे पार लगता है।

बीते कुछ समय से सामाजिक सद्भाव में कमी देखने को आ रही है। सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने के प्रयास पूरे देश की प्रगति के लिए घातक हैं। खासकर ऐसे समय में जब चारों तरफ से विदेशी ताकतें सिर उठाकर खड़ी हों। इन त्योहारों को मनाने का आनंद सामूहिक है, एकल नहीं। अमावस्या की रात जब लाखों दीप एक साथ जलते हैं, तो अंधकार कहीं छुप सा जाता है, तो क्यों न हम सभी के दिलों में प्रेम, विश्वास और श्रद्धा के दीप इसी तरह जगमगाएं कि हम तमाम भेदभाव को भूलकर सामाजिक सौहार्द की मिसाल बन जाएं। हमें याद रखना होगा कि तरह-तरह के बल्ब और रोशनी के इस युग में जीवन के एक गहन सत्य को संप्रेषित करने के लिए दीपक जलाए जाते हैं। इस दिवाली में हम सभी के भीतर का अंधकार समाप्त हो। हमारा विवेक और हमारी संवेदनाएं जागृत हों।

गर्भावस्था और शिशु हानि-एक मौन पीड़ा

गर्भावस्था एक स्त्री के जीवन की सबसे पवित्र और आनंदमयी यात्रा होती है। यह वह समय होता है जब एक नया जीवन उसके भीतर आकार ले रहा होता है, जब उसके मन में नन्हीं-नन्हीं उम्मीदें पल रही होती हैं, लेकिन कभी-कभी यह यात्रा अधूरी रह जाती है, जब गर्भपात, मृतजन्म या शिशु की असामयिक मृत्यु जैसी घटनाएं सामने आती हैं। यह केवल एक शारीरिक घटना नहीं होती, बल्कि गहराई तक पहुंचने वाला मानसिक और भावनात्मक आघात होती है। समाज में अक्सर ऐसी घटनाओं पर खुलकर चर्चा नहीं की जाती, जिससे परिणाम स्वरूप पीड़ित परिवार एकाकीपन महसूस करता है।

गर्भावस्था और शिशु हानि का वास्तविक अर्थ

- गर्भावस्था की हानि का अर्थ है-गर्भ का किसी भी अवस्था में समाप्त हो जाना, चाहे वह प्रारंभिक गर्भपात हो या प्रसव के बाद शिशु की मृत्यु।
- यह किसी भी महिला और परिवार के लिए अत्यंत कष्टदायी अनुभव है।
- यह न केवल शरीर को, बल्कि मन को भी झकझोर देने वाली स्थिति होती है।

आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से गर्भ हानि के कारण

आयुर्वेद में गर्भधारण और प्रसव को "सुप्रजा जन्म" की संकल्पना के रूप में देखा गया है। गर्भ का स्थायित्व और शिशु का स्वास्थ्य माता-पिता दोनों के "शुद्ध शुक्र एवं आर्तव, सात्विक आहार-विहार और मानसिक संतुलन" पर निर्भर करता है।

आयुर्वेदिक कारण

- क्षीण गर्भाशय (क्षीण गर्भाशय वलय)-जब गर्भाशय की पेशियां कमजोर होती हैं।
- रज-दोष या शुक्रदोष- बीजदोष के कारण गर्भ का सही विकास नहीं हो पाता।
- अतियोग (अत्यधिक परिश्रम या सहवास)- प्रारंभिक गर्भावस्था में शारीरिक परिश्रम या तनाव।
- अविपक्व गर्भ- जब आहार-विहार गर्भवती के अनुकूल न हो।
- मानसिक कारण-अत्यधिक भय, क्रोध या चिंता भी गर्भाशय में संकुचन को उत्पन्न कर सकती है।

समाधान और निवारण

गर्भिणी परिचर्या : आयुर्वेद के अनुसार, गर्भवती स्त्री को हर मास के अनुसार विशेष आहार, औषधि और दिनचर्या अपनानी चाहिए।

शांत मन और सात्विक भोजन : मानसिक शांति और सात्विक भोजन गर्भस्थ शिशु के विकास में महत्वपूर्ण है।

गर्भस्राव की प्रवृत्ति होने पर अशोक घनसार, लोध्रासव, शतावरी कल्प आदि औषधियां चिकित्सक की सलाह से दी जाती हैं।

पंचकर्म से पूर्व तैयारी : जिन महिलाओं में बार-बार गर्भपात होता है, उन्हें गर्भधारण से पहले रसायन चिकित्सा और शोधन चिकित्सा (जैसे वमन, विरेचन, बस्ति) से शरीर को संतुलित किया जा सकता है।

आधुनिक चिकित्सा का योगदान

- आधुनिक विज्ञान ने मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है।
- नियमित अल्ट्रासाउंड और प्रसवपूर्व जांचें भ्रूण की स्थिति और स्वास्थ्य को समझने में मदद करती हैं।
- फोलिक एसिड, आयरन और कैल्शियम सप्लीमेंटेशन गर्भवती महिला के लिए अनिवार्य है।
- संक्रमण नियंत्रण व टीकाकरण, शिशु मृत्यु के जोखिम को कम करते हैं।
- मानसिक स्वास्थ्य परामर्श- गर्भावस्था के दौरान मनोवैज्ञानिक परामर्श भी आवश्यक है ताकि तनाव से गर्भ पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

भावनात्मक समर्थन और परिवार की भूमिका

- शिशु हानि के बाद सबसे महत्वपूर्ण है-सहानुभूति और समझ।
- समाज को यह समझना चाहिए कि यह किसी की गलती नहीं है। ऐसे में परिवार और मित्रों को चाहिए कि दु:ख को सुनें, पर सलाह देने से बचें।
- मातृ-पितृ को भावनात्मक सहारा दें।
- स्मृति दिवस जैसे अवसरों पर उनकी भावनाओं का सम्मान करें।

शिशु हानि के सामान्य कारण

गर्भावस्था या शिशु हानि कई कारणों से हो सकती है। कभी यह चिकित्सा जटिलताओं के कारण होती है, तो कभी जीवनशैली या सामाजिक कारक भी इसमें भूमिका निभाते हैं। इसके मुख्य कारणों में शामिल हैं-

- गर्भावस्था में संक्रमण- रुबेला, टॉक्सोप्लाजमोसिस या अन्य वायरल संक्रमण गर्भस्थ शिशु को प्रभावित कर सकते हैं।
- प्रीक्लेम्प्सिया या गर्भावधि उच्च रक्तचाप- गर्भवती महिलाओं में रक्तचाप बढ़ने से भ्रूण को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता।
- पोषण की कमी- आयरन, फोलिक एसिड या कैल्शियम की कमी गर्भावस्था की जटिलता को बढ़ा देती है।
- गर्भाशय या गर्भनाल की असामान्यताएं- जैसे प्लेसेंटा का समय से पहले अलग होना या गर्भनाल का उलझना।
- दुर्घटनाएं, मानसिक तनाव या धूम्रपान- अल्कोहल जैसी आदतें।
- असमय जन्म- जब शिशु का जन्म समय से पहले होता है और वह पूर्ण रूप से विकसित नहीं होता।
- आनुवंशिक विकार- कुछ भ्रूण जन्मजात विकृतियों के कारण जीवनक्षम नहीं होते।

भावनात्मक और सामाजिक प्रभाव

गर्भावस्था या शिशु की हानि केवल एक शारीरिक घटना नहीं, बल्कि गहरी मानसिक आघात का कारण होती है।

माता के लिए : यह घटना उसके भीतर गहन अपराधबोध, उदासी और अवसाद का कारण बन सकती है।

पिता के लिए : समाज में पिता की भावनाओं को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है, परंतु वे भी समान रूप से दर्द महसूस करते हैं।

परिवार के लिए : घर का वातावरण मौन और दु:ख से भर जाता है। परिवार में अन्य बच्चों पर भी इसका मानसिक प्रभाव पड़ सकता है।

इसलिए आवश्यक है कि ऐसे परिवारों को मानसिक और सामाजिक समर्थन दिया जाए, ताकि वे इस कठिन समय से उबर सकें।

भारत में स्थिति और चुनौतियां

- भारत में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर पिछले कुछ वर्षों में घटी है, परंतु अभी भी यह पूरी तरह संतोषजनक नहीं है।
- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के अनुसार, भारत में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) लगभग 27 प्रति 1000 जीवित जन्म है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में यह दर अधिक है, जहां स्वास्थ्य सेवाएं सीमित हैं।
- सामाजिक कारण, जैसे प्रारंभिक विवाह, कुपोषण, शिक्षा की कमी और प्रसव में देरी भी बड़ी चुनौतियां हैं। इसलिए, गर्भवती महिलाओं को नियमित जांच, संतुलित आहार और समय पर चिकित्सकीय सलाह लेना आवश्यक है।

आयुर्वेद की दृष्टि से मातृ शांति के उपाय

- आयुर्वेद मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को समान महत्व देता है।
- ध्यान, प्राणायाम और मंत्र जाप गर्भवती और शोकग्रस्त माता के मन को शांत करते हैं।
- शतावरी, अशोक, गुडूची, ब्राह्मी जैसी औषधियां मानसिक और शारीरिक संतुलन के लिए उपयोगी हैं (चिकित्सक की देखरेख में)।
- स्नेहपूर्ण वातावरण, सात्विक आहार और नकारात्मक भावनाओं से दूरी गर्भ के पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- गर्भावस्था और शिशु हानि का दर्द शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।
- यह अनुभव एक गहरी खालीपन, अपराधबोध और दुख की भावना छोड़ जाता है।
- सही देखभाल, समय पर चिकित्सा, मानसिक समर्थन और आयुर्वेदिक जीवनशैली अपनाकर इस दु:ख को जीवन की नई दिशा में बदला जा सकता है।
- आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि मातृत्व को सम्मान, सुरक्षा और संवेदना के साथ देखा जाए।
- हर मां का अनुभव चाहे अधूरा रहा हो, वह सम्मान और प्रेम की पात्र है। हर वह जीवन, जो क्षणभर भी अस्तित्व में आया, वह हमारे दिलों में सदा जीवित रहेगा।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बरेली

इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है कि समाज में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाई जाए। संस्थान में गर्भिणी परिचर्या क्लिनिक, आयुर्वेदिक परामर्श केंद्र, गर्भसंस्कार कार्यक्रम और मानसिक स्वास्थ्य परामर्श सेवाएं उपलब्ध हैं।

यहां की चिकित्सा पद्धति केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक, आध्यात्मिक और सामाजिक स्वास्थ्य पर भी केंद्रित है। संस्थान का उद्देश्य है- "हर मां को स्वस्थ गर्भावस्था और हर शिशु को सुरक्षित जन्म मिले।"

बच्चों में 'गाली' क्यों बन रही है कूल!

डिजिटल दुनिया एक शक्तिशाली उपकरण है, लेकिन इसे पालने वाला नहीं बनाया जा सकता। हमारे बच्चे उस दुनिया की भाषा बोल रहे हैं, जिसे हमने उन्हें बिना किसी फिल्टर के सौंप दिया है। यह दोष मढ़ने का समय नहीं है। स्कूल अनुशासन सिखाता है, लेकिन जीवन का पाठ घर और समाज ही पढ़ाता है। हमें अपने बच्चों के नैतिक और भाषाई विकास के लिए एक साथ खड़े होना होगा। आइए माता-पिता, शिक्षक और समुदाय के रूप में, हम उनकी भाषा की सुरक्षा दीवार बनें।

यह स्कूल नहीं, सामाजिक चुप्पी का नतीजा

एक हालिया घटना ने मुझे स्तब्ध कर दिया। कक्षा 3 की एक शिक्षिका ने हैरान होकर बताया कि सात साल के एक बच्चे ने खेल-खेल में बेहद अश्लील गाली का इस्तेमाल किया। जांच करने पर पता चला कि उस बच्चे ने वह शब्द अपने पसंदीदा ऑनलाइन गेमिंग कमेंटेटर से सुना था, जो लाइव-स्ट्रीमिंग के दौरान अक्सर ऐसे शब्दों का प्रयोग करता है। यह केवल एक बच्चे की कहानी नहीं है, बल्कि तकनीक प्रेमी पीढ़ी (टेक सैवी जनरेशन) के सामने खड़ी एक विकट सामाजिक समस्या का आईना है। एक स्कूल काउंसलर के तौर पर मैं अक्सर माता-पिता से एक ही सवाल सुनती हूं: 'मेरा बच्चा ये सब स्कूल से सीख रहा है, हम तो घर पर कभी ऐसे शब्द इस्तेमाल नहीं करते। स्कूल क्या कर रहा है?' यहीं पर हमें रुककर सोचने की जरूरत है। अगर न माता-पिता सिखा रहे हैं और न ही स्कूल, तो यह अभद्र भाषा का चलन हमारी नई पीढ़ी में कहां से आ रहा है?

डॉ. सिमरन कौर
मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ

सामुदायिक संकल्प

यह समस्या न तो केवल बच्चों की है, न केवल स्कूलों की, बल्कि यह पूरे समाज की जिम्मेदारी है। हमें एक 'सामुदायिक संकल्प' लेना होगा।

माता-पिता बनें 'पहला फायरवॉल'

संयुक्त स्क्रीन टाइम : बच्चे को फोन या टैबलेट अकेले न दें। उनके साथ बैठें। वे कौन सी गेमिंग स्ट्रीम देख रहे हैं, उसे साथ में देखें। जब कोई गाली देता है, तो वहीं पर चर्चा करें कि 'क्या यह सही तरीका है?'

उदाहरण बनें : घर में खासकर बच्चों के सामने, अपनी भाषा को लेकर अत्यंत सजग रहें। डिजिटल डिटॉक्स करें- भोजन के समय फोन दूर रखें।

सशक्त भाषा का प्रशिक्षण

अगर बच्चा गाली देता है, तो उसे सजा देने के बजाय पूछें: 'जब तुमने वह शब्द इस्तेमाल किया, तब तुम्हें कैसा महसूस हो रहा था? उन्हें सिखाएं कि क्रोध या असहमति व्यक्त करने के लिए 'गाली' नहीं, बल्कि 'मुझे निराशा हुई' या 'मैं इस बात से सहमत नहीं हूं' जैसे मुखर वाक्य का उपयोग किया जाता है।

सकारात्मक ऑफलाइन गतिविधियां

सामाजिक कौशल विकास : बच्चों को खो-खो, कैरम या कहानियों की किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करें। ऑफलाइन खेल उन्हें वास्तविक जीवन में टीमवर्क, हार-जीत को स्वीकारना और संघर्षों को भाषा के माध्यम से हल करना सिखाते हैं।

सामूहिक समस्याएं

हमारी सामूहिक समस्याएं, हमारा समुदाय जिस सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है, वह है भाषा की भावनात्मक असंवेदनशीलता।

गाली का 'कूल' फैक्टर : आज तीसरी कक्षा तक के बच्चों के लिए अभद्र शब्द गुस्से की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि ऑनलाइन दुनिया में 'तेज', 'हिम्मती' या 'कूल' दिखने का एक माध्यम बन गए हैं। वे सोचते हैं कि जो जितना अधिक गाली देता है, वह उतना ही अधिक 'प्रो' या 'मजेदार' होता है।

उत्तरदायित्व का अभाव : हमने बच्चों को स्मार्टफोन तो दे दिए, लेकिन उन्हें यह नहीं सिखाया कि ऑनलाइन दुनिया के लिए भी एक शिष्टाचार संहिता होती है। वे गेमिंग चैट्स, सोशल मीडिया कमेंट्स और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर बिना किसी नियंत्रण के सब कुछ देख रहे हैं।

स्कूल पर दोष डालना : बच्चे 8 घंटे स्कूल में रहते हैं, लेकिन बाकी के 16 घंटे और सप्ताहांत वे घर और डिजिटल दुनिया में बिताते हैं। हम यह मान लेते हैं कि बच्चे के चरित्र और भाषा की पूरी जिम्मेदारी स्कूल की है, जबकि घर पर दिया गया डिजिटल एक्सेस पूरी तरह अनफिल्टर्ड होता है।

गाली-गलौज की पाठशाला : कहां से सीख रहे हैं बच्चे?

यह स्वीकार करना जरूरी है कि बच्चे यह अभद्र भाषा स्कूल के पाठ्यक्रम से नहीं, बल्कि इन तीन स्रोतों से सीख रहे हैं, जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।

अनियंत्रित डिजिटल मंच

ऑनलाइन गेमिंग : पबजी/बीजीएमआई, फ्री फायर जैसे गेम्स में वॉयस चैट के दौरान हार-जीत के बीच इस्तेमाल होने वाली अपशब्दों की बौछार। बच्चा सामने वाले को नीचा दिखाने के लिए गाली देना सीखता है।

भारतीय संदर्भ : कई क्षेत्रीय गेमिंग स्ट्रीमर्स और रोस्टर्स अपनी सामग्री को रोमांचक बनाने के लिए हिंदी या अन्य भारतीय भाषाओं में अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हैं, जो सीधे बच्चों की श्रवण शक्ति पर असर डालता है। सोशल मीडिया और मीम्स : व्यंग्य या हास्य के नाम पर बनाए गए वीडियो, वेब सीरीज के ट्रेलर और मीम्स में अपशब्दों का मुक्त उपयोग।

घर का अप्रत्यक्ष प्रभाव

माता-पिता खुद कभी गाली न दें, लेकिन अगर वे फोन पर गुस्से में बात करते हुए, ट्रैफिक जाम में या टीवी पर किसी बहस के दौरान कड़े या अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, तो बच्चा तुरंत उस व्यवहार को पकड़ लेता है। बच्चे हमें देखकर सीखते हैं कि गुस्से या हताशा को व्यक्त करने का 'सबसे तेज़' तरीका क्या है।

मानसिक स्वास्थ्य के सुझाव

समय सीमा और मानसिक शांति

- नियम : गैजेट्स (फोन, टैबलेट) इस्तेमाल करने का एक निश्चित समय तय करें।
- बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए : सोने से कम से कम एक घंटा पहले सभी स्क्रीन बंद करवा दें। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी नींद को प्रभावित करती है, जिससे तनाव और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। पर्याप्त नींद बेहतर मानसिक स्वास्थ्य की नींव है।

साइबर बुलिंग/धमकी और भावनात्मक सुरक्षा

- नियम : उन्हें सिखाएं कि ऑनलाइन किसी से भी बदतमीजी नहीं करनी है और अगर कोई उनके साथ बदतमीजी करता है (साइबर धमकी), तो तुरंत माता-पिता या शिक्षक को बताना है।
- बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए : बच्चे को यह विश्वास दें कि शिकायत करने पर उन्हें डांटा नहीं जाएगा। उन्हें बताएं कि ऑनलाइन धमकी से होने वाली चिंता, डर और उदासी पूरी तरह सामान्य है और वे इसे अकेले न सहें।

ऑनलाइन अजनबियों से बात न करें

- नियम : बच्चों को समझाएं कि वे ऑनलाइन गेम्स या सोशल मीडिया पर केवल उन्हीं लोगों से दोस्ती करें, जिन्हें वे वास्तविक जीवन में जानते हैं।
- डर और असुरक्षा की भावना : ऑनलाइन अजनबी अक्सर हानिकारक इरादे रखते हैं, जिससे बच्चों में डर और असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती है। सुरक्षित महसूस करना अच्छे मानसिक स्वास्थ्य की पहली शर्त है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
यह सप्ताह आर्थिक दृष्टि से यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है, लेकिन व्यवहारिक दृष्टि से आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता भी बनी रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में आपको परिवार के साथ में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

वृष
यह सप्ताह बीते हफ्ते से ज्यादा शुभता और सौभाग्य लिए रहेगा। यदि आप बीते कुछ समय से किसी कार्य को पूरा करने के लिए प्रयासरत थे, तो वह इष्टमित्रों की मदद से पूर्ण हो जाएगा। सप्ताह की शुरुआत में संतान से जुड़ी किसी बड़ी चिंता के दूर होने से आप राहत की सांस लेंगे।

मिथुन
यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। आपकी कोई बड़ी मनोकामना पूरी हो सकती है। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको मनचाहे रोजगार की प्राप्ति संभव है और यदि आप पहले सही कहीं पर कार्यरत हैं, तो आपके पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि संभव है।

कर्क
यह सप्ताह थोड़ा राहत भरा रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपको तमाम परेशानियों से आंशिक ही सही, लेकिन राहत मिलती हुई नजर आएगी। रोजी-रोजगार से जुड़ी मुश्किलों का समाधान खोजने में मित्रगण एवं शुभचिंतक सहायक साबित होंगे।

सिंह
इस सप्ताह किसी भी कार्य में जल्दबाजी करने की बजाय उसे बहुत सोच-समझकर करने की आवश्यकता रहेगी। आप अपने करियर अथवा कारोबार के प्रति लापरवाह होने से बचें अन्यथा आपको पद एवं प्रतिष्ठा की हानि हो सकती है। समय पर शुभचिंतकों और इष्टमित्रों की मदद न मिल पाने से भी आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा।

कन्या
इस सप्ताह मन, वचन और कर्म से किसी को भी दु:ख देने से बचना चाहिए। आप खुद को जितना तमाम तरह के विवादों से दूर रखेंगे, उतना ही सुकून में रहेंगे। किसी बात को लेकर आत्मीयजनों के साथ वाद-विवाद होने की आशंका है। इस दौरान आपको लोगों को जवाब देने से ज्यादा उन्हें सुनने और समझने की ज्यादा आवश्यकता रहेगी।

तुला
यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। आपको अपनी वाणी विनम्रता रखते हुए खुद को तमाम विवादों से दूर रखना श्रेयस्कर रहेगा। घर-परिवार से जुड़ी समस्याएं आपकी चिंता का कारण बनेंगी। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं, तो आपको बाजार में आई मंदी से जूझने में मुश्किलें आ सकती हैं।

वृश्चिक
इस सप्ताह करियर और कारोबार में मिले-जुले फल प्राप्त हो सकते हैं। इस पूरे सप्ताह आपको इस कहावत को हमेशा याद रखना होगा कि सावधानी हटी, दुर्घटना घटी। आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे। हालांकि आप उनकी चालों को अंतत: अपनी सूझबूझ से नाकाम करने में कामयाब हो जाएंगे।

धनु
इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपना कार्य किसी दूसरे के भरोसे छोड़ने की बजाय खुद बेहतर तरीके से पूरा करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा बना-बनाया कार्य भी बिगड़ सकता है अथवा उसमें अपेक्षित सफलता नहीं मिली पाएगी।

मकर
इस सप्ताह आपको अपने करियर और कारोबार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को अपने सीनियर से अपेक्षित सहयोग व समर्थन न मिल पाने के कारण कुछेक दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। कर्मक्षेत्र से जुड़ी समस्याओं का समाधान खोजने में आपके शुभचिंतक एवं इष्टमित्र काफी मददगार साबित होंगे।

कुंभ
इस सप्ताह दूसरों के साथ वैसा व्यवहार बिल्कुल नहीं करना चाहिए, जो खुद के लिए पसंद नहीं है। यदि आप निरंतर अपने लक्ष्य के लिए प्रयासरत रहते हैं, तो आपको सप्ताह के उत्तरार्ध तक अपेक्षा से अधिक सफलता और लाभ की प्राप्ति हो सकती है। यह सप्ताह व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत ही शुभ रहने वाला है।

मीन
यह सप्ताह मिश्रित फलदायक है। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपका मन घर-परिवार से जुड़े किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंतित रह सकता है। आपको इस दौरान चिंता की बजाय चिंतन करने की आवश्यकता रहेगी। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप अपने प्रयास और शुभचिंतकों की मदद से काफी हद तक समस्याओं का समाधान खोजने में कामयाब हो जाएंगे।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 30

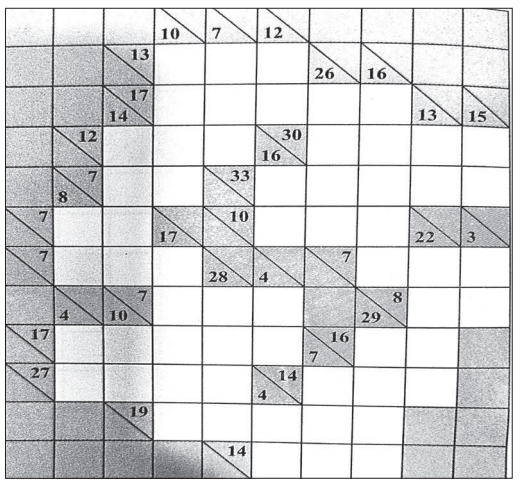

काकुरो 29 का हल

3	8	6	2	1	7			
1	5	2	4	8	9			
9	1		1	3	2	1		
9	7		3	6	8	7	9	
8	6	4	9	7	2	1	3	
		2	3		2	1		
8	7	5		7	8	3	6	9
7	2	1	3	4			1	8
9	1		1	3		1	3	
		1	5	2		3	2	1
		4	2	1		2	4	3

कहानी

इजहार...

दोनों की दुनिया अलग थी, पर नजरों की भाषा एक थी। नजरें भी कुछ ऐसी कि सब कुछ कह जाती थीं, सिवाय एक इजहार के। अक्सर उसे देखकर ममता हौले से मुस्कुरा देती थी और दिलीप था कि बस एक नजर डालकर आगे बढ़ जाता था। शायद उसके मन में भय था कि अगर उसने कुछ बोल दिया तो यह लड़की कहीं मुस्कुराना ही न भूल जाए। बात यूनिवर्सिटी कैंपस की है, जिन दिनों वो पढ़ाई किया करते थे। दिलीप विज्ञान का छात्र था, वहीं ममता कॉमर्स की पढ़ाई कर रही थी। उनकी क्लासें अलग होने से कभी-कभार ही उनमें मुलाकातें होती थी। कॉरिडोर में जब कभी भी वे दोनों आपस में टकराते थे, उनकी आंखे दो से चार होती रहती थीं। इस सिलसिले का इतना तो असर हुआ कि थोड़े समय बाद ही उन्हें महसूस होने लगा कि ऐसा कुछ है, जो उनके दिलों में हलचल करने लगी है। फिर भी खामोशी की दीवार तोड़ने का प्रयास उन दोनों में से किसी ने कभी भी नहीं किया था। दरअसल वो जमाना ही कुछ और हुआ करता था, जब आशिकों को ढेर सारी बंदिशें जकड़े रहा करती थीं। चार आंखें एक क्या हुईं, चालीस आंखें पीछा करने लगती थीं।

यूनिवर्सिटी के दिन ऐसे ही गुजर गए। वक्त ने करवट ले ली। यूनिवर्सिटी तो अपनी जगह वहीं पर थी। वहां की रौनक और चहल-पहल में कहीं से कोई कमी नहीं आई थी। यदि कहीं से कुछ कम हुआ था, तो बस यही कि वे दोनों मूक पंछी कहीं और किसी दिशा में उड़ चुके थे। अक्सर ऐसा देखा गया है कि प्यार परवान चढ़ने से पहले ही दम तोड़ देती है। इस कहानी में शायद दोनों यही चाहते थे कि इजहार की पहल सामने वाला करे। लड़की की उलझन तो एक बार फिर भी समझी जा सकती है, परंतु दिलीप के मन में क्या चल रहा था, यह समझना आसान नहीं था। जरूर कुछ बात थी, जो वह ममता को इग्नोर करके बड़ी खामोशी के साथ दूर निकल गया था। फिलहाल इनके प्यार की कहानी यहीं नहीं खत्म होती।

आज लगभग छह वर्षों के बाद, वक्त ने एक बार फिर से करवट ली थी। दिल्ली एयरपोर्ट पर, टैक्सी से उतरते ही, दिलीप ने ट्रॉली पर अपना सामान रखा और गेट की ओर लगभग दौड़ते हुए बढ़ चला। तेज बारिश और जाम के चलते, उसे पहले ही एयरपोर्ट पहुंचने में काफी देर हो चुकी थी। उसे भय सता रहा था कि कहीं उसकी फ्लाइट की बोर्डिंग पास इशू करने वाली विंडो बंद न हो गई हो। विंडो को खुला देखकर, उसकी ललाट पर सिमट आई सिलवटें कुछ कम होने लगी। जल्दी से उसने अपने पेपर काउंटर की दूसरी तरफ बैठे स्टाफ की ओर बढ़ा दिया।

अच्छा! तो आप ही दिलीप हैं। हमलोग आप ही के इंतजार में बैठे हैं, अच्छा हुआ आपने आने से पहले ही मैसेज कर दिया था। चलिए जल्दी से अपना सामान जमा कीजिए, तब तक मैं आपके पेपर चेक कर लेता हूं। सामान जमा करके जब वह लौटा उसका बोर्डिंग पास तैयार था। दिलीप आगे बढ़ गया। अंत में इमिग्रेशन काउंटर से निपटकर वो वेटिंग रूम की ओर बढ़ चला। यद्यपि उसके दिल की धड़कने कम हो गई थीं, परंतु अभी भी माथे पर छलक आई पसीने की चंद बूंदें सूखने का नाम ही नहीं ले रही थीं। जेब से रुमाल निकालकर, अपने पसीने को साफ करते हुए, उसने वेटिंग रूम में प्रवेश किया ही था कि सबसे पहले उसकी निगाहें उस लड़की की ऊपर जा टिकी जो अपना सिर झुकाए, लैपटॉप पर झुकी बैठी हुई थी। ये तो वही यूनिवर्सिटी वाली लड़की लग रही है, नहीं, नहीं ये वो नहीं है, वो तो दुबली पतली थी, यह तो भरे बदन वाली उसी की शक्ल जैसी कोई और ही है। यह सोचकर वह उसके सामने के सोफे पर जाकर बैठ गया।

दिलीप बैठ तो गया था, परंतु अभी भी रह-रह कर वह उसी लड़की को चोरी-चुपके देख रहा था, अगर वही होगी तो मुझे देखकर शायद एकबार फिर से मुस्कुरा दे। हुआ भी ऐसा ही, जब ममता ने अपना सिर उठाया तो सामने दिलीप को पाकर चौंक गई। अरे! यह तो वही है। उसने पहचाने में कोई भूल नहीं की थी। अगले ही पल उसने दिलीप की ओर मुस्कुराकर हेलो बोला और अपना बैग उठाकर दिलीप के पास आकर बैठ गई। पूछा, पहचाना आपने।

दिलीप ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, क्यों नहीं, आप लखनऊ यूनिवर्सिटी वाली अरे! मैं तो आपका नाम भी नहीं जानता। क्या नाम है आपका ममता और आपका दिलीप फिर दोनों खिलखिला कर हंस पड़े।

ममता बोली चलिए, हम दोनों ने कम से कम एक दूसरे का नाम तो जान लिया अन्यथा... अन्यथा क्या?

फिर ऐसे ही मिलते और अजनबी की तरह अपने-अपने रास्ते निकल पड़ते है ना! अच्छा पहले ये तो बताइए, आप जा कहां रहे हैं? जर्मनी फ्रैंकफर्ट, दिलीप ने संक्षिप्त सा जवाब दिया। ओह! घूमने या फिर किसी काम से। नहीं, वहां मेरी जॉब लगी है, ज्वाइनिंग लेने जा रहा हूं। क्या अजीब इत्तेफाक है, मैं भी बंगलौर ज्वाइनिंग ही लेने जा रही हूं।

विजय सिंह
रुद्रपुर, उत्तराखंड

अपने क्या कोर्स किया है। इसी साल सी.ए कंप्लीट किया है। और आप? मैंने बी.टेक करने के बाद एम.बी.ए किया था।

शादी की या अभी कुंवारे ही बैठे हैं। ममता ने एक झटके में दिलीप से पूछ तो लिया, परंतु अगले ही पल झेंपकर उसने अपना सिर झुका लिया। नहीं.. अभी नहीं.. हाल-फिलहाल अभी इरादा भी नहीं है। और आप ने? जी नहीं आप ही जैसा मेरा भी हाल है। दोनों एक बार फिर से खिलखिला पड़े। एक बात पूछूं, जवाब देंगे? पूछिए, क्या आपको कभी मेरी याद आती थी?

दिलीप ने सोचा भी न था कि वह ऐसे प्रश्न भी पूछ सकती है। वह एकटक ममता को निहारने लगा। उसे कोई जवाब सूझ नहीं रहा था कि वह क्या बोले? आपने मेरे प्रश्न का जवाब नहीं दिया। अचानक से फ्रैंकफर्ट की फ्लाइट का अनाउंसमेंट सुनकर दिलीप उठ खड़ा हुआ। उसकी बोर्डिंग के लिए गेट खुल गया था।

एक काम करिए आप किसी पेपर पर अपना मोबाइल नंबर लिखकर दे दीजिए। अब तो हम दोस्त बन गए हैं। फोन पर बात करते रहेंगे।

आप मोबाइल में मेरा नंबर सेव कर लीजिए। ममता की वाणी में अजीब सी उदासी थी। देखिए जल्दी में मैं अपने बड़े वाले सूटकेस के जेब में मोबाइल रखकर भूल गया हूं, वह तो लगेज के साथ ही चला गया है। इसीलिए आपसे कागज पर नंबर मांग रहा हूं।

ओह! फिर आप अपना ही नंबर बोल दीजिए मैं सेव कर लेती हूं। आपको जब फोन करूंगी, आपको मेरा नंबर मिल जाएगा। अरे नहीं! जर्मनी में मेरा यहां वाला नंबर बदल जाएगा। वहां जाते ही मुझे वहां का सिम लेना होगा। फिर आप कैसे बात करेंगी। इसीलिए तो आपका नंबर मांग रहा हूं। ममता जल्दी से बैग में कागज पेन ढूंढने लगती है। इतने में अंतिम अनाउंसमेंट होता है। फ्रैंकफर्ट की फ्लाइट की बोर्डिंग गेट दस मिनट में बंद हो जाएगी, जो यात्री अभी भी इतने सुनते ही दिलीप 'बाय-बाय..' बोलकर मुड़ा और तेजी से गेट की ओर बढ़ गया।

ममता फटी आंखों से दिलीप को जाते हुए देखती रह गई। कैसा है ये इंसान! मुझे अपना मोबाइल नंबर तक देना नहीं चाहता। कितनी बेरुखी से मुड़ कर चला गया। कहीं मैं ही जबरदस्ती पीछे तो नहीं पड़ रही हूं? बैंगलोर में ज्वाइनिंग लेने के बाद ममता को वहां काम करते हुए 11-12 माह गुजर चुके थे। उसे विश्वास होने लगा था कि अब दिलीप से शायद ही कभी मुलाकात होगी। कॉन्टेक्ट नंबर, एक दूसरे का अता पता, कुछ भी तो नहीं था उसके पास। फिर भी न जाने क्यों, जब कभी किसी का फोन आता था, ममता को ऐसा लगता था, जैसे अभी दूसरी तरफ से दिलीप की आवाज आएगी.. "बताओ मैं कौन हूं"।

शायद यह उसके मन का विश्वास ही था कि एक दिन शाम को जब वह अपने कमरे में पहुंचकर लेटी ही थी कि मोबाइल की घंटी बजने लगी। कौन हो सकता है, यह सोचते हुए उसने जैसे ही मोबाइल उठाकर कान से लगाया, उसे दूसरी तरफ से आवाज सुनाई पड़ी। हेलो! बताओ मैं कौन हूं।

ओह नो.. दिलीप!.. अरे वाह.. आपको मेरा नंबर कहां से मिल गया! मैं तो बिल्कुल ही निराश हो गई थी। अच्छा, पहले ये बताइए, आप कहां से बोल रहे है, जर्मनी से या फिर इंडिया आए हुए हैं? आप एक साथ इतने प्रश्न पूछेंगी, फिर मैं कैसे जवाब दे पाऊंगा। सॉरी.. वेरी सॉरी..! वो क्या है कि अरे कुछ नहीं। हां, आप बोलिए न दिलीप को ममता की आवाज में आश्चर्य, उल्लास और उत्तेजना का मिश्रण साफ सुनाई दे रहा था। शांत चित्त होकर मेरी बात ध्यान से सुनिएगा, आपके सारे प्रश्नों के जवाब मिल जाएंगे। हां तो, मैं इस वक्त लखनऊ में हूं, आपके घर पर हूं, मैं अकेला नहीं आया हूं, मेरे मम्मी-पापा भी साथ में आए हुए हैं। वे सभी लोग आपस में बातें कर रहे हैं, मैं थोड़ी देर के लिए बाहर निकल आया हूं, आपका मोबाइल नंबर आपके पापा से मुझे मिला है, आपके घर का पता आपकी कंपनी के रिकॉर्ड्स से मिला है। जिस इंसान ने आपका पता ढूंढकर मेरी मदद की है, वो मेरा दोस्त है, जो वहीं बंगलौर में काम करता है। आप सोच भी नहीं सकती हैं कि इस काम के लिए उसने कितने पापड़ बेले हैं। उसने सिर्फ आपका ही नहीं और भी कंपनियों में काम करने वाली ममता नाम की लड़कियों के भी अते-पते भेजे थे। उन सारे पतों को देखकर मुझे लगा कि यह लखनऊ वाला पता आपका हो सकता है। सो आपके घर तक पहुंच गया। बस अब फोन रख रहा हूं, फिर बात करेंगे। एक बात और अब जब भी हम आपस बात करेंगे। यह "आप..आप" की दीवार गिराकर, बात करेंगे। बाकी की खबर अपने पापा-मम्मी से ले लेना।

हां, एक बात कहना भूल गया था हो सकता है, वो तुमसे हमारी शादी के विषय में तुम्हारी रजामंदी पूछें। अपनी रजामंदी देने से पहले, जीवन की कुछ जिम्मेदारियों और कर्तव्यों की ओर तुम्हारा ध्यान दिलाना चाहूंगा, जिन पर तुम्हें भी विचार कर लेना चाहिए। पहली बात यह कि हमें नौकरी के चलते, एक दूसरे के साथ रहने का कम ही अवसर मिलेगा। ऐसे में एक दूसरे पर हमारा विश्वास सदैव कायम रहना चाहिए। दूसरी बात मेरे माता-पिता के लिए बुढ़ापे का एक मात्र सहारा मैं ही हूं, उन्हें भी हमें अपने जीवन में उचित स्थान देना होगा। तीसरी और अंतिम बात यह कि जब तुम रूठोगी, मैं तुम्हें मनाऊंगा और जब मैं रूठूंगा, तुम मनाओगी। मेरी बात तुम्हें कुछ अटपटी लग सकती है, पर यह हमारी जिंदगी की खुशहाली के लिए कड़वी सच्चाई है। कट फोन कट गया। ममता सोच में पड़ गई। यह कौन सा तरीका है, खुशखबरी देने का। अपने मुंह से नहीं कह सकते, मेरे पापा-मम्मी मुझे बताएंगे। उफ्फ! कैसे इंसान से दिल लगा बैठी। प्यार करेंगे, पर इजहार नहीं करेंगे। ममता की आंखों में आंसू छलक आए।

दोहे/कविताएं/गीत

रौशन हुआ जहान

दीप दीप जलते गये, रौशन हुआ जहान।
अंधियारे ने अंतत:, ली अब चुप्पी तान।।

स्याह अमावस सी घनी, कितनी भी हो रात।
जलकर दीपक दे रहा, अंधियारे को मात।।

बाती मिल कर तेल से, होती रही निहाल।
अपने मन की कह रही, पूंछ रही फिर हाल।।

आंख मिचौली कर रही, नटखट झालर आज।
दीपों से है आ रही, कुछ कुछ उसको लाज।।

छुई मुई सी फुलझड़ी, नखरे करे हजार।
इस नखरे में फंस गया, सुंदर सरल अनार।।

खील-बताशे-रेवड़ी, पहन नए परिधान।
त्योहारों पर आ गए, लिए मधुर मुस्कान।।

खुशियां आंगन की बढ़ी, चहक रहे हैं द्वार।
इस दीवाली देखकर, संग सकल परिवार।।

हमको पुरखों ने दिये, जितने भी त्योहार।
मौसम के अनुकूल सब, हैं सुख का आधार।।

दीपक से हम सीख लें, परमार्थ का भाव।
जलकर उजियारा करे, यह है संत स्वभाव।।

आओ मिलजुल कर सभी, करते रहें प्रयास।
धरती पर हो सर्वदा, उजियारे का वास।।

प्रदीप बहराइची
शिक्षक

उत्सव

उत्सव है, उजास है विनय-पत्रिका
अंधेरे के विरुद्ध एक सख्त कार्रवाई भी
जीवन से जुड़ी-जुड़ी, विस्तृत विशाल
भरी-भरी हैं हरे-भरे से प्रिय और सुंदरतम
है हर हाल है कोशिश यही कि पहुंचे फिर जहां तक भी पहुंचे वह
हारेंगी-हारेंगी साजिशें ही हारेंगी
और जितेगा सौजन्य-सौहार्द जितेगा फिर प्रेम ही जितेगा
द्वारे-द्वारे जाग रही है लौ विश्वास की
साहसपूर्ण साहस भरे पांवों की धीरे-धीरे धधकते-सुलगतें गारों की तरह
मेरे-तेरे, सभी-सभी के सीनों में हर कहीं
कौन है, कौन है जो रोक सकता है युद्ध ये
कहीं नहीं, कभी नहीं, कोई नहीं, जरा नहीं
उत्सव है, उजास है विनय-पत्रिका
जो करती है मुक्त सभी को।

राजकुमार कुम्भज
स्वतंत्र पत्रकार

मां

मां है कितना पावन नाम, जैसे कोई तीर्थ धाम।
मां का सचमुच नहीं बखान, मां होती है बहुत महान।
जीवन भर दुख सहती रहती, मुख से पर कुछ कभी न कहती।
खुशियां हम पर न्योछावर करती, हम बच्चों के सब दुख हरती।
हर मुश्किल सी लड़ना सिखाती, ख्वाब दिखाकर हिम्मत देती।
मां तुम ही मेरी पहली शिक्षक, तुम ही जीवन का आधार।

दीपा त्रिपाठी
शिक्षिका

लघुकथा

दिवाली की जगमग

अभिनव और अर्नव दिवाली की छुट्टी होने के बाद से घर की सफाई में लगे हुए थे। हर कोने की गंदगी साफ करने पर दोनों अमादा थे। फिर दीवाली से दो दिन पहले ही दोनों ने किसी और के जीवन को खुशियों से जगमग करने की सोची। दोनों ने अपनी जेब खर्च को सालभर से बचाया था कि दिवाली पर पूरे घर की दीवारों पर नीचे पीली-लाल और हरा झालर लगाकर सजाएंगे, लेकिन दोनों के मन में आ गया था कि किसी और के जीवन में उजाला भरने के लिए इस दीवाली पर उपहार दिया जाए।

सूर्यदीप कुशवाहा
वाराणसी

दिवाली की सुबह भी दोनों भाई अभिनव और अर्नव दिन ढलने से पहले ही घर को झालरों से न सजाने का मन बना लिया। फिर बाजार जाकर मिठाइयां, पटाखे और मोमबत्तियां खरीदी। घर आकर अपनी मां को सारी बात बताई तो मां ने कहा असली दिवाली तो किसी जरूरतमंद की मदद करके खुशियों का प्रकाश फैलाना ही दिवाली का जगमग है। उनकी बात सुनकर खुशी-खुशी दोनों ने मां के काम में हाथ बंटाया। वे दोनों कभी दीयों को धोने-सुखाने, बत्तियां बनाने में मदद करने के बाद पास के झुग्गी में जाने के लिए निकल पड़े। मां को दोनों के इस परोपकारी निर्णय पर काफी अच्छा महसूस हो रहा था। वे भी लक्ष्मी पूजन की तैयारी में लग गईं। यह तो सच था कि लक्ष्मी जी सबसे ज्यादा सजे घर में ही आएंगी, सो सभी अपनी-अपनी जगह लक्ष्मी के स्वागत की तैयारी में जुटे हुए थे। साथ ही दोनों बच्चे झुग्गी में पहुंचकर अपने हम उम्र बच्चों को मिठाइयां, पटाखे और मोमबत्तियां बांटने लगे। उनसे दीवाली का उपहार पाकर उन गरीब बच्चों के चेहरे पर प्रसन्नता का भाव तैर रहा था। एक छोटा बच्चा बड़ी व्यग्रता से मिठाई और पटाखे मिलने की प्रतीक्षा कर रहा था कि तभी सारे पटाखे और मिठाइयां खत्म हो गईं। वे दोनों बच्चों के पास आकर बोले हम तुम्हारे लिए अभी मिठाई और पटाखे लेकर आते हैं फिर दोनों बाजार से लाकर उस बच्चे को दे दिया। बच्चा बहुत प्रसन्न हुआ। यह देखकर दोनों को अंदर से बहुत खुशी हुई। दोनों वापस घर लौट आए।

मां ने अभिनव, अर्नव से कहा, "तुम अपने सारे पैसे से उन बच्चों को दिवाली मनवा दी। मैंने पिताजी को सारी बात बताई है। सुनकर बहुत प्रसन्न हुए हैं। उनको आने दो, वे इकट्ठे ही मिठाइयां और पटाखे ले आएंगे। क्या पता वो शहर से ही तुम दोनों के लिए इस परोपकार के लिए नए कपड़े भी ले आएं। दोनों भाई बोले, अच्छा मां! कुछ देर में पिता जी आ गए। उनके हाथ में बड़ा-सा झोला, कपड़ा और मिठाई का डिब्बा था। आओ अब हम भी दिवाली मनाते हैं, रोशनी से घर जगमग करते हैं और पटाखे जलाते हैं। पिताजी के साथ नए कपड़े पहनकर दोनों खुशी-खुशी पटाखे जलाने लगे।

अनुभूति

प्रेम

जानते हैं इस दौर में जो कई पवित्र भाव बचे रह गए हैं, उनमें से एक है अध्यापिका के प्रति उसकी किसी छात्रा का अनकहा प्रेम। संकोच, आंखों में किसी नन्हें शावक सा दुबका बैठा दिखता है। होंठों पर हर बार एक मर्यादित, औपचारिक प्रश्न-मैम, आप नोटबुक चेक कर देंगी?/आज ये पढ़ाना है/ये मैं एक्सरसाइज कर के लाई हूं देख लीजिए। इसका क्या अर्थ होता है? आदि आदि।

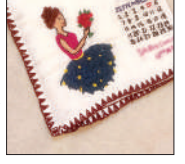

त्विंकल तोमर सिंह
शिक्षिका

औपचारिक प्रश्नों के भीतर जो अनौपचारिक प्रेम छुपा होता है, उसे अनुभव करने के लिए किसी विशेष मापयंत्र की आवश्यकता नहीं होती। प्रेम कभी भी ठोस नहीं होता, वह द्रव हो सकता है, जो द्रवित कर दे या वह सुगंध हो सकता है, जो आजीवन एक स्मृति बनकर महकता रहे। एक अध्यापिका के समक्ष सबसे बड़ी दुविधा होती है कि वह प्रेम का प्रतिकार 'प्रकट प्रेम' से नहीं कर सकती। अव्वल तो अध्यापक का प्रेम आशीर्वाद है, जो किसी मेधावी के सिर पर स्वयं ही चला जाता है। दूसरा प्रेम के बदले विशेष प्रेम दिया ही नहीं जा सकता है, समानता और निष्पक्षता का नियम अध्यापक का बंधन है। अध्यापिका का प्रेम भी मूक होता है। दिखता नहीं है, अप्रकट है, अप्रत्यक्ष है। अध्यापिका जानती है तुमने अंदर ही अंदर कुछ भावनात्मक सूत्र जोड़ लिए हैं, पर इसे न तो बढ़ावा देना है, न ही मुरझाने देना है। बस इसे एक अलग दिशा में ऊर्जा देनी है। इसी प्रेम में उसे सानकर उससे कुछ बड़ा करवाना है। उसे संवारना है, उसे निखारना है।

समीक्षा

नृत्य और दृढ़ता का संगम

भारतीय शास्त्रीय नृत्य की दुनिया में सोनल मानसिंह एक अनमोल रत्न हैं। पद्म विभूषण से सम्मानित, ओडिसी और भरतनाट्यम की महान नृत्यांगना और सांस्कृतिक दूत हैं। उनकी आत्मकथा, 'एक जिगजैग मन', जो अगस्त 2025 में प्रकाशित हुई, एक सामान्य आत्मकथा नहीं है। 208 पेज की यह किताब 26 अध्यायों में उनके जीवन, नृत्य और आध्यात्मिकता की एक जीवंत कहानी है, जो पाठकों को भारतीय सौंदर्य और पर्यावरण के करीब लाती है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने अपने विद्वतापूर्ण प्राक्कथन में लिखा है, "सोनल मानसिंह ने नाट्य, नृत्य और नृत्त को खूबसूरती से समझाया है। सोनल मानसिंह की लेखनी उनके नृत्य की तरह ही है-अप्रत्याशित, भावपूर्ण और गहरी। किताब का शीर्षक, 'एक जिगजैग मन', उनके जीवन दर्शन को दर्शाता है। यह कोई सीधी राह नहीं, बल्कि एक घुमावदार यात्रा है, जिसमें कई मोड़, खोजें और दृढ़ता भरे कदम हैं। वह अपने जीवन को समय के क्रम में नहीं, बल्कि अलग-अलग थीम के माध्यम से प्रस्तुत करती हैं, जो नृत्त की स्वतंत्र भावना को दर्शाता है। किताब का एक प्रमुख आकर्षण गुरु-शिष्य परंपरा का वर्णन है। वह अपनी जिंदगी के अनोखे पलों को आत्म प्रकाशन के रूप में पेश करती हैं। किताब में नृत्य की दुनिया के अलावा नदी संस्कृति, कला की धर्मनिरपेक्षता और भारतीय विरासत की बहुस्तरीयता जैसे विषय भी शामिल हैं। यह किताब आत्मकथा से आगे बढ़कर रचनात्मकता, साहस और भारतीय संस्कृति की कहानी है।

पुस्तक : एक जिगजैग मन
लेखक : सोनल मानसिंह
प्रकाशन : विटस्टा पब्लिशिंग, नई दिल्ली
रुपये : 495
समीक्षक : विवेक शुक्ला, नई दिल्ली

जीवन और समाज का आईना

वरिष्ठ साहित्यकार और प्रसिद्ध नाटक 'पर्दा उठने दो!' के लेखक डॉ. सुरेश वशिष्ठ एक संवेदनशील रचनाकार हैं। हाल ही में इनका नया लघुकथा संग्रह 'रंगे हुए सियार' प्रकाशित हुआ। इस संकलन में 60 लघुकथाएं संकलित है। इस संग्रह की लघुकथाएं मानवीय संवेदना से लबरेज हैं। इनकी लघुकथाएं हमारे आसपास की हैं। इस संग्रह की रचनाएं अपने आप में मुकम्मल और उद्देश्यपूर्ण लघुकथाएं हैं और पाठकों को मानवीय संवेदनाओं के विविध रंगों से रूबरू करवाती हैं। लघुकथा एक कठिन विधा है। इसकी संरचना में कसावट का विशेष ध्यान रखना होता है। एक अतिरिक्त शब्द भी इसे कमजोर बना सकता है। लेखक हिन्दी भाषा के एक संवेदनशील लेखक हैं। 'वस्त्र' लघुकथा में नए प्राचार्य की सादा और सरल उपस्थिति न केवल एक अचंभित करने वाली घटना थी, बल्कि यह समाज की उस मानसिकता को भी सामने लाती है, जहां हम किसी की प्रतिष्ठा या सामाजिक स्थिति का आकलन केवल उसके बाहरी रूप-रंग से करने लगते हैं। हम अक्सर यह सोचते हैं कि कोई व्यक्ति जितना भव्य होगा, उसकी योग्यता और प्रभाव भी उतना ही बड़ा होगा, लेकिन इस लघुकथा में इसका उल्टा हुआ है। संवेदनात्मक स्तर पर ये लघुकथाएं भीतर तक उद्वेलित करती हैं। हर लघुकथा खत्म होने के लंबे अंतराल तक जेहन में अपना प्रभाव छोड़ती हैं। इस संग्रह की लघुकथाओं में जीवन और समाज के हर पक्ष को बड़ी बारीकी से देखा और परखा गया है। डॉ. सुरेश वशिष्ठ ने पात्रों के मानसिक धरातल को समझकर उनके मन की तह तक पहुंचकर लघुकथाओं का सृजन किया है। डॉ. सुरेश वशिष्ठ की रचनाओं की भाषा सहज, स्वाभाविक और संप्रेषणीय है। इस संग्रह की लघुकथाओं के शीर्षक भी कथानक के अनुसार ही हैं। यह लघुकथा संग्रह आपको कई विषयों पर सोचने के लिए मजबूर कर देता है। आशा और उम्मीद है कि प्रबुद्ध पाठकों में इस लघुकथा संग्रह का स्वागत होगा।

पुस्तक : रंगे हुए सियार (लघुकथा संग्रह)
लेखक : डॉ. सुरेश वशिष्ठ
प्रकाशक : प्रेम प्रकाशन मंदिर, दरियागंज, दिल्ली
मूल्य : 250/- रूपए
समीक्षक-दीपक गिरकर

व्यंग्य

त्योहारी सीजन का मारा...एक बेचारा

यूं तो भारतीय समाज आजकल नारी-पुरुष एक समान की नीति पर चल रहा है। अधिकारों के नाम पर श्रीमतियों की डिमांड अपने- अपने श्रीमान जी से बढ़ती जा रही है। करवाचौथ पर्व पर जब श्रीमती जी ने श्रीमान जी के दीर्घायु होने की कामना में व्रत रखा, तो अपनी डिमांड की लंबी फेहरिस्त श्रीमान जी के हाथ में थमा दी। महंगी साड़ी के साथ महंगाई की ऊंची कूद लगाते स्वर्ण आभूषणों की डिमांड कर डाली। साथ ही धमकी भी दी कि चाहे जो मजबूरी हो, डिमांड श्रीमती जी की पूरी हो।

श्रीमान जी मरते क्या न करते, श्रीमती जी की डिमांड पूरी करने के लिए बैंक के कर्जे की किश्त बढ़ाने के लिए विवश हो गए। गृहस्थ जीवन में शांति पाठ का महत्व केवल श्रीमान जी ही जानते हैं। श्रीमती जी तो आपदा में अवसर ढूंढने की फिराक में ही रहती हैं, कि जैसे भी हो, त्योहार के नाम पर कैकेयी बनकर कोप भवन में अनशन की धमकी देती रहें और श्रीमान जी को समझौता वार्ता के लिए विवश करती रहे। बहरहाल करवाचौथ के समापन के उपरांत श्रीमती जी यदि श्रीमान जी से प्राप्त उपहारों से संतुष्ट हों, तो बड़ी बात है, अन्यथा श्रीमान जी भले ही अपनी जेब का अतिक्रमण करके कितना ही महंगा उपहार श्रीमती जी की सेवा में प्रस्तुत कर दें। श्रीमती जी को प्रसन्न करना आसान काम नहीं होता। त्योहारी सीजन आता तो है, मगर सामान्य श्रीमान जी के सम्मुख मुसीबतों का पहाड़ खड़ा करने में पीछे नही रहता। करवाचौथ के उपरांत धनतेरस भी श्रीमान जी की जेब पर क्रूर प्रहार करने से नहीं चूकता। श्रीमती जी की सुविधा प्राप्त करने वाली फेहरिस्त का आकार प्रतिवर्ष बढ़ता ही जाता है। अब पीतल के बर्तनों की डिमांड नहीं होती। डायमंड के गहनों की डिमांड अधिक होती है। साइकिल आज भी कुछ श्रीमानों के लिए सपना होगी, किंतु सुविधा भोगी श्रीमतियों की नजर किसी दोपहिया पर नहीं पड़ती। सामान्य चौपहिया भी उन्हें आरामदायक नही लगते। चौपहिया में भी उन्हें ऊंचे कद और तेज गति से दौड़ने वाली गाड़ियां ही पसंद आती हैं। ऐसा नहीं है कि श्रीमती जी श्रीमान जी की जेब की सीमाएं न जानती हों, किंतु श्रीमती जी अपने अड़ोस-पड़ोस, अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों की समृद्धि को कैसे पचाएं, जो भौतिक संसाधनों से घर के ड्रॉइंग रूम में महंगे झूमर की रोशनी से नहा रहे हों तथा श्रीमती जी की महत्वकांक्षा के परों को उड़ान भरने के लिए उकसा रहे हों। खैर जो भी हो, भले ही व्यापार घाटे में जाए या श्रीमान जी की नौकरी छूट जाए? त्योहारी सीजन श्रीमतियों के लिए ख्वाहिश बुनने और उन्हें पूरा कराने के लिए एक अदद श्रीमान जी पर दवाब बनाने का सीजन जरूर बन जाता है।

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

आधी दुनिया

दीपों की जगमगाहट, मिठाइयों की मिठास और अपनों का साथ-दिवाली का जादू बस कुछ ऐसा ही होता है, लेकिन इस उत्सव की रौनक तब और बढ़ जाती है, जब आप अपने लुक में भी वही रोशनी और रंग भर दें। फैशन की यह दिवाली सिर्फ नए कपड़े पहनने की नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति और स्टाइल सेंस को नए अंदाज में पेश करने का मौका है। इस बार फैशन ट्रेंड्स कह रहे हैं-परंपरा और आधुनिकता का मिलन ही असली ग्लैमर है। महिलाओं के लिए सिल्क, बनारसी या चिकनकारी साड़ियों के साथ कंट्रास्ट ब्लाउज ट्रेंड में हैं, वहीं इंडो-वेस्टर्न कुर्ता सेट और स्टेटमेंट ज्वेलरी आपका लुक और भी ग्लैमरस बना सकते हैं।

दिवाली पर अपनाएं स्टाइल और परंपरा का संगम

लहंगे: पारंपरिक और आधुनिक अंदाज

लहंगा दिवाली का एक पारंपरिक परिधान है, लेकिन इस दिवाली के लिए, कुछ अलग क्यों न आजमाएं? पन्ना हरा, शाही नीला या चटख पीला जैसे गहरे रंगों में लहंगे चुनें। ज्यादा आधुनिक लुक के लिए, इसे क्रॉप टॉप या कढ़ाई वाले ब्लाउज के साथ पहनें। लहंगे का फ्लोई सिल्हूट आपके उत्सवी लुक में चार चांद लगा देता है और साथ ही लंबे समय तक चलने वाले उत्सवों के लिए भी आरामदायक रहता है।

साड़ियां: कालातीत सुंदरता

भारतीय दिवाली परिधानों के लिए साड़ियां एक लोकप्रिय विकल्प हैं। इस दिवाली पहनने के अलग-अलग तरीके आजमाएं या एक सहज और स्टाइलिश लुक के लिए पहले से ड्रेप की हुई साड़ी पहनें। सिल्क, ऑर्गेंना और जॉर्जेट जैसे कपड़े आपके लुक को निखार सकते हैं, आप जहां भी जाएंगी, सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करेंगी। अगर आपको इतिहास के स्पर्श के साथ सादगी पसंद है, तो साड़ी आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है।

शरारा सेट

क्या आप कुछ ऐसा ढूंढ रही हैं, जो पारंपरिकता के साथ-साथ थोड़ी मस्ती का भी मेल खाए? इस साल दिवाली पर महिलाओं के लिए शरारा सेट ट्राई करें। ये सेट, चौड़े पैरों वाली पैंट और छोटे कुर्ते के साथ, पारंपरिक भारतीय पहनावे को एक नया रूप देते हैं। चाहे आप भारी कढ़ाई चुनें या साधारण, खूबसूरत डिजाइन, शरारा सेट आपके पहनावे को और भी निखार देंगे।

अनारकली सूट: शाही और आरामदेह

अगर आप आराम और परिष्कार का मेल चाहती हैं, तो अनारकली सूट दिवाली के लिए एकदम सही परिधान है। अनारकली में फर्श तक लंबी ड्रेस से लेकर छोटे, फैले हुए आकार तक हर दिवाली उत्सव के लिए आदर्श हैं। उत्सव के माहौल को पूरी तरह से अपनाने के लिए चटख रंगों या बेहतरीन कारीगरी वाले अनारकली सूट चुनें। ये हवादार, मुलायम होते हैं और आपको शाही एहसास दिलाते हैं, इन्हें पसंद करने के लिए क्या नहीं है?

कुर्ता-प्लाजो कॉम्बो

जो लोग ज्यादा आरामदायक लुक पसंद करते हैं, उनके लिए कुर्ता-प्लाजो का कॉम्बिनेशन एकदम सही है। दिवाली के लिए यह आउटफिट स्टाइल से समझौता किए बिना आराम का प्रतीक है। आप प्रिंटेड कुर्ते को प्लेन प्लाजो के साथ या फिर इसके उलट भी पहन सकती हैं। कुछ स्टेटमेंट इयररिंग्स पहनें और आप तैयार हैं।

खाना खजाना

अंकिता जोशी
फूड ब्लॉगर

केसर रसगुल्ला

केसर रसगुल्ला एक लोकप्रिय मिठाई है, जिसे त्योहारों और उत्सवों के दौरान बनाया जाता है। इसको ताजा मुलायम पनीर, केसर और मिश्रित सूखे मेवों से बनाया जाता है, इन्हें चीनी की चाशनी में भिगोकर ठंडा या नार्मल ठंडा खाया जाता है। केसर रसगुल्ले का एक बड़ा रूप है, जो पीले रंग का होता है। ये मुलायम और स्पंजी गोले सुगंधित गुलाब की चाशनी में डूबे होते हैं, जिससे इन्हें एक मनमोहक फूलों जैसा स्वाद मिलता है। आइए आज आपको बताते हैं, इन स्वादिष्ट केसर रसगुल्लों की रेसिपी।

सामग्री

- दूध-1 लीटर
- नींबू का रस या सिरका- 2 टेबल स्पून
- चीनी- डेढ़ कप
- पानी- 3 कप
- केसर के धागे- 1 बड़ा चम्मच
- गर्म दूध (केसर मिलाया हुआ)- 2 टेबल स्पून
- वैनिला एसेंस (वैकल्पिक)- कुछ बूंदें
- इलायची पाउडर (वैकल्पिक)- 1/4 चम्मच

बनाने की विधि सबसे पहले आप एक बड़े बर्तन में दूध उबालें। वह उबलने लगे, तो आंच धीमी कर दें और नींबू का रस या सिरका डालें। दूध फटने लगेगा और मक्खन जैसी मलाई और पानी अलग हो जाएगा। इसके बाद इसमें सादा पानी और मलाई को कपड़े से छानकर निथार लें। मक्खन जैसी वस्तु को साफ कर लें। फिर मक्खन जैसी वस्तु को अच्छी तरह गूंधें और छोटी-छोटी गेंदें बनाएं। इन गेंदों को हल्का सा खाल्का गुलाबी रंग भी दे सकते हैं। इसके बाद केसर के धागों को गर्म दूध में डालें और कुछ मिनट के लिए छोड़ दें ताकि केसर का रंग और खुशबू मिल जाए।

चाशनी- एक गहरे बर्तन में पानी और चीनी मिलाकर उबालें। जब चीनी घुल जाए, तो उसमें केसर का दूध और केसर के धागे डालें।

रसगुल्लों को पकाना- इन गेंदों को चाशनी में डालें और मध्यम आंच पर 15-20 मिनट तक पकने दें। रसगुल्ले फूलकर चाशनी सोख लेंगे। फिर रसगुल्लों को ठंडा होने दें। चाहें तो ऊपर से वैनिला एसेंस या इलायची पाउडर भी मिला सकते हैं। अब आप केसर रसगुल्ला को सर्व करें और चाहें तो सजावट के लिए थोड़े केसर के धागे ऊपर से डाल सकते हैं।

दीपावली में लाएं चेहरे पर सोने सा निखार

दीपावली रोशनी का त्योहार है, जब घर से लेकर दिल तक हर चीज जगमगा उठती है। ऐसे में अगर चेहरे पर भी वही सुनहरी चमक झलकने लगे, तो त्योहार की रौनक दोगुनी हो जाती है। कुछ आसान घरेलू उपायों और सही स्किन केयर रूटीन से आप भी पा सकती हैं सोने सा निखार, वो भी बिना किसी महंगे ट्रीटमेंट के।

- त्योहार से पहले की तैयारी-दिवाली के कुछ दिन पहले से ही अपनी स्किन केयर रूटीन पर ध्यान देना शुरू करें। दिनभर की धूल, प्रदूषण और तनाव आपकी त्वचा की चमक को फीका कर देते हैं। रोजाना रात में चेहरा अच्छी तरह क्लींजर से धोकर मॉइस्चराइजर लगाएं। हफ्ते में दो बार स्टीम लेकर क्लीनअप करें ताकि त्वचा की गहराई में जमी गंदगी निकल जाए।
- घर पर स्क्रब बनाएं - शक्कर, नींबू का रस और शहद मिलाकर हल्के हाथों से मसाज करें। प्राकृतिक फेस पैक से पाएं गोल्डन ग्लो घर की रसोई में मौजूद चीजों से तैयार फेस पैक आपकी स्किन को तुरंत निखार सकते हैं।
- हल्दी और बेसन पैक- एक चम्मच बेसन में चुटकीभर हल्दी, थोड़ा दूध और गुलाबजल मिलाएं। इसे 15 मिनट चेहरे पर लगाकर गुनगुने पानी से धोलें। हल्दी त्वचा में सुनहरी चमक लाती है और बेसन डेड स्किन हटाता है।
- केसर और दूध पैक- कुछ केसर की कली रातभर दूध में भिगो दें। सुबह इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट बाद धोलें। केसर का नैचुरल पिग्मेंट स्किन टोन को उजला और ग्लोइंग बनाता है।
- एलोवेरा और नींबू जेल- एलोवेरा जेल में कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाएं। इससे त्वचा को ठंडक मिलती है और टैनिंग दूर होती है।

रचनात्मकता और सुरक्षा से बच्चों के साथ मनाएं दीपावली

दीपावली और अन्य सांस्कृतिक त्योहार मनाने से बच्चों में उन परंपराओं के प्रति सम्मान और जिज्ञासा विकसित होती है, जो उनकी अपनी परंपराओं से भिन्न हो सकती हैं। रोशनी का त्योहार दिवाली, नन्हें बच्चों को विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं की खूबसूरती से परिचित कराने का एक अद्भुत अवसर है। कुछ मजेदार और सार्थक गतिविधियों के माध्यम से हम बच्चे को यह समझने में मदद कर सकते हैं कि भले ही हम सभी अलग-अलग पृष्ठभूमि से आते हैं, फिर भी हम प्रेम, प्रकाश और समुदाय के समान मूल्यों को साझा करते हैं।

दीपावली को रौशनी और दियों का त्योहार माना जाता है। पर इस त्योहार में दियों को इतना महत्व दिए जाने के साथ विज्ञान और आध्यात्म दोनों हैं। बच्चे के शुरुआती शिक्षण अनुभव में सांस्कृतिक उत्सवों को शामिल करके, हम एक अधिक समावेशी और सहानुभूतिपूर्ण विश्वदृष्टि की नींव रख सकते हैं।

हमारा मानना है कि विविध त्योहार मनाने से बच्चों में दुनिया की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति समझ और प्रशंसा विकसित होती है। दुनियाभर में लाखों लोगों द्वारा मनाई जाने वाली दिवाली, बच्चों को दयालुता, परिवार और एकजुटता के मूल्यों की शिक्षा देते हुए, मजेदार और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल होने का एक आदर्श अवसर प्रदान करती है।

यहां कुछ गतिविधियां साझा की जा रही हैं, जिनका आनंद आप अपने छोटे बच्चों के साथ दिवाली मनाने और विविधता के महत्व को समझाने के लिए ले सकते हैं।

कागज के दीये लैंप बनाएं

अपने बच्चे को रंगीन कागज, ग्लिटर और स्टिकर का इस्तेमाल करके खुद दीये बनाने में मदद करें। आप मॉडलिंग क्ले का इस्तेमाल करके दीयों को आकार दे सकते हैं और उन्हें चटख रंगों से रंग सकते हैं। यह हाथ से बनाया गया शिल्प न केवल उनकी रचनात्मकता को बढ़ाता है, बल्कि उन्हें दिवाली की परंपराओं से भी परिचित कराता है।

डॉ. अनिल चौबे
शिक्षक

कहानियां भी बताएं

छोटे बच्चों को दिवाली के महत्व और मूल्यों के बारे में सिखाने के लिए कहानियां सुनाना एक प्रभावशाली तरीका है। दिवाली पर बच्चों के लिए कई बेहतरीन किताबें उपलब्ध हैं इन कहानियों को पढ़ने से बच्चों को इस त्योहार के बारे में मजेदार और रोचक तरीके से जानने में मदद मिल सकती है।

संगीत, नृत्य के साथ जश्न मनाएं

संगीत और नृत्य दिवाली के कई उत्सवों का केंद्र बिंदु होते हैं। पारंपरिक भारतीय संगीत या आधुनिक बॉलीवुड गाने बजाएं और अपने बच्चे के साथ एक छोटी सी डांस पार्टी का आयोजन करें। उन्हें लय के साथ थिरकने और जीवंत धुनों का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

आनंद के साथ सुरक्षा भी जरूरी

हालांकि कई बार पैरेंट्स दिवाली सेलिब्रेशन में डूब जाते हैं और बच्चों पर उनका ध्यान नहीं रहता है, जिससे किसी भी तरह की दुर्घटनाएं हो सकती हैं। ऐसे में अगर घर में छोटे बच्चे हैं, तो उनका खास ध्यान रखना चाहिए।

मिठाइयां भी जरूरी

दिवाली खुशियों और रोशनी का त्योहार है। इस दिन बेहद स्वादिष्ट मिठाइयां और पटाखे फोड़ने का लुत्फ उठाया जाता है। बच्चों के लिए यह त्योहार बेहद खास होता है। इस दिन वे नए-नए कपड़े पहनकर पटाखे-फूलझड़ियां जलाते हैं।

कैसे रखें बच्चों की सेफ्टी का ध्यान

बच्चों को बिना मास्क न रखें

दीपावली से पहले प्रदूषण काफी हद तक बढ़ जाता है। ऐसे में बच्चों की सेहत का खास ख्याल रखना पड़ता है। दिवाली में जब काफी ज्यादा पटाखे जलाए जाते हैं, तो उससे निकलने वाला धुआं बच्चों के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए बच्चों को हमेशा मास्क पहनाएं रखें और दिवाली मजे से सेलिब्रेट करें।

दीपक जलाते समय रखें ध्यान

दिवाली के खास अवसर पर घर में दीये जलाए जाते हैं। ऐसे में कई बार बच्चें इस काम में मदद करते हैं। चूंकि बच्चे नटखट होते हैं, इसलिए दीये जलाते समय उन पर ध्यान देने की जरूरत है। क्योंकि जरा सी लापरवाही हादसे को दावत दे सकती है। कई बार बच्चे दीये जलाते समय खुद का हाथ भी जला बैठते हैं। इसलिए उनका ख्याल रखें।

अकेले न जलाने दें पटाखें

दिवाली की तैयारियों में कई बार पैरेंट्स इतने व्यस्त हो जाते हैं कि बच्चे अकेले ही पटाखे जलाने लगते हैं। ऐसे में कई बार बच्चे पटाखों की चपेट में आ जाते हैं। कोशिश करें कि बच्चों को साथ लेकर ही पटाखें जलाएं ताकि बच्चा सुरक्षित रहें और दिवाली सेलिब्रेशन सेफ्टी के साथ हो।

दीपावली का विज्ञान भी समझें

आज हम सभी वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन आप अपने घर पर घी या तेल का दिया जलाकर आपके घर में ऑक्सीजन की मात्रा को बढ़ा सकते हैं। ये कोई अंधविश्वास नहीं। इसके पीछे विज्ञान है। आपके घर में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ जाता है। जब हम घी या तेल का दिया जलाते हैं, तो तेल या घी में मौजूद फैटी एसिड जलते हैं। इस प्रक्रिया में फैटी एसिड का एक मॉलीक्यूल जलने से 56 कार्बन के मॉलिक्यूल निकलते हैं और 52 पानी के मॉलिक्यूल निकलते हैं। वहीं एक फैटीएसिड के मॉलिक्यूल को जलाने के लिए हवा में मौजूद ऑक्सीजन के 79 मॉलिक्यूल खर्च होते हैं।

सही कपड़े पहनाएं

कई बार फैंसी कपड़ों के चक्कर में बच्चों को दिवाली जैसे मौके पर खराब क्वालिटी के कपड़े पहना देते हैं। ऐसे कपड़ों के आग पकड़ने का खतरा ज्यादा रहता है। कोशिश करें कि बच्चों को दिवाली पर कॉटन के कपड़े ही पहनाएं। ऐसे कपड़े पहनाएं, जिनसे उनका पूरा शरीर ढका रहे।

रंगोली पैटर्न डिजाइन करें

रंगोली एक पारंपरिक भारतीय कला है, जिसमें रंगीन पाउडर, चावल या फूलों का उपयोग करके जमीन पर जटिल डिजाइन बनाए जाते हैं। आप अपने बच्चे के साथ कागज के एक टुकड़े पर या अपने ड्राइववे पर चाक या रंगीन रेत का उपयोग करके सरल रंगोली पैटर्न बना सकते हैं।

दीपावली पर शहर के बस अड्डों से चलेंगी 570 बसें

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: दीपावली और छठ पर परिवहन निगम ने महानगर के बस अड्डों से 570 बसों का संचालन करेगा, 10 बसें उपनगरीय बस अड्डों से चलाई जाएंगी। 370 बसें रायबरेली, बाराबंकी और हैदरगढ़ डिपो से चलेंगी। लखनऊ परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी ने बताया कि 105 अतिरिक्त बसों को बैकअप भी तैयार रखा गया है। दीपावली से 30 अक्टूबर तक परिक्षेत्र में सभी कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं। सभी बस अड्डों पर कर्मचारी 24 घंटे यात्रियों की सहायता के लिए तैनात रहेंगे।

प्रमुख रूटों पर बसें

रूट	बसें
लखनऊ से दिल्ली	55
लखनऊ से गोरखपुर	44
लखनऊ से आजमगढ़	37

अन्य रूट

बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, कानपुर, देहरादून, हरिद्वार, वाराणसी, प्रयागराज आदि।

कहां से कितनी बसें

डिपो	बसें
कैसरबाग डिपो	276
चारबाग डिपो	120
अवध डिपो	94
आलमबाग डिपो	80
उपनगरीय डिपो	10
रायबरेली डिपो	158
बाराबंकी डिपो	107
हैदरगढ़ डिपो	105
कुल	950

हेल्प लाइन नंबर	सुबह 6 से दोपहर 2	दोपहर 2 से रात 10	रात 10 से सुबह 6
बस अड्डा			
आलमबाग	8726005100	9452312139	8433305950
चारबाग	9415757195	9415007465	9818412842
कैसरबाग	9717870021	9793858053	9235058537
अवध	8726005107	9889490758	9119687393

अभिव्यक्ति की आजादी की मांग के बैनर लगे

अमृत विचार, लखनऊ : मदर सेवा संस्थान के युवा साथियों की पहल पर बक्शी का तालाब के कोटवा में शुभकामना सन्देश का बैनर लगाया गया। इस बैनर के जरिये युवाओं से कहा गया है कि यह युवाओं का भारत है और युवाओं की आवाज़ अभिव्यक्ति क्यों नहीं? इसलिए हमें भी अपनी अभिव्यक्ति करनी चाहिए।जिस तरह से धनाढ्य व्यक्तियों, अभिनेताओं और नेताओं के शुभकामना संदेश के बैनर अक्सर लगते हैं तो हमारे क्यों नहीं है। इनके सवालों में उम्मीद के पंख दिखें तो नई उड़ान को पहचान मिले।

लूटकांड

दो और आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: बाजारखाला पुलिस ने कलेक्शन एजेंट से 1.42 लाख रुपये की लूट में शामिल दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से लूट की रकम में बचे 7250 रुपये बरामद किए गए हैं। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि 19 सितंबर को राजाजीपुरम सपना कॉलोनी निवासी कलेक्शन एजेंट अरुण प्रताप सिंह से मोतीझील कॉलोनी कल्याण मंडप के सामने बाइक सवार बदमाशों ने झपटा मारकर रुपये से भरा बैग लूटा था। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से करीब 150 से अधिक कैमरों की जांच कर आरोपियों तक पहुंचने का रास्ता खोजा। पुलिस ने ऐशबाग स्टेशन के पास से दो और आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में सचिन कुमार गौतम निवासी आदर्श विहार बुद्धेश्वर रिंग रोड पारा और आशू चौरसिया निवासी न्यू आदर्श विहार पारा हैं। पुलिस वारदात में शामिल चार आरोपियों सुनील चौरसिया, कृष्णा शर्मा, श्रवण कुमार चौरसिया और सलमान को पूर्व में जेल भेज चुकी है।

कार्यालय सहायक अभियन्ता प्रथम सिंचाई खण्ड टाण्डा, अम्बेडकरनगर

ई-प्रोक्योरमेन्ट अति-अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या -06/स०अ०प्र०/2025-26

महामहिम राज्यपाल, महोदया, उत्तर प्रदेश की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन http://etender.up.nic.in के माध्यम से प्री-क्वालीफिकेशन/टेक्निकल बिड एवं प्राईस बिड/फाईनेन्शियल बिड सिंचाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 28.10.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक निम्न शर्तों के अनुरूप आमंत्रित की जाती हैं, जो दिनांक 29.10.2025 को ही पूर्वान्ह 11:00 बजे गठित समिति द्वारा ऑनलाईन खोली जायेंगी। बिड दिनांक 21.10.2025 को दोपहर 12.00 बजे से डाउनलोड/अपलोड किया जा सकता है। अपरिहार्य परिस्थितियों में कार्यालय बन्द होने या छुट्टी होने की दशा में यह बिड अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेंगी। निविदा से सम्बन्धित किसी प्रकार के संशय की स्थिति में दिनांक 21.10.2025 से कार्यालय अवधि में सम्पर्क किया जा सकता है। ठेकेदार को राय दी जाती है कि निविदा डालने से पूर्व कार्यस्थल से भलीभाँति परिचित हो लें।

(नोट :-उक्त निविदा जिलास्तरीय समिति के अनुमोदन एवं बजट आवंटन की प्रत्याशा में आमंत्रित की जा रही है, जिसका अनुबन्ध अनुमोदनोपरान्त धनावंटन प्राप्त होने के पश्चात ही गठित किया जायेगा। अनुमोदन अथवा धनावंटन प्राप्त न होने की स्थिति में अनुबन्ध हेतु पात्र ठेकेदार का कोई क्लेम मान्य नहीं होगा।)

लॉट संख्या	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत लाख में (जी0एस0टी0 रहित)	जमानत धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (जी0एस0 टी0 सहित)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	मंजीशा माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 4.100 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	1.43	2860.00	75+18%GST +200=289.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
2	गौरा माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 5.000 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	1.75	3500.00	75+18%GST +200=289.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
3	कैथा माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 3.700 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	1.29	2580.00	75+18%GST +200=289.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
4	मंगुराडिला माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 3.400 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	1.19	23800.00	75+18%GST +200=289.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
5	अमियां माइनर के किमी0 0.000 से 4.300 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	1.51	3020.00	75+18%GST +200=289.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
6	दौलतपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 5.000 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	1.75	3500.00	75+18%GST +200=289.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
7	मरहरा माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 3.800 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	1.33	2660.00	75+18%GST +200=289.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
8	दूलहूपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 4.300 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	1.51	3020.00	75+18%GST +200=289.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
9	लड़नपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 3.300 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.77	1540.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
10	रूस्तमपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 2.600 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.61	1220.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
11	ममरेजपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 2.220 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.55	1100.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
12	आशोपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 2.400 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.57	1140.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
13	हिथुरी माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 3.000 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.70	1400.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
14	खेतापुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 3.200 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.80	1600.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
15	केशवपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 2.600 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.65	1300.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
16	मोईनपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 2.000 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.50	1000.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
17	ईदलपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 3.000 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.75	1500.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
18	कासिमपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 1.600 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.40	800.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
19	शेषपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 2.600 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.65	1300.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
20	हैदराबाद माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 2.200 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.55	1100.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
21	अरई माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 2.500 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.63	1260.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
22	उमरापुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 3.100 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.78	7560.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
23	किछौछा माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 2.800 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.70	1400.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
24	सोहगपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 1.800 एवं रामपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 1.000 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.70	1400.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
25	माधोपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 2.000 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.50	1000.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च
26	निमटिनी माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 2.500 के मध्य सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	0.63	1260.00	50+18%GST +200=259.00 रू0 कुल राशि	15 दिवस	"डी" एवं उच्च

उपरोक्त निविदा/बिड की विस्तृत सूचना उत्तर प्रदेश सरकार की बेवसाईट http://etender.up.nic.in एवं सिंचाई विभाग की बेवसाईट http://idup.gov.in पर उपलब्ध है। उक्त कार्य हेतु इच्छुक निविदादाताओं से अनुरोध है कि नियमित रूप से उक्त बेवसाईट http://etender.up.nic.in का अवलोकन करते रहें, क्योकि समय-समय पर निविदा के सम्बन्ध में कोई परिवर्तन अथवा अतिरिक्त सूचना शुद्धि-पत्र के रूप में बेवसाईट पर उपलब्ध करायी जायेगी।

(संजीव सोनकर)
सहायक अभियन्ता प्रथम
सिंचाई खण्ड टाण्डा
अम्बेडकरनगर

UP – 239102 **दिनांक:** 17/10/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

कार्यालय उपजिलाधिकारी मिश्रिख-सीतापुर

पत्रांक 2107 /र0का0/मत्स्यपालन आवंटन/2025-26 दिनांक:- 13.10.2025

प्रेस विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मत्स्य पालन हेतु तालाब/पोखर/मीनाशय एवं जल प्रणालियों के 10 वर्षीय मत्स्य पालन पट्टा आवंटन हेतु 0.202 हेक्टेयर से अधिक तथा 2.000 हेक्टेयर से कम क्षेत्रफल वाले तालाबों का पात्र व्यक्तियों के मध्य तथा 2.000हे0 एवं 2.000हे0 से अधिक क्षेत्रफल के तालाबों को मत्स्य जीवी सहकारी समितियों के मध्य यथा संशोधित राजस्व संहिता 2016 की धारा 61 के अन्तर्गत नीलामी हेतु शिविर का आयोजन दिनांक 12.11.2025 तथा 13.11.2025 को तहसील मिश्रिख के सभागार कक्ष में किया जायेगा। 0.202हे0 से अधिक व 2.000 हे0 से कम क्षेत्रफल वाले तालाबों का लगान 5000/-रू0 प्रति हेक्टेयर तथा 2.000हे0 से अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों का लगान 10000/- रू0 से कम नही होगा। विवरण निम्नवत् है।

शिविर/नीलामी का स्थान – तहसील सभागार मिश्रिख
नीलामी का समय – 11:00 बजे से 5:00 बजे तक
नीलामी अधिकारी – तहसीलदार मिश्रिख।

क0सं0	ग्राम का नाम	परगना	गाटा संख्या	क्षेत्रफल(हे0)में	आरक्षित बोली की धनराशि
1	बेलहिया	मिश्रिख	278	0.364हे0	1820
2	बेलहिया	मिश्रिख	267	0.785	3925
3	साहबनगर	मिश्रिख	167मि0	3.759	37590
4	साहबनगर	मिश्रिख	220मि0	0.328	1640
5	साहबनगर	मिश्रिख	283मि0	0.259	1295
6	इमलिया	मिश्रिख	446मि0	1.173	5865
7	इमलिया	मिश्रिख	848	0.405	2025
8	इमलिया	मिश्रिख	777	0.234	1170
9	इमलिया	मिश्रिख	133	0.672	3360
10	आंट	मिश्रिख	728	0.967	4835
11	आंट	मिश्रिख	865	0.705	3525
12	आंट	मिश्रिख	955	1.303	6515
13	आंट	मिश्रिख	922	0.866	4330
14	आंट	मिश्रिख	559	1.800	9000
15	आंट	मिश्रिख	423	0.372	1860
16	आंट	मिश्रिख	407मि0	0.373	1865
17	कुतुबनगर	मिश्रिख	790	0.886	4430
18	कुतुबनगर	मिश्रिख	794	0.291	1455
19	मोहम्मदनगर	मिश्रिख	531	0.413	2065
20	लोहार खेड़ा	मिश्रिख	195ख	0.506	2530
21	निरहन	मिश्रिख	505	0.433	2165
22	दधनामऊ	मिश्रिख	497	0.405	2025
23	दधनामऊ	मिश्रिख	642	0.384	1920
24	बढैया	मिश्रिख	474मि0	1.003	501.5
25	इण्डलवेल ग्रन्ट	मिश्रिख	890	0.393	1965
26	इस्लामनगर	मिश्रिख	892	0.490	2450
27	अरसेनी	मिश्रिख	304मि0	27.661	276610
28	अर्थाना	मिश्रिख	307/1	0.202	1010
29	अर्थाना	मिश्रिख	274/3	1.501	7505
30	अर्थाना	मिश्रिख	73	0.567	2835
31	ननसोहिया	मिश्रिख	29/1	0.798	3990
32	सरोसा	मिश्रिख	810	2.501	25010
33	बरमी	मिश्रिख	542	0.393	1965
34	तेलियानी	मिश्रिख	815मि0	0.910	4550
35	वजीरनगर	मिश्रिख	219मि0	0.809	4045
36	फरिहा	मिश्रिख	91	2.671	26710
37	कोहरावां	मिश्रिख	412	0.866	4330
38	ढल्लिया	मिश्रिख	312/2	3.521	35210
39	कुसहा	मिश्रिख	17	2.808	28080
40	बिलरिया	मिश्रिख	115	1.229	6145
41	कुसहा	मिश्रिख	89मि0	4.719	47190
42	गौरा	मिश्रिख	221	0.409	2045
43	अकबरपुर	मिश्रिख	1401	1.809	9045
44	हरनी	मिश्रिख	12घ	0.632	3160
45	कुनेहटा लक्षीरामपुर	मछरेहटा	871	0.259	1295
46	माड़र	मछरेहटा	939	0.344	1720
47	बहोरनपुर	मछरेहटा	226	0.607	3035
48	लालपुर	मछरेहटा	695क	1.445	7225
49	भिठौरा	मछरेहटा	121मि0	0.757	3785
50	राजागांव	मछरेहटा	172	0.809	4045
51	बिजुवामऊ	मछरेहटा	711ग	0.983	4915
52	मिरचौड़ी	मछरेहटा	535मि0	0.632	3160
53	बीहट बीरम	मछरेहटा	677क	0.829	4145
54	गौरिया	मछरेहटा	1594	0.275	1375
55	गौरिया	मछरेहटा	1633क	2.355	23550
56	दलेलनगर	मछरेहटा	26	0.700	3500
57	दलेलनगर	मछरेहटा	30	0.295	1475
58	राजेपारा	मछरेहटा	303	0.263	1315
59	राजेपारा	मछरेहटा	965	0.384	1920
60	राजेपारा	मछरेहटा	1454/1909	0.717	3585
61	राजेपारा	मछरेहटा	1356	0.287	1435
62	राजेपारा	मछरेहटा	1236	0.454	2270
63	हीरापुर	मछरेहटा	306/2	1.380	6900
64	राठौरपुर	मछरेहटा	54मि0	1.226	6130
65	राठौरपुर	मछरेहटा	64ख	0.425	2125
66	मसतिया लखन्सेपुर	मछरेहटा	19ग	0.364	1820
67	मसतिया लखन्सेपुर	मछरेहटा	180	0.384	1920
68	मछरेहटा	मछरेहटा	114	1.356	6780
69	मछरेहटा	मछरेहटा	205	0.498	2490
70	भर्राडीह	मछरेहटा	94	1.032	5160
71	माड़र	मछरेहटा	1125	0.417	2085
72	फतेहनगर	मछरेहटा	164	1.570	7850
73	उत्तरथोक	मछरेहटा	1141मि0	0.599	2995
74	उत्तरथोक	मछरेहटा	1141मि0	0.931	4655
75	गोंडा	मछरेहटा	610	0.340	1700
76	रालामऊ	मछरेहटा	452	0.231	1155
77	रालामऊ	मछरेहटा	583क	1.743	8715
78	भेलावां	मछरेहटा	977	0.291	1455
79	रामपुर	मछरेहटा	243मि0	0.623	3115
80	लालपुर	मछरेहटा	277ख	0.518	2590
81	गुमटा	मछरेहटा	103मि0	2.125	21250
82	मामूपुर	मछरेहटा	177ग	0.785	3925
83	गौरिया	मछरेहटा	1633ख	0.304	1520
84	हीरापुर	मछरेहटा	306/4	0.210	1050
85	केसरा	मछरेहटा	17	0.510	2550
86	बरचन्दपुर	मछरेहटा	69	0.324	1620
87	मिर्जापुर दक्षिणी	मछरेहटा	100	0.320	1600
88	कोरौंना	कोरौना	813	0.214	1070
89	कल्ली	कोरौना	440घ	0.312	1560
90	बानपुर	कोरौना	135	0.494	2470
91	हाजीपुर	कोरौना	115	0.214	1070
92	बानपुर	कोरौना	502	0.615	3075
93	रघुनाथपुर ऐनी	कोरौना	394मि0	0.202	1010
94	नगवा पेड़ी	कोरौना	114	0.300	1500
95	नगवा पेड़ी	कोरौना	207	0.623	3115
96	मरेली	कोरौना	285	10.620	106200
97	मरेली	कोरौना	575	0.421	2105
98	मरेली	कोरौना	806मि0	0.554	2770
99	विजान ग्रन्ट	कोरौना	431	0.579	2895
100	विजान ग्रन्ट	कोरौना	332	0.267	1335
101	विजान ग्रन्ट	कोरौना	885	0.567	2835
102	लौंहगपुर	कोरौना	45	0.332	1660
103	बसन्तपुर	कोरौना	40	0.372	1860
104	अमटामऊ	कोरौना	588	0.648	3240
105	अमटामऊ	कोरौना	604/1190	0.470	2350
106	अमटामऊ	कोरौना	290	0.607	3035
107	हाजीपुर	कोरौना	200	0.445	2225
108	जरिगवां	कोरौना	47मि0	0.429	2145
109	चांदपुर	कोरौना	146क	1.289	6445
110	चांदपुर	कोरौना	248	0.275	1375
111	मरेली	कोरौना	704	1.408	7040
112	खेवटा रामपुर	औरंगाबाद	1076	0.644	3220
113	अशरफनगर	औरंगाबाद	736मि0	0.551	2755
114	फूलपुर	औरंगाबाद	1013	0.304	1520
115	फूलपुर	औरंगाबाद	1154क	0.210	1050
116	फूलपुर	औरंगाबाद	1178	0.214	1070
117	शमसापुर	औरंगाबाद	1130	0.223	1115
118	रघुनाथपुर	औरंगाबाद	14	0.360	1800
119	अटवा	औरंगाबाद	197	1.011	5055
120	अटवा	औरंगाबाद	1729	0.502	2525
121	अटवा	औरंगाबाद	1220मि0	0.607	3035
122	बिनौरा	औरंगाबाद	1089	0.425	2125
123	बिनौरा	औरंगाबाद	657	0.506	2530
124	भानपुर	औरंगाबाद	35	0.308	1540
125	भानपुर	औरंगाबाद	112मि0	1.575	7875
126	रहिमाबाद	औरंगाबाद	309	0.967	4835
127	लोधौरा	औरंगाबाद	1201क	0.304	1520
128	लोधौरा	औरंगाबाद	409	0.405	2025
129	लोधौरा	औरंगाबाद	899	0.437	2185
130	लकड़ियामऊ	औरंगाबाद	486	0.809	4045
131	अरबापुर	औरंगाबाद	263ब	0.397	1985
132	पनाहनगर	औरंगाबाद	1101	0.303	1515
133	रहिमाबाद	औरंगाबाद	309	0.967	4835
134	बिनौरा	औरंगाबाद	919	0.206	1030
135	अटवा	औरंगाबाद	1020मि0	0.513	2565
136	बिनौरा	औरंगाबाद	884	0.255	1275
137	लेखनापुर	औरंगाबाद	332	1.263	6315
138	अशरफनगर	औरंगाबाद	342	0.466	2330
139	अशरफनगर	औरंगाबाद	736/1	0.551	2755
140	औरंगाबाद	औरंगाबाद	8552	0.797	3985
141	औरंगाबाद	औरंगाबाद	324	1.003	5015
142	अटवा	औरंगाबाद	1429	0.514	2570
143	विनौरा	औरंगाबाद	1010	0.692	3460
144	पनाहनगर	औरगाबाद	429	0.599	2995
145	औरगाबाद	औरगाबाद	418	0.300	1500
146	हाजीपुर	कोरौना	86	0.405	2025

उक्त समस्त तालाबों में 2.000हे0 से बडे क्षेत्रफल के तालाबों का मत्स्य विभाग से पंजीकृत तथा मान्यता प्राप्त बहुउददेशीय/मत्स्य जीवी सहकारी समितियों को नीलामी के आधार पर 10 वर्षीय पट्टा दिया जायेगा। नीलामीकर्ता एक से अधिक होने की स्थिति में नियमानुसार सार्वजनिक नीलामी में सर्वोच्च बोली बोलने वाले व्यक्ति को उक्त तिथि एवं समय में तालाब नीलाम किया जायेगा। मत्स्य पालन में पट्टे के लगान का बकायेदार व्यक्ति अथवा समिति को किसी भी दशा में मत्स्य पालन हेतु बोली में शामिल नही किया जायेगा। मत्स्य जीवी सहकारी समितियों के लिये यह अनिवार्यतः होगी कि समिति के अध्यक्ष/सचिव सहायक निदेशक मत्स्य सीतापुर से अदेयता प्रमाण पत्र प्राप्त कर नीलामी के समक्ष प्रस्तुत करेगें। ऐसा न करने पर नीलामी प्रक्रिया में भागीदारी नही कर सकेगें। नीलामी में मत्स्य जीवी सहकारी समितियों को सहायक निदेशक मत्स्य/मुख्य कार्यकारी अधिकारी से समिति की वैधता की संस्तुति लेना अनिवार्य होगा। माननीय उच्च न्यायालय के सिविल मिस रिट पिटीशन संख्या 39590/2014 श्रीमती कौशल्या देवी बनाम उत्तर प्रदेश व राज्य व अन्य एवं सिविल मिस रिट पिटीशन सं0 41084/2014 शंकर बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य में पारित आदेशों के अनुपालन में नीलामी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को नवीनतम आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र (विज्ञापन की तिथि से 6 माह पुराना न हो) प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। यदि किसी तालाब का पट्टा हुआ है अवधि अवशेष है त्रुटिवश विज्ञापन हो गया है ऐसे तालाबों की नीलामी नही की जायेगी।

शिविर में भाग लेने की पात्रता एवं शर्तें

1. .नीलामी की प्रक्रिया में बोली की पात्रता एवं शर्तें (यथा संशोधित) रा0सं0-2016 के नियम 57(धारा 61) व 58(धारा 61) के प्रावधानों के अनुसार लागू होंगी।
2. मत्स्य आवंटन पट्टे की नीलामी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को नवीनतम आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र (विज्ञापन की तिथि से छः माह से पुराना न हो) अपने प्रार्थना पत्र के साथ प्रस्तुत किया जायेगा।
3. पट्टे की शर्तें एवं नीलामी से सम्बन्धित किसी अन्य जानकारी हेतु रजिस्ट्रार कानूनगो कार्यालय तहसील मिश्रिख में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकती है।
4. नीलामी में बोली बोलने के इच्छुक व्यक्ति को जमानत की धनराशि बोलने से पूर्व जमा करनी होगी तथा नीलामी सम्पन्न होने के पश्चात नीलामी ग्रहीता को सर्वोच बोली की धनराशि जो तय होगी उसको नीलामी समाप्त होने के उपरान्त जमा करना होगा।
5. यदि कोई भी पूर्व आवंटित/त्रुटिपूर्ण गाटा प्रकाशित हो जाता है तो तथ्य प्रकाश में आने पर वह स्वतः निरस्त समझा जायेगा। नीलामी स्वीकृति/अस्वीकृति करने का अधिकारी व अन्तिम निर्णय अधोस्ताक्षरी में निहित होगा।
6. नीलामी बोलने की न्यूनतम दर 2.000 हे0 से कम तालाबों की 5000/-प्रति हे0 व 2.000 हे0 से अधिक दर 10000/-प्रति हेक्टेयर होगी।
7. क्रम संख्या 01 से 73 तक तालाबों की नीलामी दिनांक 12.11.2025 व क्रम संख्या 74 से अंतिम तक तालाबों की नीलामी दिनांक 13.11.2025 को की जायेगी।

उप जिलाधिकारी
मिश्रिख

UP-239019 दिनांक 16.10.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

सुनि परमित पिय प्रेम की,
चातक चितवति पारि।
घन आशा सब दुख सहै,
अंत न याँचै वारि॥

सूरदास जी कहते हैं, प्रिय की अहमियत को जानकर पपीहा बादल की ओर निरंतर देखता रहता है। उसी मेघ की आशा से सब दु:ख सहता है, पर मरते दम तक भी पानी के लिए प्रार्थना नहीं करता। सच्चा प्रेम अपने प्रेमी से कभी कुछ नहीं मांगता या चाहता।

हम तमम से ज्योति व मृत्यु से अमरत्व की ओर चलें

> दीपोत्सव भारत का प्रकाश पर्व है। प्रकाश ज्ञान का उपकरण है, प्रकाश और ज्ञान पर्यायवाची हैं। प्रकाश अमरत्व है, अज्ञान मृत्यु। वृहदारण्यक उपनिषद् के ऋषि की प्रार्थना है, 'असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्माऽमृतं गमयेति- हम असत् से सत्, तमम से ज्योति और मृत्यु से अमरत्व की ओर चलें।' भारत की ज्योतिर्गमय आकांक्षा चिरंतन है। ऋग्वेद के ऋषि अग्नि की स्तुति में आह्लादित हैं, 'अग्नि ने अमर सूर्य को जन-जन को प्रकाश देने के लिए ही आकाश में स्थापित किया है।'

संसार का सर्वोत्तम प्रकाशरूपा है। छांदोग्य उपनिषद् के अनुसार 'सृष्टि का समस्त सर्वोत्तम और पुरुषोत्तम प्रकाशरूपा है। एक ही प्रकाश भिन्न-भिन्न रूपों-प्रतिरूपों में दीप्त होता है, चमकता है और 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' होता है।' सूर्य परम तेजोमय हैं, वे स्थावर और जंगम की आत्मा हैं। वे भी सहस्त्र आयामी प्रकाशरूपा हैं। गीता के अर्जुन ने विश्वरूप देखा, उसके मुंह से शब्द फूटे 'दिव्य सूर्य सहस्त्राणि-सहस्त्रों सूर्यो का प्रकाश एक साथ जगमगा उठा।' उपनिषद् के ऋषियों ने परमसत्ता की अनुभूति को प्रकाशरूप ही पाया। कठोपनिषद् (2.2.15), मुण्डकोपनिषद् (2.2.10) व श्वेताश्वतर उपनिषद् (6.10) में एक साथ गाए गए मंत्र में कहते हैं, 'न तत्र सूर्यो भाति, न चन्द्रतारकम/नेमा विद्युतो भान्ति कुतोऽयंमग्नि-वहां न सूर्य चमकते हैं और न चांद तारे। बिजली भी नहीं, अग्नि की बात ही क्या है?' बताते हैं, 'तमे भान्तमनुभाति सर्वं उसी के प्रकाश से यह सब प्रकाश है। तस्य भासा सर्वम् इदं विभाति-उसी की दीप्ति से यह सब प्रकाशित हैं।' हम भारत के लोग उत्सवप्रिय हैं। एक उत्सव प्रकाश दीप्ति के लिए।

दीपोत्सव भारत का प्रकाश पर्व है। क्यों न हो? अंधकार अज्ञान है। प्रकाश ज्ञान का उपकरण है, प्रकाश और ज्ञान पर्यायवाची हैं। प्रकाश अमरत्व है, अज्ञान मृत्यु। वृहदारण्यक उपनिषद् (1.3.28) के ऋषि की प्रार्थना है, 'असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्माऽमृतं गमयेति- हम असत् से सत्, तमम से ज्योति और मृत्यु से अमरत्व की ओर चलें।' भारत की ज्योतिर्गमय आकांक्षा चिरंतन है। ऋग्वेद (10.156.4) के ऋषि अग्नि की स्तुति में आह्लादित हैं। 'अग्नि ने अमर सूर्य को जन-जन को प्रकाश देने के लिए ही आकाश में स्थापित किया है।' ज्योति सनातन मानवीय आकांक्षा है। अग्नि ज्योतिरूप हैं।

ज्योति हमारी चिरंतन अभीप्सा है। पूर्वजों ने जहां-जहां ज्योति पुंज देखे, प्रणाम किया, स्तुतिवाचन किया, दिव्यता की अनुभूति पाई, देवता की प्रतीति मिली। जहां-जहां ज्योतिर्गमय प्रकाश, वहा-वहां दिव्यता और वहां-वहां देवता। सूर्य अखंड प्रकाश पुंज है। वे सविता देव हैं। ऋग्वेदकालीन विश्वामित्र ने सविता का प्रकाश देखा, दर्शन किया, उनके मुंह से गायत्री फूटी, 'तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो योनः प्रचोदयात्-हम बुद्धि को प्रेरित करने वाले सविता देव के वरण करने योग्य दिव्य प्रकाश तेज को धारण करते हैं।' (ऋ 3.62.10) प्रकाश दिव्य है, बुद्धि प्रकाशक है, तेज पुंज भी हैं।

हम भा-रत हैं। भा अर्थात प्रकाश, रत यानी संलग्न। सो सूर्य को नमस्कार हमारी संस्कृति है। हम चंद्र को अर्ध्य देकर पूजते हैं। अंधकार सूर्य से नहीं लड़ पाता, लेकिन यही अंधकार चंद्र से लड़ता है। प्रकाश और अंधकार का संघर्ष सनातन है। पूर्णिमा के दूसरे ही दिन से चांद घटने लगता है और अमावस तक रोजाना घटता है। अमावस परिपूर्ण तमस रात्रि है। अगले दिन से अंधकार पिटता है, प्रकाश बढ़ता है, 15 दिन बाद पूर्णिमा आती है। पूनो (पूर्णिमा) का चंद्र पूरी आभा, प्रभा दीप्ति और प्रीति के साथ खिलता है। भारत ने प्रत्येक पूर्णिमा को उत्सव बनाया। अषाढ़ पूर्णिमा का चंद्र बादलों से भी ढकता है, लेकिन उन्मुक्त चमकता है सो इस रात गुरु पूर्णिमा। श्रावण की पूर्णिमा रक्षाबंधन होती है, लेकिन शरद् चंद्र का क्या कहना? बहुत दूर आसमान में बैठा शरद् चंद्र धरती की प्रीति में अमृतघट उलीचता है, भारत ने शरद् पूनो के चंद्र को बहुत ज्यादा प्यार किया है। शरद् पूर्णिमा का प्रकाश-रास बनता है। शरदकाल वैदिक ऋषियों की प्रीति रहा है। वे सौ शरद् जीने के अभिलाषी थे-जीवेम शरदं शतं। सौ शरद् देखना भी चाहते थे-पश्येम शरदं शतं।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

शरद् पूर्णिमा की रात रस, गंध, दीप्ति, प्रीति, मधु, ऋत और मधुआनंद तो 15 दिन बाद झमाझम दीपमालिका। भारत ने इसी तमस् रात्रि को प्रकाश पर्व बनाया। जहां-जहां तमस् वहां-वहां प्रकाश-दीप। शरद चंद्र का झकास-प्रकाश प्रकृति की अनुकंपा है, तो दीपोत्सव मनुष्य की कर्मशक्ति का रचा गढ़ा तेजोमय प्रकाश है। प्रकाश ज्ञानदायी और समृद्धिदायी भी है। कार्तिकी अमावस का अंधकार प्रकाश की अनुपस्थिति ही नहीं होता। यह अस्तित्वगत होता है, अनुभूति प्रगाढ़ हो तो पकड़ में आता है। गजब के द्रष्टा थे हमारे पूर्वज। उन्होंने इसी रात्रि को अवनि अंबर दीपोत्सव सजाए। भारत इस रात केवल भूगोल नहीं होता, राज्यों का संघ नहीं होता, इस या उस राजनीतिक दल द्वारा शासित भूखंड नहीं होता। भारत इस रात 'दिव्य दीपशिखा' हो जाता है। भारत का मन पुलक में होता है, आमोद प्रमोद और परिपूर्ण उत्सवधर्मा होता है। वातायन मधुमय होता है। वातायन में शीत और ताप का प्रेम प्रसंग चलता है।

दीपपर्व लक्ष्मी आराधना की मुहूर्त है। लक्ष्मी धन की देवी हैं। वे धन देती हैं, समृद्धि देती हैं, 'शुभ लाभ' देती हैं। पश्चिमी अर्थशास्त्र में उद्यमी को साहसी बताया गया है। वह साहस करता है, कारखाना वगैरह लगाता है। लाभ उद्यमी के साहस का प्रतिफल है। 'शुभ लाभ' भारतीय चिंतन का विकास है। लाभ में श्रमिक का शोषण, टैक्स चोरी और भ्रष्टाचार भी शामिल है। 'शुभ लाभ' ईमानदार उद्यमी का हिस्सा है।पुराणों की तुलना में ऋग्वेद का समाज अतिप्राचीन है। समृद्धशाली भी है। यहां एक देवी 'अलक्ष्मी' (10.15.5) हैं, उनसे स्तुति है, 'आप विकृतरूपा हैं, अकाल लाती हैं, ये देवी हमसे दूर रहें।' यहां धन समृद्धि भी देवता (ऋ 10.117) हैं, 'सामान्य धनी दोगुनी, तीन गुनी और चार गुनी संपत्ति चाहते हैं, लेकिन धन का निजी हित में प्रयोग करने वाले पापी है।' यहां धन के सामाजिक उपयोग पर जोर है। ऐसा धन ही वस्तुतः शुभ लाभ है। सांस्कृतिक मर्यादा से हटने के कारण शुभ लाभ की परंपरा समाप्त हो गई।

लक्ष्मी भी मनमाना आचरण नहीं कर सकती। ऋग्वेद के देवता विष्णु विराट हैं, वामन भी हैं। विष्णु 'शांतकारं भुजग शयनं' हैं। श्रीलक्ष्मी विष्णु के श्रीचरण दबाती हैं। सापों पर भी शांत रहकर मजे से विश्राम करने वाले के पैर लक्ष्मी के अलावा कौन दबा सकता है? प्रतीकों के अपने रहस्य हैं, नीराजन और आराधन के अपने आनंद हैं। दीप पर्व में सबके सब एक जगह मिल जाते हैं। दीप मंगल मुहूर्त का प्रतीक है। यह प्रत्येक शुभ कर्म का श्रीगणेश है। अथर्ववेद के विराट सूक्त (8.9) में कहते हैं, 'इयमेव सा या प्रथमा व्योच्छदास्वितरासु- यही वह है जो प्रथम बार (सृष्टि पूर्व) प्रकाशित हुआ।' ऋग्वेद के गणपति कवि हैं, विद्वान हैं, लेकिन यजुर्वेद के गणपति 'निधिपति' भी हैं-निधीनां त्वा निधिपति। पुराणों वाले गणपति शंकर सुवन हैं। वे लंबोदर हैं। चतुर भी हैं। कार्तिकेय पिछड़ गए, वे ईमानदारी से पूरी दुनिया घूमे, गणेश ने मां-बाप का चक्कर लगाया, कहा, मां-बाप में ब्रह्मांड है। चूहा उनका वाहन है, लेकिन ऋग्वेद से लेकर संपूर्ण प्राक् साहित्य में वे प्रकांड विद्वान हैं। गणेश गण-प्रथम हैं, आदि देव हैं, सो अपने पिता शंकर की बारात में हैं। भारत का मन देवताओं में रमता है, कर्म में तपता है। देव प्रतीति आत्म अनुभूति देती है, निराशा में आशा देती है, इसलिए देवकथाओं में संगति बैठाने की कोशिश बेकार है।

दीप-उत्सव का दीप प्रकाश पुंज है और उत्सव है। अतिरिक्त आनंद का अतिरेक। उत्सव बड़ा प्यारा शब्द है। इसका अर्थ है, उत्स-मूल से उगना। संपूर्णता या ब्रह्म का केंद्र है उत्स। उत्सव इसी केंद्रक का उफनाया आनंद है। भारतीय संस्कृति उत्सवधर्मा है। यह हर दिन पावन और हर तिथि सुहावन है। शुभकामना है, दीपावली भारत के जन-गण-मन को दीप्ति दे, आलोक दे, ज्योतिर्मय आभा दे।

फैलाएं शिक्षा का उजियारा तभी बदलेंगे देश के हालात

किसी देश का भविष्य उसके नागरिकों की सोच पर निर्भर करता है और सोच बनती है शिक्षा से। शिक्षा किसी समाज को सिर्फ पढ़ा-लिखा नहीं बनाती, बल्कि सोचने, समझने और चुनने की क्षमता देती है। यही क्षमता व्यक्ति को अंधविश्वास से बाहर लाती है, लोकतंत्र को मजबूत करती है और अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाती है। अगर हम इतिहास पर नजर डालें, तो हर विकसित देश की जड़ में शिक्षा ही रही है। जापान, दक्षिण कोरिया, फिनलैंड, जर्मनी और सिंगापुर जैसे देशों ने युद्धों और संकटों के बाद खुद को शिक्षा के बल पर ही खड़ा किया। भारत में भी जब स्वतंत्रता आंदोलन चला, तब गांधी, टैगोर, अंबेडकर और नेहरू जैसे नेताओं ने स्पष्ट कहा, "शिक्षा स्वतंत्र भारत की रीढ़ होगी।" उनका मानना था कि जब कोई सरकार या परिवार शिक्षा पर पैसा खर्च करता है, तो वह किताबें नहीं, बल्कि बेहतर भविष्य खरीद रहा होता है। एक शिक्षित व्यक्ति न सिर्फ अपने परिवार की आय बढ़ाता है, बल्कि समाज के लिए उत्पादकता, नवाचार और नैतिक चेतना लाता है, इसलिए एक शिक्षक को अच्छी तनख्वाह देना, गांव में स्कूल बनाना या डिजिटल लैब खोलना, यह सब व्यय नहीं, बल्कि निवेश है जो आने वाले वर्षों में देश को फल देता है।

राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

> अंधकार चाहे जितना गहरा हो, एक दीया काफी होता है उसे हराने के लिए। शिक्षा भी वैसा ही दीया है, जो अज्ञान, गरीबी और असमानता के अंधकार को मिटा सकता है। जब बच्चा पहली बार स्कूल की किताब खोलता है, तो वह सिर्फ अक्षर नहीं पढ़ रहा होता, वह अपना भविष्य पढ़ रहा होता है।

यह सही है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था पर सवाल बहुत हैं, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि पिछले दशकों में हमने इस क्षेत्र में कई अहम उपलब्धियां हासिल की हैं। आज भारत के लगभग हर गांव में प्राथमिक विद्यालय हैं। सर्व शिक्षा अभियान, मिड-डे मील योजना और राइट-टू-एजुकेशन जैसे कार्यक्रमों ने लाखों बच्चों को स्कूल तक पहुंचाया है। 1951 में जहां साक्षरता दर केवल 18% थी, वहीं आज यह 77% से ऊपर है। देश में आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी और आईआईएसईआर जैसे संस्थानों ने भारत की शिक्षा को वैश्विक पहचान दी है। भारत आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उच्च-शिक्षा नेटवर्क रखता है। नई शिक्षा नीति ने अब 10+2 की जगह 5+3+3+4 की संरचना दी है, जो बच्चों की शुरुआती शिक्षा, मातृभाषा और व्यावहारिक ज्ञान पर केंद्रित है। डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में दीक्षा, स्वयम और ई-पाठशाला जैसे सरकारी प्लेटफॉर्म नई दिशा दे रहे हैं।

कागजी वादों और जमीनी हकीकत के बीच अब भी बड़ा अंतर है। सरकारें बड़े वादे करती हैं, पर निवेश छोटा रखती हैं। 1968 की शिक्षा नीति में कहा गया था कि केंद्रीय बजट का 6% शिक्षा पर खर्च होना चाहिए, जबकि 2020 की नीति में कहा गया कि देश की जीडीपी का 6% शिक्षा पर निवेश किया जाए। सुनने में दोनों एक जैसे लगते हैं, लेकिन अंतर बड़ा है। केंद्रीय बजट का 6% यानी सरकार के वार्षिक खर्च का 6% तो दूसरी ओर जीडीपी का 6% मतलब पूरे देश की आर्थिक उत्पादन क्षमता का 6%। यह बहुत बड़ा आंकड़ा है। आज भारत मुश्किल से जीडीपी का 3% ही शिक्षा पर खर्च कर पा रहा है। सरकार अपने ही लक्ष्य का आधा भी नहीं पहुंची।

पानी मटके के भार से टूटती सपने की डोर

वैसे तो जब भी राजस्थान का नाम आता है, सबसे पहले सभी के दिमाग में रेगिस्तान और योद्धाओं की भूमि वाली छवि उभरती है, जिसे देखने के लिए दुनिया भर से पर्यटक आते रहते हैं। यह सच है कि राजस्थान की पहचान इसी से है, लेकिन इस खूबसूरती के पीछे यहां के स्थानीय विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की चुनौतियां अक्सर पीछे छूट जाती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी पीने के पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

ज़ाहिर है यह संघर्ष सबसे अधिक महिलाओं और किशोरियों को ही करना पड़ता है। यहां पानी की कमी सिर्फ एक शब्द नहीं है, बल्कि यह उन लड़कियों और महिलाओं की जिंदगी की चोट है, जो हर सुबह, हर अवसर, हर सपना खोने की कीमत चुका रही हैं। मटका, ऊंची तख्ती, गगरी, बाल्टी, ये उनके दैनिक साथी हैं। मीठे पानी के लिए मटका सिर पर उठाकर कड़ी से कड़ी धूप में भी रेतों पर चलना उनके जीवन का हिस्सा बन चुका है, जिसकी वजह से उनका सर्वांगीण विकास प्रभावित हो रहा है, लेकिन इसकी चिंता न तो समाज को है और न ही विकास की रूपरेखा तैयार करने वाली संस्थाओं को है।

हेमलता
राजस्थान

राजस्थान में हुए एक अध्ययन के अनुसार ग्रामीण घरों में पानी इकट्ठा करने की जिम्मेदारी लगभग 71 प्रतिशत महिलाओं और लड़कियों की होती है। यह काम साल भर चलता है। कुल मिलाकर यह काम प्रति वर्ष सौ-दो सौ घंटों का समय ले लेता है, जो पढ़ाई-आराम में लग सकता है। गांवों में भी ऐसा ही कुछ हो रहा है। वहां की किशोरियों का कहना है कि मटका पांच-छह किलो का होता है, कभी-कभी उससे ज़्यादा, और दोनों हाथों से पकड़कर सिर से नीचे या कंधे पर बांधकर उठाना पड़ता है। इससे सिर्फ शरीर ही नहीं, बल्कि मन की थकावट भी कम नहीं होती है। अगर पानी पास होता, नल चलता, हैंडपंप नियमित काम करता, तो लड़कियों को स्कूल से लौटकर बाल्टी न भरनी पड़ती, होमवर्क रात को करना आसान होता, नींद पूरी होती। स्वास्थ्य बेहतर होता, आत्म-सम्मान बढ़ता, पढ़ाई-लिखाई में मन लगता, जीने की उम्मीदें उजली होतीं।

इस कहानी को सिर्फ शिकायत न समझा जाए, बल्कि एक ऐसे परिवर्तन की पुकार माना जाए, जहां पानी केवल मटका तक सीमित न हो, बल्कि एक सुविधा के रूप में हो, जहां लड़कियों को बोझ न ढोना पड़े, बल्कि वो कलम उठाएं, जहां शारीरिक थकावट के बजाय कविता और गणित के प्रश्न हल करने पर ध्यान केंद्रित हो। लड़कियों की मुस्कान तभी वापस आएगी, जब केवल पानी की कमी से उनका स्कूल जाना बाधित न हो।

2019 में जल जीवन मिशन परियोजना शुरू होने से पहले बीकानेर के ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र 18 प्रतिशत परिवारों के पास पीने का नल उपलब्ध था, जो इस योजना के बाद मार्च 2025 तक बढ़कर 56 प्रतिशत से अधिक हो चुका है। इतनी योजनाओं के बाद भी गांवों में पानी का संकट पूरी तरह से दूर होता नजर नहीं आ रहा है, जिसका सबसे अधिक प्रभाव किशोरियों की शिक्षा पर पड़ रहा है, जिनके मटके संभाले हाथों से शिक्षा की डोर छूटती जा रही है।

बिहार के चुनाव में पीके की बिसात

> बिहार चुनाव में प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज को अंडर स्टीमेट करना सत्ता की दौड़ में शामिल किसी भी दल के लिए भूल होगी। दो साल में उन्होंने अपनी चुनाव प्रवंधन की विशेष पहचान से अलग एक ईमानदार राजनीतिक चेहरे की पहचान भी स्थापित की है।

बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखों के एलान के बाद बीस साल पुराने मामले में लालू परिवार के खिलाफ आरोप तय होने का न्यायालयीय फरमान आया है। इसमें लालू यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, उनके पुत्र पूर्व उपमुख्यमंत्री और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सहित कुछ बड़े होटल मालिक और अफसरों के खिलाफ आरोप तय हुआ है। काफी संभावना है कि अक्टूबर बीतते-बीतते इन सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और तेज हो। ऐन चुनाव के वक्त इस कार्रवाई को दो नजरिए से देखा जा रहा है। एक यह कि कानून अपना काम कर रहा है और दूसरा यह कि चुनाव के वक्त भाजपा, विरोधियों के साथ ऐसा करती रहती है। ये दोनों तर्क अब बिहार की जनता की कसौटी पर है।

इस बीच यदि बिहार की राजनीति में लालू परिवार के राजनीतिक दबदबे को देखें तो पता चलता है कि 2014 के बाद जब-जब इस परिवार पर कानूनी शिकंजा कसा गया है, तब-तब यह परिवार राजनीतिक रूप से बहुत कमजोर नहीं हुआ है। चाहे 2015 का चुनाव रहा हो या 2020 का। दोनों ही बार गठबंधन में रहकर चुनाव में आए और गठबंधन के प्रमुख सहयोगियों से अधिक सीटें जीतने में कामयाब हुए। आरजेडी के साथ गठबंधन में लड़े गए 2015 के चुनाव में आरजेडी को 80 सीटों पर कामयाबी मिली थी, जबकि जनता दल यूनाइटेड को 71 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। भाजपा ने 53 सीटों पर जीत हासिल की थी। जदयू और आरजेडी की गठबंधन सरकार सत्ता में आई थी।

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

अधिक सीटें जीतने के बाद भी आरजेडी ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया था। 2020 के चुनाव में आरजेडी को 75 सीटों पर जीत हासिल हुई और जदयू को 49 सीटों पर जीत मिली, जबकि भाजपा ने 74 सीटों पर जीत हासिल की थी। इस चुनाव के शुरुआती दौर में भाजपा और जदयू गठबंधन की सरकार थी। बाद में आरजेडी और जदयू की सरकार बनी और अब फिर भाजपा और जदयू की सरकार है। 2015 के मुकाबले 2020 में आरजेडी की सीटें घटकर 75 हो गईं। वहीं जदयू भी 71 से घटकर 49 पर आ गई, लेकिन भाजपा आश्चर्यजनक रूप से 53 से बढ़कर 74 सीटों तक पहुंच गई। 2020 में बढ़ी सीटों को पैमाना मानते हुए 2025 के चुनाव में भाजपा ने जदयू के साथ बराबर-बराबर सीटों पर समझौता किया है, ताकि चुनाव परिणाम बाद सरकार के नेतृत्व का फैसला करने में कोई अड़चन न आए। भाजपा गठबंधन यदि सत्ता में वापसी करता है और उसने जदयू से दो-चार सीटें भी अधिक पा लीं, तो नितीश बखूबी जानते हैं कि उन्हें महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे ही होना है।

इस चुनाव में दूसरा जो बड़ा फैक्टर हैं, वह हैं पीके यानी प्रशांत किशोर। बिहार विधानसभा चुनाव में प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज को अंडर स्टीमेट करना सत्ता की दौड़ में शामिल किसी भी राजनीतिक दल के लिए भूल होगी। दो साल में उन्होंने अपनी चुनाव प्रवंधन की विशेष पहचान से अलग एक ईमानदार राजनीतिक चेहरे की पहचान भी स्थापित की है। वैसे भी जो शख्स अपने कुशल चुनावी प्रवंधन से दूसरे को सत्ता दिला सकता है, वह क्या अपने लिए थोड़ा बहुत भी नहीं कर पाएगा? वह भी उस बिहार में जहां की राजनीति जंगलराज और कथित सुशासन और कुशासन के बीच उलझ कर रह गई हो।

चुनाव में पीके की जन सुराज की इंट्री ने मुकाबला तितरफा बना दिया है। जबसे बिहार में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां बढ़ी हैं, तब से देखा जाए तो यह साफ दिखता है कि पीके की पार्टी आरजेडी गठबंधन और जदयू गठबंधन दोनों को बराबर-बराबर नुकसान पहुंचा रही है। ये दोनों बड़ी पार्टियां इसे लेकर मुंह भले न खोलें अंदर-अंदर परेशान बहुत हैं। 35 साल से आरजेडी और जदयू के बीच उलझा बिहार पीके के रूप में एक तीसरे विकल्प को भी देख रहा है। इस चुनाव में पीके अपनी साफ-सुथरी छवि के लिए खासा चर्चित हुए हैं। जाति से ब्राह्मण प्रशांत किशोर खूब जानते हैं कि जाति के जाल में फंसे बिहार की राजनीति को उसी जाल में फंसाकर ही बदला जा सकता है। जन सुराज के अब तक घोषित करीब 140 उम्मीदवारों को देखें तो जातीय समीकरण का ख्याल बहुत सोच-समझकर कर किया हुआ जान पड़ता है। पीके ने ईमानदार छवि के कुछ पूर्व नौकरशाहों पर भी दांव लगाया है, तो भोजपुरी फिल्म स्टार पवन सिंह की पूर्व पत्नी ज्योति सिंह को टिकट देकर महिलाओं को आकर्षित करने का इमोशनल कार्ड भी खेला है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि वोटों में थोड़ा-सा झुकाव भी चौंकाने वाले परिणाम ला सकता है।

भौतिक धन के साथ ही स्वास्थ्य धन पर भी सजगता जरूरी

धन की बात जब होती है, तब उसका अर्थ प्रायः रुपया-पैसा तथा भौतिक संपदा से ही लिया जाता है। तीज-त्योहारों पर ईश्वरीय आराधना के क्रम में धन की देवी मां लक्ष्मी का जिक्र आते, यही मन में आता है कि लक्ष्मी जी की पूजा करने और उनके प्रसन्न होने पर आर्थिक आमदनी बढ़ जाएगी। इसी क्रम में पांच दिवसीय दीपावली पर्व पर भी घर-दुकान और प्रतिष्ठान-संस्थान में आय की बढ़ोतरी के लिए लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा के बाद मूर्ति की स्थापना अगले दीपावली पर्व तक के लिए की जाती है।

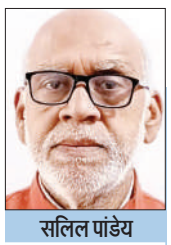

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

पूजा-पाठ और ईश्वरीय आराधना सद्संस्कारों के लिए की जाए तो वह सर्वोत्तम है, न कि देवी- देवताओं से भौतिक संपदा की मांग की जाए। दीपावली पर्व के प्रथम पर्व की शुरुआत धन-त्रयोदशी से होती है। इसे धन्वन्तरि जयंती और धनतेरस भी कहते हैं। इस दिन आयुर्वेद के देवता भगवान धन्वन्तरि की पूजा की जाती है। मनुष्य का स्वास्थ्य भी एक धन है। इसके लिए भौतिक धन के साथ स्वास्थ्य के धन पर भी सजग रहना चाहिए। इसी के साथ नरक-चतुर्दशी का आशय नस-नाड़ियों के जाल से संचालित शरीर में सद्भाव का चतुर्मुखी दीप प्रज्वलित करना है। ऐसी स्थिति में दीपावली के दिन मनुष्य शरीर के रोम-रोम से ऊर्जा की ज्योति निश्चित रूप से जागृत होने लगेगी। रोम-रोम के ऊर्जान्वित होते ब्रह्मांडीय ऊर्जा भी शरीर में प्रवेश करने लगेगी।

यहां तक का पर्व कृष्ण पक्ष का पर्व था, जो आंतरिक जगत के अंधकार को उजाले में जब बदल देगा तब चौथे दिन का पर्व गोवर्द्धन पूजा है। 'गो' शब्द इंद्रियों के लिए भी प्रयुक्त होता है। इसका तो अर्थ यही हुआ कि इंद्रियां इतनी जागृत हो जाएं कि जिस तरह इंद्र के कोप से गोकुल में हाहाकार के खिलाफ कृष्ण ने कनिष्ठिका उंगली पर गोवर्द्धन पर्वत उठा लिया था, उसी प्रकार मनुष्य भी वाह्य आक्रमणों को कनिष्ठिका जैसे लघु प्रयास से मुकाबला करने में समर्थ हो सकेगा। अंतिम दिन भैया दूज का पर्व भी प्रतीकों में लिया जाए और मन को भाई मान लिया जाए तथा कामनाओं को बहन तो जीवन में खुशहाली आते देर नहीं लगेगी। दीपावली का पांच दिवसीय पर्व पांच पर्वों की नदियों के संगम जैसा है।

किचन में ही पूरी उम्र बिता देती हैं भारतीय महिलाएं

अमेरिका जैसे देशों में जा कर बसने वाले भारतीय, जो बहुत अच्छा कमाते हैं वहां, वो भी जल्दी 'कामवाली' वहां अफोर्ड नहीं कर पाते हैं। जो थोड़ा अफोर्ड कर पाते हैं, वो बस हफ्ते या दो हफ्ते में एक दिन कामवाली को खाना बनाने के लिए बुलाते हैं और एक हफ्ते से लेकर दस से पंद्रह दिन का खाना उससे बनवा के रख लेते हैं। वो उस से सब्जी, दाल, मांस और ऐसी चीजें बनवा कर स्टोर कर लेते हैं फ्रिज में और फिर रोज स्वयं या तो चावल ताजा बना लेते हैं या फिर मॉल से लाई हुई, जमी हुई यानी फ्रोजन रोटी सेंक कर सब्जी, दाल या मांस के साथ खा लेते हैं।

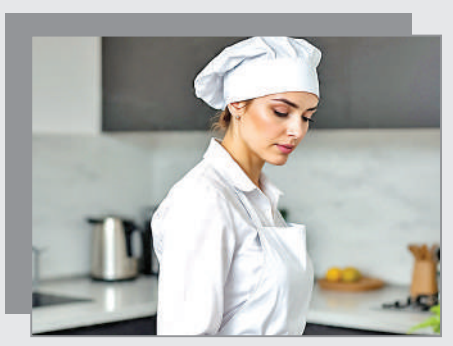

अमेरिका में किसी के पास समय नहीं होता है, तीन समय खाना बनाने का। एक व्यक्ति अगर एक छोटे से, यानि चार लोगों के परिवार के लिए भी अगर तीन समय खाना बनाता है, यानि सुबह नाश्ता, दोपहर का खाना और रात का डिनर तो उसे कम से कम दिन के पांच या छह घंटे देने होने हैं खाना पकाने के लिए। अमेरिका में किसी के पास इतना समय नहीं होता। जो लोग भारत में तीनों टाइम गरम रोटी और घर के बने खाने की वकालत करते हैं, वो भी अमेरिका जा कर एक हफ्ते का फ्रीज किया हुआ खाना बड़े शौक से खाते हैं और अमेरिका ही नहीं, दुनिया के ज़्यादातर देशों में लोग ऐसा ही करते हैं। ईरान से लेकर खाड़ी के देशों की औरतें यहां की औरतों की तरह तीन टाइम सबके लिए खाना नहीं बनाती हैं। दुनिया में कहीं ऐसा नहीं होता है, सिवाय भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और एक दो अन्य छोटे-मोटे देशों के अलावा।

सिद्धार्थ ताबिश
लेखक

भारत के धूर्त और चालाक मर्दों ने 'खाने' को धर्म-संस्कृति और जाने किस-किस चीज से जोड़कर, तीन टाइम गरम रोटी और तीन टाइम कुकिंग को बहुत 'महिमामंडित' करके सदियों से औरतों को 'गुलाम' बना के रखा हुआ है। खासकर बेबी बूमर्स (1946 से 1964) और जेनरेशन साइलेंट (1928 से 1945) के बीच पैदा हुआ लोग, खाने के लिए ही जीने वाले लोग होते हैं। ये जिस भी घर में होते हैं, वहां की औरतों का जीवन ये नर्क बनाए रखते हैं। इनके पास कोई काम नहीं होता है, सिवाय ये सोचने के कि अब क्या खाया जाए और अब दोपहर और रात में खाने में क्या बनेगा। एक मील इनके मुंह से सरक के पेट में जाता नहीं है और दूसरे मील की प्लानिंग शुरू हो जाती है और सारी उम्र यही चलता है। एक औरत, जो इनके घर में गलती से ब्याह के आ जाती है, उसे चालीस से पचास साल इन्हें तीन टाइम खाना पका के खिलाना होता है। एक औरत की पूरी उम्र इनको सिर्फ खाना खिलाने में चली जाती है।

उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में आप चले जाइए, कहीं-कहीं तो आपको सौ डेढ़ किलोमीटर तक कोई भी होटल नहीं मिलेंगे, सिवाय कुछ ढाबों के, जहां ट्रक वाले और राहगीर खाते हैं और इन सौ डेढ़ सौ किलोमीटर तक आपको तमाम गांव, तमाम कस्बे और तमाम छोटे शहर मिल जाएंगे, मगर वहां एक भी ऐसा कोई होटल नहीं मिलेगा, जहां पूरी फैमिली जा कर कभी लंच या डिनर कर सके। इसका सीधा-सीधा मतलब ये होता है कि इतने बड़े एरिया में बसे लाखों-लाखों घरों में औरतें किचन में सिर्फ और सिर्फ खाना बना रही होती हैं और सारी उम्र वो यही करती हैं। इन्हें सारी उम्र पता ही नहीं होता है कि खाना बाहर भी खाया जा सकता है और जिन्हें पता भी होता है, उनके लिए ये बड़ी बुरी बात होती है कि बाहर जा कर खाया जाए। वो सारी उम्र घर के खाने का महिमामंडन करते हैं और उनके घर की औरतों की सारी उम्र किचन में बीत जाती है। अमेरिका और अन्य देश की औरतें ये सोच कर ही कांप जाती हैं कि भारत की औरतों को सारी उम्र सिर्फ किचन में ही बितानी पड़ती है। भारत में किसी बुजुर्ग से पूछ लीजिए, 'घर के खाने की अहमियत' फिर देखिए उसका महिमामंडन और उसके घर की कौन से औरत सबसे अच्छा खाना बनाती है वो ये भी आपको बताएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

चाहे ऐश्वर्या राय हों या सुष्मिता सेन या फिर डायना हेडन, इन सभी में दो बातें कॉमन हैं। पहली यह कि ये सभी अपनी सुंदरता और टैलेंट के बूते अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं में अपना जलवा बिखेर चुकी हैं। दूसरी इन सभी ने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। आज भी देश में कई ऐसी मॉडल्स हैं, जिनकी खूबसूरती और टैलेंट के चर्चे दुनिया में होते हैं। साथ ही यह वर्ल्ड ब्रांड के लिए एड या मॉडलिंग भी कर रही हैं। लक्ष्मी मेनन, भूमिका अरोड़ा और वर्षिता थाटावर्ती जैसी मॉडलों ने साबित कर दिया है कि भारतीय प्रतिभा वास्तव में विश्व मंच तक पहुंच रखती हैं। आइए जानते हैं टॉप फाइव मॉडल्स के बारे में...

-फीचर डेस्क

दुनिया में धूम मचाने वाली पांच देसी मॉडल

श्रुति सितारा

श्रुति सितारा एक भारतीय मॉडल और अभिनेत्री हैं, जिन्हें मुख्य रूप से 2021 में मिस ट्रांस ग्लोबल प्रतियोगिता जीतने के लिए जाना जाता है। वह अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय ट्रांस महिला हैं। मॉडलिंग के अलावा, उन्होंने मलयालम सिनेमा में भी काम किया है और LGBTQ+ अधिकारों की लड़ाई भी लड़ रही है। श्रुति ने केरल में ट्रांस महिलाओं के लिए आयोजित एक सौंदर्य प्रतियोगिता 'क्वीन ऑफ ध्वायाह' जीती है। उन्होंने LGBTQ+ अधिकारों पर केंद्रित ऑनलाइन अभियान 'कैलिडोस्कोप' और सामाजिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों के लिए समर्पित 'राइज अप फोरम' की स्थापना की है।

वर्षिता थाटावर्ती

वर्षिता थाटावर्ती भारतीय सुपर मॉडल हैं, जिन्होंने सब्यसाची मुखर्जी के लिए काफी काम किया है। उन्हें रूढ़िवादिता को तोड़ने और मॉडलिंग में बॉडी पॉजिटिविटी और विविधता को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है। वर्षिता टी मिलानो फैशन वीक के लिए ध्रुव कपूर की डिजिटल प्रस्तुति में शामिल हुई थीं और उन्होंने अभिनेत्री कैटरीना कैफ द्वारा नाइका के साथ साझेदारी में स्थापित सौंदर्य ब्रांड के ब्यूटी के साथ सहयोग किया था। वह अधिक नैतिक और सुलभ फैशन परिदृश्य की वकालत करती हैं, उद्योग में शरीर के प्रकार और त्वचा के रंग से संबंधित मानदंडों को चुनौती देती हैं तथा युवा महिलाओं को इस कला के प्रति अपने जुनून को अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं।

भूमिका अरोड़ा

भारतीय फैशन मॉडल, भूमिका अरोड़ा को 2016 में वोग इंडिया के कवर पेज पर आने के बाद 'नेक्स्ट इंडियन सुपर मॉडल' का खिताब दिया गया था। इसके बाद से, उन्होंने कई प्रतिष्ठित पत्रिकाओं, डिजाइनरों और हाई-फैशन ब्रांड्स के साथ काम किया है। भूमिका अपने ब्रेकआउट सीजन, 2015 में, उन्होंने न्यूयॉर्क फैशन वीक में कई प्रतिष्ठित डिजाइनरों के लिए रैंप वॉक किया, जिनमें अलेक्जेंडर वांग और वेरा वांग भी शामिल थे। उसी सीजन में, उन्होंने लंदन फैशन वीक में गैरेथ पुघ, जोनाथन सॉन्डर्स, सिमोन रोचा और अन्य प्रमुख लेबलों के लिए तथा मिलान में फेंडी शो में कार्ल लेगरफेल्ड के लिए रैंप वॉक किया।

कैरल ग्रेसियस

भारतीय सुपर मॉडल कैरल ग्रेसियस, लॉरियल इंडिया द्वारा 'एलीट लुक ऑफ द ईयर' का खिताब जीतने के लिए मशहूर हैं। उन्होंने लैक्मे फैशन वीक सहित कई फैशन शो में रैंप वॉक किया है और 2000 से 2010 के दशक की शुरुआत में हिंदी फिल्मों के म्यूजिक वीडियो में भी काम किया है। कैरोल 'बिग बॉस 1' में एक प्रतियोगी थीं, जहां वह प्रथम रनर-अप रहीं और बाद में 'फियर फैक्टर : खतरों के खिलाड़ी 2' में भी दिखाई दीं, जहां वह द्वितीय रनर-अप रहीं। जब उन्होंने गर्भावस्था के दौरान भी रैंप वॉक किया, तो वे भारतीय रनवे पर विविधता और बॉडी पॉजिटिविटी का चेहरा बन गईं।

लक्ष्मी मेनन

लक्ष्मी मेनन भारत की शीर्ष महिला मॉडलों में से एक हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय डिजाइनरों और पत्रिकाओं के साथ काम करने के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने कॉलेज के दिनों में ही एक मॉडल के रूप में काम करना शुरू कर दिया था, लेकिन उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्होंने जीन पॉल गॉल्टियर के चैनल शो में काम किया। इसके बाद, उन्होंने हर्मीस कैटवॉक पर काम किया और एच एंड एम, गिवेंची, ब्लूमिंगडेल, नॉर्डस्ट्रॉम, डी एंड जी जैसे कई ब्रांडों के लिए प्रचार किया। वह पिरेली कैलेंडर (2011) में शामिल होने वाली पहली भारतीय मॉडल हैं और उनकी तस्वीर कार्ल लेगरफेल्ड ने ली थी।

ओटीटी प्लेटफार्म

स्ट्रेंज थिंग्स सीजन-5

हर एपिसोड का खर्च 500 करोड़

नेटनेटफ्लिक्स की लोकप्रिय सीरीज स्ट्रेंजर थिंग्स का पांचवां और अंतिम सीजन नवंबर और दिसंबर 2025 में तीन भागों में रिलीज होने के लिए तैयार है, जो इस महाकाव्य का एक रोमांचक अंत करेगा। यह सीजन 1987 की शरद ऋतु में शुरू होता है, जहां हॉकिन्स शहर अपसाइड डाउन के रिफ्ट्स से बुरी तरह प्रभावित है। इस आखिरी लड़ाई में, टीम वेक्ना को ढूंढने और मारने के मिशन पर है, जो रहस्यमयी ढंग से गायब हो गया है। इस सीजन में कहानी वापस हॉकिन्स में लौटेगी, जिससे पहले सीजन की तरह ही एक गहरा जुड़ाव महसूस होगा। इस बार खतरा पहले से कहीं ज्यादा बड़ा और घातक है और हर एपिसोड एक छोटी फिल्म जैसा अनुभव देगा।

नेटफ्लिक्स की लोकप्रिय सीरीज स्ट्रेंज थिंग्स सीजन-5 इस साल तीन हिस्सों में रिलीज होने जा रहा है, जिसका बजट टीवी इतिहास में सबसे अधिक बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, सीजन-5 का प्रति एपिसोड बजट 50-60 मिलियन डॉलर (443 से 532 करोड़ रुपये) के बीच है। बजट के मामले में ये "द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स : द रिंग्स ऑफ पावर" के बजट के करीब पहुंच चुकी है। इसके प्रति एपिसोड की लगात 58 मिलियन डॉलर (लगभग 514 करोड़ रुपये) थी, जिसकी वजह से ये सबसे महंगी वेब सीरीज में से एक है। इस पूरे सीजन का बजट लगभग 480 मिलियन डॉलर यानी 4261 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

स्ट्रेंज थिंग्स सीजन-4 का बजट भी 30 मिलियन डॉलर (266 करोड़ रुपये) प्रति एपिसोड था, लेकिन आखिरी सीजन का बजट इसे कहीं पीछे छोड़ देता है। इस सीजन में 8 एपिसोड होंगे, जिनमें से पहले चार 26 नवंबर, अगले तीन 25 दिसंबर और अंतिम एपिसोड 31 दिसंबर को रिलीज होगा। प्रत्येक एपिसोड की अवधि 90 मिनट से दो घंटे तक होगी, जो इसे फिल्मों जैसा भव्य बनाता है। "स्ट्रेंजर थिंग्स" ने दर्शकों के बीच जबरदस्त क्रेज पैदा किया है। नेटफ्लिक्स की ये वेब सीरीज काफी मायने रखती है और इस ओटीटी प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता में अहम भूमिका निभाती है। ये सीरीज भी "गेम ऑफ थ्रोन्स" और "स्टार वॉर्स" जैसी सीरीज की लीग में आती है। "स्ट्रेंजर थिंग्स सीजन 5" के शोरनर मैट डफर और रॉस डफर हैं। इस सीरीज में विनोना रायडर, मिली बॉबी ब्राउन, डेविड हार्बर, फिन वुल्फहार्ड और गेटेन माताराज्जो मुख्य किरदारों में दिखेंगे। इन पांच सीजन में कुल 42 एपिसोड होंगे। "स्ट्रेंजर थिंग्स" सीजन 5 का प्रीमियर 26 नवंबर, 2025 को नेटफ्लिक्स पर होगा तो अब इंतजार तो बनता है।

मॉडल आफ द वीक

नामः निशा कुरैशी

टाउनः बरेली

एजुकेशनः बीबीए

अचीवमेंटः कई इवेंट्स में मॉडलिंग

ड्रीमः मॉडलिंग व एक्टर

ज़िंदगी का सफर

हिंदी फिल्मों के पहले 'चॉकलेट ब्वाय' जॉय मुखर्जी

जॉय मुखर्जी हिंदी फिल्मों के पहले चॉकलेटी ब्वाय थे। वह पहले हीरो थे, जो पहली बार ऑन स्क्रीन शर्टलेस नजर आए थे। वह अपने डांस और रोमांटिक किरदारों के लिए जाने जाते हैं। उनका जन्म झांसी में 24 फरवरी, 1939 में एक प्रमुख फिल्मी परिवार में हुआ था, जिसके सदस्य बॉलीवुड से गहरे रूप से जुड़े हुए थे। उनके पिता शशिधर मुखर्जी प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और फिल्मालय स्टूडियो के सह-संस्थापक थे। उनकी मां सती देवी किशोर कुमार की बहन थीं। उनके भाई देव मुखर्जी और शोमू मुखर्जी थे और अभिनेत्री काजोल उनकी भतीजी हैं। उन्होंने देहरादून के कर्नल ब्राउन कैंब्रिज स्कूल और बाद में सेंट जेवियर्स कॉलेज में पढ़ाई की।

अभिनय करियर की शुरुआत 1960 में फिल्म 'लव इन शिमला' से अपने करियर की शुरुआत की, जिसमें उनके साथ साधना थीं। इस फिल्म से वह एक रोमांटिक हीरो के रूप में स्थापित हुए। 60 के दशक में उन्होंने कई सफल रोमांटिक फिल्मों में काम किया। उनकी जोड़ी अक्सर आशा पारेख और सायरा बानो जैसी अभिनेत्रियों के साथ बनती थी। फिर वही दिल लाया हूं (1963), जिद्दी (1964), लव इन टोक्यो (1966), शागिर्द (1967), एक मुसाफिर एक हसीना (1962) जैसी फिल्मों में उन्होंने काम किया। 1960 के दशक के अंत तक, जब रोमांटिक आइकॉन राजेश खन्ना का उदय हुआ, तो जॉय मुखर्जी की लोकप्रियता कम होने लगी और उन्हें मुख्य भूमिकाएं मिलना बंद हो गईं। इस बीच उनकी कई फिल्में भी नहीं चल सकीं। अभिनय की भूमिकाएं कम होने पर उन्होंने निर्देशन और निर्माण में कदम रखा। उनकी पहली निर्देशित फिल्म हमसाया थी, जो व्यावसायिक रूप से सफल नहीं हुई। हालांकि उन्होंने 1977 में राजेश खन्ना अभिनीत छैला बाबू का निर्देशन किया, जो एक बड़ी सफलता साबित हुई और उन्हें वित्तीय परेशानियों से बाहर निकाला। 1985 में उन्होंने फिल्म इंसाफ मैं करूंगा में नकारात्मक भूमिका निभाई, जो उनकी अंतिम सफल फिल्म थी। 2009 में वह अपने बेटे सुजॉय मुखर्जी के साथ टीवी सीरियल ए दिले नादां में भी दिखाई दिए। जॉय मुखर्जी का 9 मार्च को 73 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया। जॉय मुखर्जी की फिल्में आज भी उनके प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय हैं। उन्हें एक ऐसे अभिनेता के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में रोमांस को एक नया आयाम दिया।

दिवाली पर उपहार में दें फास्टैग वार्षिक पास

नई दिल्ली। एनएचएआई ने शनिवार को कहा कि फास्टैग वार्षिक पास अब राजमार्ग यात्रा एप के जरिए किसी को भी उपहार में दिया जा सकता है। इसके लिए एप पर पास जोड़ें विकल्प पर क्लिक करते उस व्यक्ति का वाहन नंबर और संपर्क विवरण जोड़ना होगा, जिसे वे फास्टैग वार्षिक पास उपहार में देना चाहते हैं। एनएचएआई ने कहा कि ओटीपी सत्यापन के बाद उस वाहन से जुड़े फास्टैग पर वार्षिक पास सक्रिय हो जाएगा।

अमृत विचार
लखनऊ, रविवार, 19 अक्टूबर 2025
www.amritvichar.com

अमेरिका संग व्यापार वार्ता सौहार्दपूर्ण माहौल में बढ़ रही आगे

- केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल बोले- चुनौतियों के बावजूद भारत के निर्यात में होगी सकारात्मक वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी बचत उत्सव के दौरान प्रेसवार्ता में शामिल केंद्रीय वित्त मंत्री, उद्योग मंत्री व सूचना एवं प्रसारण मंत्री। अमृत विचार

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर भारत और अमेरिका के बीच बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

गोयल ने यह भी भरोसा जताया कि अमेरिकी शुल्क के कारण वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि होगी। उन्होंने जीएसटी बचत उत्सव पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत के किसानों का, मछुआरों का, भारत के एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) क्षेत्र का, जब तक देश हितों को पूरी तरह से हम संभाल नहीं लेते, तब तक कोई समझौता नहीं हो सकता। प्रस्तावित समझौते पर दोनों देशों के बीच बातचीत की प्रगति और इसके कब तक पूरा होने के बारे में गोयल ने कहा कि बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में चल रही है। यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका भारत के कृषि क्षेत्र में रियायतें चाह रहा है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय आधिकारियों का दल इस सप्ताह अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ व्यापार वार्ता करने के लिए वाशिंगटन में था। इस वर्ष फरवरी में, भारत और अमेरिका के नेताओं ने अधिकारियों को एक प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत आगे बढ़ाने को कहा था। उन्होंने समझौते के पहले चरण को 2025 में अक्टूबर-नवंबर तक पूरा करने की समय सीमा तय की है। अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। पिछले महीने, गोयल ने व्यापार वार्ता के लिए एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व न्यूयॉर्क में किया था। गोयल ने भरोसा जताया कि अमेरिकी शुल्क के कारण वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष के पहले छह महीनों (अप्रैल-सितंबर) के दौरान देश के वस्तु एवं सेवा निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई है। चालू वित्त् वर्ष 2025-26 के अप्रैल-सितंबर के दौरान यह लगभग पांच प्रतिशत बढ़कर 413.3 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि के दौरान भारत का वस्तु निर्यात भी तीन प्रतिशत बढ़कर 220.12 अरब डॉलर रहा। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में हमारी वस्तुओं और सेवाओं की मांग है और भारत इस वृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ता रहेगा और हमें विश्वास है कि 2025-26 में देश के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि होगी।

देवगढ़ मदारिया-मारवाड़ जंक्शन ब्रॉड गेज रेललाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, अमृत विचार। रेल मंत्रालय ने देवगढ़ मदारिया से मारवाड़ जंक्शन तक 72 किलोमीटर लंबी नई ब्रॉड गेज रेल लाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी दे दी है। स्वीकृति पश्चात यह नई रेल लाइन परियोजना जोधपुर और बीकानेर से होकर चित्तौड़गढ़ और उदयपुर तक सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जिससे यात्रा का समय और दूरी दोनों कम होंगे। यह नई ब्रॉड गेज रेल लिंक राजसमंद, उदयपुर और पाली जिलों में यात्रा समय को काफी कम करेगी और यात्री व माल ट्रेनों की क्षमता को बेहतर बनाएगी, इससे इन क्षेत्रों के उन हिस्सों तक भी आधुनिक रेल सुविधाएं पहुँचेंगी जहाँ अब तक यह सुविधाएं सीमित थीं। इसके माध्यम से, देवगढ़ मदारिया के किसानों की फसलें, जैसे फल और सब्जियाँ, मारवाड़ क्षेत्र के नए बाजारों तक पहुँच सकेंगी। यह लाइन मारवाड़ क्षेत्र में तेज ट्रेनों के संचालन का मार्ग सुनिश्चित करेगी, जिससे पहले की धीमी और संकरी लाइनें तेज और अधिक सुगम संपर्क का मार्ग बन जाएंगी।

अवैध प्रवासियों का रेड कार्पेट पर हो रहा स्वागत

पटना, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्य असम में घुसपैठ रुक गई है, लेकिन पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में यह जारी है और वहां की सरकार अवैध प्रवासियों का रेड कार्पेट पर स्वागत कर रही है। पटना में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा और कहा कि उन्होंने अब वोट चोरी के मुद्दे को छोड़ दिया है।

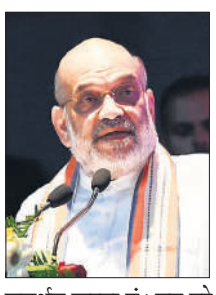

केंद्रीय गृह मंत्री ने दोहराया कि मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया घुसपैठियों को चिह्नित कर हटाने में सहायक होगी। यह अचंभे की बात है कि विपक्ष निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू की गई उस प्रक्रिया पर आपत्ति जता रहा है, जिसका उद्देश्य घुसपैठियों को बाहर करना है। मैं एसआईआर प्रक्रिया का समर्थन करता हूं। यह पूरे देश में लागू की जाएगी। देश में घुसपैठ की जिम्मेदारी पर शाह ने कहा कि लुटियंस दिल्ली में बैठे लोगों को सीमाओं की हकीकत का अंदाजा नहीं है। बांग्लादेश सीमा पर घने जंगल हैं, विशाल नदियां हैं जो बरसात में उफान पर रहती हैं। वहां बाड़ लगाना और 24 घंटे निगरानी रखना असंभव है। सुरक्षा बलों की नौकाएं भी कई बार बह जाती हैं। मेरा सवाल है - जब कोई व्यक्ति पड़ोसी देश से हमारे क्षेत्र में घुसता है, तो क्या यह स्थानीय थाने और पटवारी को पता नहीं चलता? ये अधिकारी चेतावनी क्यों नहीं देते? क्योंकि उन्हें ऊपर से आदेश मिला है कि इन घुसपैठियों का 'रेड कार्पेट' बिछाकर स्वागत करो। यही कारण है कि प. बंगाल में घुसपैठ जारी है, जबकि असम में उस पर रोक लग चुकी है। उन्होंने प. बंगाल के लोगों से अपील की कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार को सत्ता से बाहर करें।

आवश्यकता है

एक युवक को घर पर निरन्तर प्रेरणादायी मार्गदर्शन और सलाह देने हेतु, एक उदार व्यक्ति की तलाश है। **सीतापुर रोड निकटवासी सर्वोत्तम। मो0:** 7379655405, 9235592123

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई– निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत है। **ई–निविदा संख्या** : NER-LJN-2025-167 **कार्य का नाम:** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल – गोंडा में 40 बेड वाले नए रनिंग रूम का निर्माण। **अनुमानित लागत (रु.)** : 14560286.16 **अग्रिम धन (रु)** : 222800.00/– **समापन अवधि** : 12 माह। 1. उपरोक्त ई–निविदा संख्या **NER-LJN-2025-167** के लिये ई–निविदा दिनांक 11.11.2025 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी। 2. उपरोक्त ई–निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in.** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)
मुजाघि/डब्लू–302 **लखनऊ**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
लघु डाल नहर खण्ड, लखनऊ।
3/435 ए विश्वास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

पत्रांकः– 1777 / ल0डा0न0ख0ल0/ई–टेण्डर/ दिनॉक : लखनऊ : 14/10/2025

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्याः–31/अधि0अभि0/ल0डा0न0ख0ल0/2025–26

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से खण्ड के अन्तर्गत जनपद लखनऊ के विकास खण्ड बक्शी का तालाब में स्थापित अकडरिया कला पम्प नहर पर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन निविदा (http://etender.up.nic.in) ई–टेण्डरिंग के माध्यम से सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो/फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। सिंचाई विभाग उ0प्र0 में सिविल "बी" श्रेणी एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार फिक्स दरों पर दिनांक 24.10.2025 को प्रातः 10:00 बजे से 03.11.2025 को अपराहन्न 11:00 बजे तक ऑनलाइन ई–निविदाएं निर्धारित बिड फार्म यथा (1) तकनीकी बिड एवं (2) फाइनेन्शियल बिड में आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन दिनांक 03.11.2025 को अपराहन्न 03:30 बजे अधिशासी अभियन्ता लघु डाल नहर खण्ड लखनऊ के कार्यालय मे समिति एंव उपस्थित ठेकेदारो के समक्ष ऑनलाइन खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने के दशा मे यह निविदा अगले कार्यदिवस मे उसी समय खोली जायेगी। विवरण निम्नांकित है। बिड जमा करने का विस्तृत विवरण ई–निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्योरमेंट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in तक पर उपलब्ध है।

ऑनलाइन निविदा के साथ निर्धारित श्रेणी के पंजीकरण प्रमाण पत्र, जिलाधिकारी द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण पत्र (IDT-1), हैसियत प्रमाण पत्र (IDT-2), तथा स्वघोषणा प्रमाण पत्र (IDT-3), रू0 100.00 मात्र के स्टाम्प पेपर पर नोटरी द्वारा सत्यापित कराकर उक्त सभी की पठनीय स्कैण्ड प्रति ऑनलाइन निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा, अन्यथा निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी तथा न्यूनतम होने की स्थिति में उपरोक्त समस्त अभिलेखों की मूल प्रति उपलब्ध कराना होगा। एक या समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।

ई–निविदा हेतु प्रपत्र का मूल्य व धरोहर धनराशि ई–निविदा पोर्टल पर केवल ऑनलाइन रूप से ही जमा करना अनिवार्य होगा। निविदा प्रपत्र में निर्धारित तकनीकि विशिष्टियों/शर्तों में कोई विचलन/परिवर्तन मान्य नहीं होगा। निविदा हेतु कार्य एवं अन्य विवरण निम्नानुसार हैः–

क्र0सं0	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू. लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	1st class brick lining work 1:4 cm in bed and both side wall in main canal with 100% new bricks chainage 0.380 km to 1.06 km at Akaradiya kala pump canal district Lucknow with all cost of material, labour, tool and plant etc as per drawing and BOQ.	19.97	0.399	90 Days	854.00	सिविल मे 'बी' या उच्च श्रेंणी

Note- GST applicable as per rule.

ई–निविदा से संबंधित समस्त बिड डाक्यूमेन्ट ई निविदा की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 24.10.2025 को प्रातः 10:00 बजे से 03.11.2025 को अपराहन्न 11:00 बजे तक निविदा डाक्यूमेन्ट का मूल्य अनलाइन जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। यह निविदा/ बिड सूचना सूचना विभाग की वेबसाइट http://information.up.nic.in तथा सिंचाई विभाग की वेबसाइट http:// irrigation.up .nic. in एंव www.idup.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
लघु डाल नहर खण्ड, लखनऊ

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं **तन्जीम फात्मा पत्नी मोहम्मद इमरान निवासिनी मोहल्ला बीबीपुर, कस्बा व पो0 व तहसील महमूदाबाद, जिला सीतापुर**, मेरे पुत्र के रजिस्टर/अभिलेखों में मेरा नाम तन्जीम फातिमा अंकित हो गया है जो कि गलत है। जबकि मेरा सही नाम तन्जीम फात्मा है जिसे विद्यालय के रजिस्टर/अभिलेखों में तन्जीम फातिमा के स्थान पर तन्जीम फात्मा अंकित कराया जाय।

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित करना है के मैने अपने पुत्र उज्जवल के नाम से 22–07–2009 को भारतीय जीवन बीमा निगम से पॉलिसी कराई थी। मैने सभी अभिलेखों यथा हाईस्कूल मार्कसीट व आधार में नाम बदल कर अरनव राज कर दिया है। अतः पालिसी संख्या 219310470 में बच्चे का नाम उज्जवल से बदलकर अरनव राज कर दिया जाए। **प्रमोद कुमार निवासी**– F-1276, **राजाजीपुरम लखनऊ** – 226017, मो–9452986798

सूचना

मेरा पूरा नाम राजेन्द्र अरोड़ा है जबकि पुत्री कनिशा अरोड़ा के दस्तावेजों में आर0के0 अरोड़ा दर्ज हो गया था जो कि गलत नाम है मेरा सही नाम राजेन्द्र अरोड़ा है और मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाता है तथा भविष्य में भी मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाये/जायेगा। **राजेन्द्र अरोड़ा पुत्र आर0पी0 अरोड़ा नि0– म0नं0–99 एम आई जी सेक्टर–4 बर्रा कानपुर नगर**

सूचना

सूचित हो कि मैं **राम गोपाल पांडेय पुत्र अनिल कुमार पांडेय जन्म तिथि – 02–06–2006 हटवा गोपाल पोस्ट ऐलो तहसील पयागपुर जिला बहराइच** उत्तर प्रदेश का निवासी हूं मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम ओम वीर एवं जन्मतिथि 14–08–2005 दर्ज है जो कि गलत है अतः मुझे मेरे नाम राम गोपाल पांडेय एवं जन्मतिथि 02–06–2006 जो कि शैक्षिक प्रमाण पत्र में लिखा है अतः इसी नाम एवं जन्मतिथि से मूझे जाना एवं पहचाना जाये।

सूचना

मैं **शिल्पा सिद्दी पत्नी स्व0 मोहम्मद अलीम सिद्दीकी निवासिनी–एल–4/191 विनय खण्ड, गोमती नगर, जनपद लखनऊ उ0प्र0–226010**, मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम शिल्पा सक्सेना अंकित था तथा विवाह उपरान्त मैने अपना नाम मोहम्मद अलीम सिद्दीकी से करने के उपरान्त शिल्पा सिद्दीकी करा लिया था। पति का देहान्त होने के उपरान्त मेरे आधार कार्ड में पुनः संशोधन किया गया है और मुझे शिल्पा सक्सेना के नाम से जाना जायेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

मोजाम्बिक: नाव दुर्घटना में तीन भारतीयों की मौत

मापुतो। मोजाम्बिक में एक नाव दुर्घटना में तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, एक घायल हो गया जबकि पांच को बचा लिया गया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, भारतीय मिशन ने बेरा बंदरगाह के पास हुई दुर्घटना में तीन भारतीयों सहित सभी लोगों की मृत्यु पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उच्चायोग ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि मिशन के एक कांसुलर अधिकारी ने उस भारतीय नागरिक से मुलाकात की, जो दुर्घटना में बच गया था। उसने कहा, पांच अन्य भारतीयों को बचा लिया गया है। मध्य मोजाम्बिक में बेइरा बंदरगाह के पास 14 भारतीय नागरिकों सहित कई लोगों को ले जा रही नौका पलट गई थी।

सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाने वालों के खिलाफ बड़ा एक्शन

नई दिल्ली। रेलवे प्रशासन ने सोशल मीडिया पर रेलवे से जुड़े भ्रामक वीडियो साझा करने वाले सोशल मीडिया हैंडल्स के खिलाफ अब सख्त कदम उठाने जा रही है। रेलवे प्रशासन ने कहा कि अब तक 20 से ज्यादा ऐसे सोशल मीडिया हैंडल्स की पहचान कर एफआईआर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। रेलवे द्वारा सोशल मीडिया पर 24 घंटे मॉनिटरिंग कर ऐसे असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। रेलवे ने सभी सोशल मीडिया यूजर से अपील की है कि बिना तथ्यों की जांच किए स्टेशनों पर भीड़भाड़ एवं अन्य वीडियो को साझा करने से बचें। रेलवे का यात्रियों से अनुरोध है कि केवल आधिकारिक रेलवे नोटिफिकेशन और सोशल मीडिया हैंडल्स X, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर ही भरोसा करें।

ट्रंप का फॉर्मूला: युद्धविराम की कीमत चुकाए यूक्रेन, रूस के कब्जे वाली अपनी जमीन छोड़े

जेलेंस्की से वार्ता के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने किया दोनों देशों का जहां के तहां रुकने का आह्वान

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ शुक्रवार को व्हाइट हाउस में लंबी बैठक के बाद यूक्रेन और रूस से युद्ध समाप्त करने का आह्वान करते हुए कहा कि दोनों देश जहां हैं वहीं रुक जाएं। ट्रंप की ताजा टिप्पणी को यूक्रेन के लिए लिए रूस के हाथों कब्जाई गई जमीन को वापस लेने की कोशिश छोड़ने का संकेत माना जा रहा है।

ट्रंप राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद से यह युद्ध समाप्त नहीं होने को लेकर कई बार हताशा जता चुके हैं। अब ट्रंप ने जेलेंस्की और उनकी टीम के साथ दो घंटे से अधिक की बातचीत के तुरंत बाद 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, काफी खून-खराबा हो चुका है, संपत्ति की सीमाएं युद्ध और साहस से तय हो रही हैं। उन्होंने कहा, उन्हें वहीं रुक जाना चाहिए जहां वे हैं। दोनों को जीत का दावा करने दें, इतिहास को फैसला करने दें! ट्रंप ने बाद में फ्लोरिडा पहुंचने के तुरंत बाद दोनों पक्षों से तुरंत युद्ध रोकने'' का आग्रह किया और संकेत दिया कि रूस यूक्रेन से छीना गया क्षेत्र अपने पास रखे।

ट्रंप ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, आप युद्ध रेखा के अनुसार चलें, चाहे वह कहीं भी हो, वरना यह बहुत जटिल हो जाएगा। ट्रंप ने कहा, आप युद्ध रेखा पर रुक जाएं और दोनों पक्षों को वापस जाना चाहिए, अपने परिवारों के पास जाना चाहिए, हत्याएं बंद करनी चाहिए। जेलेंस्की ने गाजा में पिछले सप्ताह हुए युद्धविराम और बंधक समझौते को लेकर ट्रंप को शुक्रवार को बधाई देते हुए कहा कि अब ट्रंप के पास रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने का बड़ा मौका है। अमेरिकी नेता ने संकेत दिया है कि वह कीव को लंबी दूरी की मिसाइल प्रणाली बेचने की सहमति देने को तैयार नहीं हैं। हालांकि यूक्रेन को इसकी सख्त जरूरत है। हाल में ट्रंप ने यूक्रेन को लंबी दूरी की 'टॉमहॉक क्रूज' मिसाइल बेचने की मंशा दिखाई थी, जबकि पुतिन ने चेतावनी दी थी कि इस तरह के कदम से अमेरिका-रूस संबंधों में और तनाव पैदा होगा।

व्हाइट हाउस में युद्धविराम के मुद्दे पर वार्ता के बाद ट्रंप के साथ जेलेंस्की।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा- ट्रंप ने जो बोला, सही बोला

शुक्रवार की बैठक के बाद जेलेंस्की ने कहा कि युद्धविराम और बातचीत का समय आ गया है। उन्होंने जमीन छोड़ने के लिए ट्रंप द्वारा यूक्रेन पर दबाव डाले जाने के बारे में पूछे गए सवाल का सीधा जवाब देने से परहेज किया। जब पत्रकारों ने जेलेंस्की से ट्रंप के पोस्ट के बारे में सवाल किया तो यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, राष्ट्रपति सही हैं। हमें वहीं रुकना होगा जहां हम हैं और फिर बात करनी होगी। युद्ध को लेकर ट्रंप का रुख पुतिन के साथ बृहस्पतिवार को लंबी फोन वार्ता के बाद बदला। फोन पर वार्ता के बाद उन्होंने घोषणा की कि वह आगामी सप्ताहों में हंगरी के बुडापेस्ट में रूसी नेता से मिलने की योजना बना रहे हैं।

मेरे लिए आसान है पाकिस्तान और अफगानिस्तान का संघर्ष रोकना : ट्रंप

वाशिंगटन। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ती शत्रुता के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अगर उन्हें दोनों देशों के बीच संघर्ष को हल कराने की जरूरत पड़ी तो यह उनके लिए आसान बात होगी। ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ भोज के दौरान मीडिया से कहा, मैं समझता हूं कि पाकिस्तान ने हमला किया या अफगानिस्तान के साथ संघर्ष जारी है, अगर मुझे इसे सुलझाना है तो यह मेरे लिए आसान है। ट्रंप ने लाखों लोगों की जान बचाने का एक बार फिर दावा किया और साथ ही यह आश्वासन भी दिया कि उन्हें अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को सुलझाने में सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा, मुझे लोगों को मारे जाने से रोकना अच्छा लगता है। मैंने लाखों-करोड़ों लोगों की जान बचाई है और मुझे लगता है कि हमें इस युद्ध को रोकने में सफलता मिलेगी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर नए हवाई हमले किए जिससे दोहा में होने वाली अपेक्षित वार्ता पर ग्रहण लग गया।

मैं एक युद्ध रोकता हूं तो वे कहते हैं आपको अगला युद्ध रुकवाने पर नोबल मिलेगा

ट्रंप ने आठ युद्ध रूकवाने के बावजूद नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने पर एक बार फिर निराशा व्यक्त की है। ट्रंप ने कहा, आप जानते हैं कि हमने आठ अन्य समस्याओं का समाधान किया है। मैंने आठ युद्ध सुलझाए। उन्होंने कहा, हर बार जब मैं एक का समाधान कराता हूं तो वे कहते हैं कि अगर आप अगले का भी समाधान कर लेते हैं तो आपको नोबेल पुरस्कार मिलेगा। ट्रंप ने हालांकि तुरंत यह भी कहा कि उन्होंने यह नोबेल के लिए नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि वह 2025 की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मारिया कोरिना मचाडो को नहीं जानते। उन्होंने मचाडो का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा, मुझे नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। किसी को यह पुरस्कार मिला है। वह एक बहुत अच्छी महिला हैं, बहुत अच्छी, मुझे नहीं पता कि वह कौन हैं लेकिन वह बहुत उदार हैं इसलिए मुझे इन सब बातों की परवाह नहीं है। मुझे बस लोगों की जान बचाने की परवाह है।

ढाका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भीषण आग, रोकी गईं उड़ानें

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्गो कॉम्प्लेक्स में शनिवार को भीषण आग लग गई, जिसके चलते अधिकारियों को सभी उड़ानों का संचालन स्थगित करना पड़ा। आग के बाद हवाई अड्डे के आसपास घना काला धुआं छा गया। घटना में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है।

बांग्लादेश नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएबी) ने कहा कि हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दोपहर में आग लग गई, जिसके बाद दो दर्जन से ज्यादा दमकल गाड़ियों को तैनात किया गया और अतिरिक्त टीमें घटनास्थल पर भेजी गईं। अग्निशमन सेवा के प्रवक्ता तल्हा बिन जासिम ने कहा, हमें अपराह्न 2:30 बजे सूचना मिली और हमने हवाई अड्डे पर तैनात दमकल वाहनों की मदद के लिए और दमकल गाड़ियां भेजीं। उन्होंने बताया कि 36 दमकल गाड़ियां आग बुझाने में लगी हुई हैं। सीएएबी के अधिकारियों ने बताया कि वायु सेना की दमकल गाड़ियां भी बचाव अभियान में शामिल हो गई हैं। सीएएबी के एक प्रवक्ता ने कहा, अगली सूचना तक सभी विमानों के उतरने और उड़ान भरने पर रोक लगा दी गई है। हमारे सभी विमान सुरक्षित हैं।

ढाका हवाई अड्डे से उठते धुएं के गुबार।

- हवाई अड्डे के साथ वायुसेना की दमकल गाड़ियां भी आग बुझाने में लगीं

ट्रंप ने फिर किया दावा- पीछे हट रहा है भारत रूस से तेल की खरीद पूरी तरह करेगा बंद

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कहा है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने मॉस्को से तेल की खरीद लगभग बंद कर दी है।

ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ शुक्रवार दोपहर को भोज के दौरान मीडिया से कहा कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने पहले ही तेल की खरीद कम कर दी है और लगभग बंद कर दी है। ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में कहा, वे पीछे हट रहे हैं। उन्होंने लगभग 38 प्रतिशत तेल खरीदा है और अब वे ऐसा नहीं करेंगे। भारत ने बृहस्पतिवार को कहा था कि वह बाजार की स्थितियों के अनुरूप अपने ऊर्जा स्रोतों का व्यापक आधार तैयार कर रहा है और इसे विविध बना रहा है। भारत के बृहस्पतिवार के बयान से कुछ घंटे पहले ट्रंप ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूसी कच्चे तेल की खरीद बंद कर देगा।

विविध

आज पधारेंगे राजाराम, दीपोत्सव पर आतुर अलौकिक अद्भुत अयोध्या

अयोध्या कार्यालय

दीपोत्सव 2025

56 घाटों पर एक साथ प्रज्ज्वलित होंगे 26 लाख 11 हजार 101 दीपक

2100 दीपकों की भव्य सरयू आरती, पहला दिया प्रज्ज्वलित करेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्सव के साथ इतिहास रचने की तैयारी

अमृत विचार : आज 19 अक्टूबर को, राम की नगरी फिर से त्रेता युग की तरह जगमगा उठेगी। लाखों दीयों की चमक में डूबे 56 घाटों पर, जहां कभी भगवान राम का स्वागत हुआ था, आज फिर वही उत्सव रचने को तैयार है। इस बार यह सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि इतिहास रचने की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में चल रही यह तैयारियां न सिर्फ आस्था का प्रतीक हैं, बल्कि एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाने का संकल्प भी।

राम की पैड़ी पर शनिवार को 32 हजार स्वयंसेवक जुटे थे। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के छात्रों से लेकर स्थानीय सामाजिक संगठनों तक, हर कोई दीयों की पंक्तियां सजा रहा था। हमारा लक्ष्य 28 लाख दीये जलाना है बताते हुए नोडल अधिकारी प्रो. संत शरन मिश्रा ने कहा राम की पैड़ी पर अकेले 15-16 लाख दीये चमकेंगे, जो सरयू को सोने की नदी बना देंगे।

अयोध्या की इस तैयारी में 22 समितियां सक्रिय हैं, जो सुरक्षा से लेकर स्वच्छता तक हर मोर्चे पर तैनात हैं। पर्यटकों के लिए विशेष पार्किंग, शौचालय और साफ-सफाई की पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। ट्रैफिक डायवर्जन से लेकर जीरो-वेस्ट अभियान तक, सब कुछ 'स्वदेशी' और 'पर्यावरण-अनुकूल' है। राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में भी एक लाख से अधिक दीये, मालाएं और फूल सजाए जा रहे हैं। हर वार्ड में 1,500 दीये बांटे जा रहे हैं ताकि पूरा शहर रोशन हो। एक युवा स्वयंसेवक पर, जो घाट पर ब्लॉक चिह्नित कर रहा था। वह बोला हर ब्लॉक 4.5 वर्ग फुट का है, बीच में 2.5 फुट का रास्ता है। यह व्यवस्था सिर्फ दीयों की ही नहीं, बल्कि भव्य महाआरती की भी है, जिसमें 2,100 साधु-संत भाग लेंगे। यह संख्या खुद एक विश्व रिकॉर्ड बनेगी, जो पिछले साल की आरती को पीछे छोड़ देगी। साथ ही, 1,100 ड्रोन से भव्य ड्रोन शो और 3डी होलोग्राफिक लेजर शो दीपोत्सव में अलग रंग भरेंगे। राम की पैड़ी पर 32 फुट ऊंचा पुष्पक विमान स्थापित हो चुका है, जो रामायण के दृश्यों को जीवंत करेगा। दुनिया का पहला वैक्स म्यूजियम भी तैयार है, जहां राम-सीता-लक्ष्मण-हनुमान के वैक्स मॉडल श्रद्धालुओं का स्वागत करेंगे। पंडित हरिकिशन मिश्र कहते हैं कि यह दीपोत्सव त्रेता युग की अयोध्या को पुनर्जीवित करेगा। लोग न सिर्फ रोशनी देखेंगे, बल्कि भक्ति महसूस करेंगे। रविवार कल शाम, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राममंदिर और फिर राम की पैड़ी पर पहला दीया जलाएंगे, तो यह रोशनी देश-दुनिया भर में फैलेगी। पांच देशों के कलाकार रामलीला मंचित करेंगे, और इको-डेस्टिनेशन टूर से पर्यटक अयोध्या के प्राकृतिक सौंदर्य को भी निहार सकेंगे।

दीपोत्सव में घाट नंबर दस पर 80 हजार दियों से बनाया गया अद्भुत स्वास्तिक एवं इनसेट में ड्रोन से खींची गई तस्वीर।

कब कितने दीप जले

वर्ष	जले दीप	वर्ष	जले दीप
2017	1.71 लाख	2021	9.41 लाख
2018	3.01 लाख	2022	15.76 लाख
2019	4.04 लाख	2023	22.23 लाख
2020	6.06 लाख	2024	25.12 लाख

मां सरयू की आरती करतीं मातृ शक्तियां व विद्यार्थी।

56 घाटों पर सजे 28 लाख दिये, 80 हजार दियों से बना अद्भुत स्वास्तिक

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : दीपोत्सव 2025 के लिए केवल 72 घंटे में 32000 हजार स्वयं सेवकों ने रामनगरी के 56 घाटों पर 28 लाख से अधिक दिए सजा दिए हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड की 30 सदस्यों की टीम ने शनिवार दो बजे से दीपों की गणना शुरु कर दी है। दीपोत्सव के नौवें संस्करण को सफल बनाने के लिए रविवार को सांय 5:30 बजे से एक साथ 26 लाख 11 हजार 101 दीपक प्रज्वलित कर पुनः रिकॉर्ड बनाया जाएगा। कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने सुबह 11 बजे सभी घाटों का सघन निरीक्षण कर दीपों को बिछाए जाने का कार्य पूर्ण करने के लिए निर्देशित और शाम को सूचना के बाद पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने बताया कि 19 अक्टूबर को दीपोत्सव के दिन दीए में तेल भरने के लिए एक-एक लीटर सरसों के तेल की बोतल उपलब्ध कराई जायेगी। स्वयं सेवक बिछाये गए दियों में सावधानीपूर्वक तेल डालेंगे। घाट पर तेल न गिरे इसका विशेष ध्यान रखा जायेगा। स्वयंसेवक द्वारा तेल की बोतल खाली होने के बाद उसी गत्ते में वापस सुरक्षित रखा जायेगा। दीये में तेल डालने के पश्चात बाती के आगे वाले भाग पर कपूर का पाउडर लगाएंगे जिससे दीये प्रज्ज्वलित करने में आसानी होगी। प्रत्येक घाट पर दीयों को प्रज्ज्वलित करने के लिए कैंडल, माचिस, डंडे लगे कैंडल तथा अन्य सामग्री घाट के अनुसार निर्धारित दीयों की संख्या के अनुपात में एक ही बार में समन्वयको व घाट प्रभारी को उपलब्ध करा दी गई है। दीपोत्सव स्थल पर भोजन का प्रबंध लक्ष्मण घाट किला, भजन संध्या, चौधरीचरण सिंह घाट पर भोजन समिति के संयोजक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह व उनकी टीम द्वारा किया गया है। दीपोत्सव की भव्यता विश्व पटल पर दिखे इसके लिए घाट न. 10 पर 80 हजार दीए से स्वास्तिक सजाया गया है।

28 लाख दीपकों को सजाया गया

दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र ने बताया कि प्रदेश शासन, जिला प्रशासन के सहयोग से विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कार्य को अंतिम रूप दे दिया गया है। राम नगरी के 56 घाटों पर दीयों की सुरक्षा पुलिस प्रशासन व विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मियों द्वारा की जा रही है। घाटों पर सुरक्षा सख्त कर दी गई है। बिना आई कार्ड के प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है।

पुष्पक विमान से पहुंचेंगे श्री राम, राजतिलक करेंगे सीएम योगी

अयोध्या। सरयू के तट पर दीपोत्सव के दिव्य आयोजन अपनी छटा बिखेर रही है, जब प्रभु राम, माता सीता और लक्ष्मण के साथ पुष्पक विमान रूपी हेलीकॉप्टर से सरयू के तट पर पहुंचेंगे। जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य अतिथि व गणमान्य और साधु संत अगवानी के लिए मौजूद होंगे। उसके बाद उन्हें एक विशेष रथ में सवार कर अपने हाथों से रस्सी को खींचकर राजतिलक स्थल राम कथा पार्क लेकर पहुंचेंगे। भव्य आयोजनों के साथ इस कार्यक्रम को संपन्न किया जाएगा। जहां मौजूद साधु संतों के साथ 5000 अतिथि इस पल के गवाह बनेंगे। इस वर्ष एक सुखद संयोग लेकर आ रहा है। नौवां दीपोत्सव हर वर्ष एक नई भव्यता के साथ होने वाले आयोजन में उत्साह इस बार शीर्ष पर दिखाई देगा।

दीपोत्सव को लेकर चहुंओर सतरंगी छटाओं वाले शोभा पंडाल बनाए गए हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 19 अक्टूबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी 13.51 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

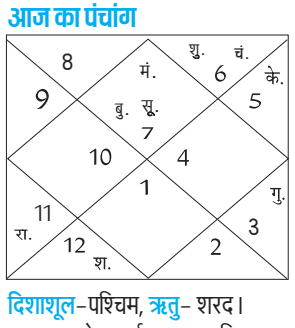

दिशाशूल-पश्चिम, ऋतु- शरद। चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन। ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र- उत्तराफाल्गुनी 17.49 तक तत्पश्चात हस्त।

मेष — आज यश मिलने से आपके मन में अहंकार का भाव भी जागृत हो सकता है। वैवाहिक संबंध काफी अच्छे रहेंगे। आपकी कार्यशैली में सुधार होगा। किसी पॉलिसी में बड़ा पूंजी निवेश कर सकते हैं। मन में परोपकार का भाव जागृत होगा।

वृष — आज गुप्त शत्रु आपको आपके शुभचिंतकों के प्रति भड़काने का प्रयास कर सकते हैं। अनावश्यक कार्यों में धन बर्बाद हो सकता है। सहकर्मी आपके प्रति ईर्ष्या का भाव रख सकते हैं। वैचारिक रूप से थोड़ा कमजोर महसूस करेंगे।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। शुभ समाचार मिलने से पूरा दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। भोजन में कुछ अरुचि हो सकती है। मित्रों के साथ करियर को लेकर चर्चा करेंगे। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझेगा।

कर्क — आज व्यापार की चुनौतियों का हल निकाल लेंगे। किसी तीर्थ यात्रा का विचार बना सकते हैं। अपनी आय में वृद्धि के तरीकों पर विचार कर सकते हैं। परिवार के छोटे सदस्यों की प्रसन्नता देखकर आप भी खुश रहेंगे।

सिंह — आज घर में धार्मिक आयोजन होने से आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। सिद्धांतों के बजाय व्यवहारिक तरीके से समस्याओं का समाधान कर पाएंगे। परिवार के बुजुर्गों के साथ आपका तालमेल बेहतरीन रहेगा।

कन्या — आज अधिकांश समय शांत रहेंगे। नकारात्मक लोग आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं। मन में उथल-पुथल और द्वंद्व होता रहेगा। ससुराल पक्ष के साथ थोड़े संबंध बिगड़ सकते हैं। घर की देखरेख को समय देना पसंद करेंगे।

तुला — आज आपको अच्छे कार्यों के कारण पुरस्कार मिल सकता है। व्यवसाय में नया प्रयोग न करें। करियर के उन्नति के बेहतरीन अवसर आपको मिल सकते हैं। पिछले काफी समय से लंबित कार्य अब शुरू होने के अच्छे योग हैं।

वृश्चिक — आज पारिवारिक उत्तरदायित्व का भली-भांति निर्वाह करेंगे। जल्दबाजी में काम करने से हानि हो सकती है। आप शांति से अपना दिन बिताना चाहेंगे। आर्थिक दृष्टिकोण से समय बहुत ही अच्छा है। धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी।

धनु — आज उच्च शिक्षा में बेहतरीन परिणाम मिलेंगे। अधिकारियों के साथ संबंध मधुर रहने वाले हैं। आपके विचारों को समाज में प्रमुखता मिलेगी। कारोबारी यात्रा के लिए जा सकते हैं। वाद-विवाद से आपको बचना चाहिए। कई दिनों बाद प्रेमीजन से मुलाकात होगी।

मकर — आज किसी से बड़ा लेन-देन न करें। हृदय रोगियों को दवाइयों और दिनचर्या का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आप जिसका हित करने का प्रयास करेंगे हो सकता है वही आपको धोखा कर दें। भूमि-संपत्ति विवादों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे।

कुंभ — आज दूसरों से अधिक अपेक्षा न रखें। राजनैतिक लोगों से आपकी नजदीकियां बढ़ सकती हैं। दांपत्य संबंधों में परेशानी का अनुभव कर सकते हैं। मित्रों के साथ आप नई परियोजनाओं में निवेश करने की योजना बनाएंगे।

मीन — आज बिना मतलब दूसरों के मामलों में न पड़ें। अपनी योजनाओं को फिलहाल अपने तक ही सीमित रखें। नए संपर्क विकसित होने से मन प्रसन्न रहेगा। संतान को शिक्षा में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। परिजनों के लिए खरीदारी कर सकते हैं।

सुडोकू-134

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2		4	8				
1				3			5	8
6				2		4		
		7		6				
4			2		9			
				4		8		
		3		9				
9	5							
		6	7	5	4			

सुडोकू - 133 का हल

4	3	7	1	2	9	5	8	6
6	9	8	5	7	3	2	1	4
2	5	1	6	8	4	9	3	7
5	1	2	7	4	8	6	9	3
9	7	6	3	1	2	4	5	8
3	8	4	9	5	6	1	7	2
1	6	3	4	9	7	8	2	5
8	4	5	2	3	1	7	6	9
7	2	9	8	6	5	3	4	1

इंग्लैंड के खिलाफ पिछली विदेशी सीरीज से हमें बहुत कुछ सीखने को मिला और हमने वहां जीत हासिल की। यह उस दिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने से जुड़ा है। टीम का दृष्टिकोण सकारात्मक है और एक सप्ताह के विश्राम के बाद विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार है।
-दीप्ति शर्मा

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार 19 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

कमिंस फिट नहीं हुए तो स्मिथ होंगे कप्तान

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने पुष्टि की कि नियमित कप्तान पैट कमिंस अगर एशेज शृंखला से पहले कमर की चोट से उबर नहीं पाते हैं तो स्टीव स्मिथ कप्तान होंगे। कमिंस चोट के कारण भारत के खिलाफ रविवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे शृंखला से भी बाहर हैं। उनका 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट में खेलना भी तय नहीं है। बेली ने सिडनी मार्निंग हेराल्ड से कहापैट नहीं खेल पाते हैं तो स्मिथ कप्तान होंगे। यह रणनीति हमारे लिये पहले भी कारगर रही है। स्मिथ इस सप्ताह न्यूयॉर्क से आस्ट्रेलिया लौट आये हैं और क्रिकेट न्यू साउथवेल्स के मुख्यालय पर अभ्यास शुरू कर दिया है। वह शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में ब्रिसबेन और सिडनी में अगले दो मैचों में न्यू साउथवेल्स के लिए खेलेंगे।

विश्व चैंपियनशिप में भारत का खराब प्रदर्शन

एथेंस : नीरू ढांडा और भौनीश मेंदीरत्ता की भारत की ट्रैप मिश्रित टीम शनिवार को यहां आईएसएसएफ विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप (शॉटगन) के अंतिम दिन खराब प्रदर्शन करते हुए 25वें स्थान पर, जबकि जोरावर सिंह संधू और आशिमा अहलावत की जोड़ी 28वें स्थान पर रही। भारत की दोनों जोड़ियों ने क्वालीफिकेशन राउंड में 137 का समान स्कोर बनाया और चार टीमों के फाइनल में जगह बनाने से काफी अंतर से चूक गईं। स्वर्ण पदक के मुकाबले में इटली ने मैरिनो को 45-40 से हराया, जबकि कांस्य पदक के मैच में अमेरिका ने मिस्र को 39-37 से हराया।

डेनमार्क ओपन में हारे सात्विक-चिराग

ओडेंसे : भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शनिवार को डेनमार्क ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी से हारकर फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। एशियाई खेलों के चैंपियन तथा हांगकांग सुपर 500 और चाइना मास्टर्स सुपर 750 के फाइनल में जगह बनाने वाले सात्विक और चिराग की जोड़ी 68 मिनट तक चले मुकाबले में 21-23, 21-18, 16-21 से हार गई।

बेंगलुरु ने शीर्ष आठ में जगह पक्की की

नई दिल्ली : बेंगलुरु बुल्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के मैच में दबंग दिल्ली के खिलाफ 33-23 की जीत के साथ शीर्ष आठ में अपनी जगह पक्की कर ली। अलीरेजा मिर्जायन ने एक और सुपर 10 हासिल किया। इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान सत्र में किसी विदेशी खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक रेड अंक भी दर्ज किए। बुल्स के डिफेंडरों ने भी अपनी भूमिका निभाई। संजय ने चार टैकल और योगेश तथा दीपक ने तीन-तीन टैकल किए। इस जीत से बेंगलुरु बुल्स अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। इस बीच, मोहित देसवाल दबंग दिल्ली के लिए सात टच प्वाइंट और चार टैकल प्वाइंट के साथ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे।

रणजी ट्रॉफी : आंध्र प्रदेश पर भारी पड़े रिंकू सिंह

उत्तर प्रदेश के लिए संकट मोचक की भूमिका निभाने वाले रिंकू सिंह। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- धमाकेदार शतक लगाकर यूपी को मुश्किलों से बाहर निकाला और दिलाई 3 अंक की बढ़त
- आंध्र प्रदेश के 470 रनों के जवाब में यूपी ने आठ विकेट पर बनाए 471 रन

अमृत विचार। ग्रीनपार्क स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी में यूपी के बल्लेबाज रिंकू सिंह आंध्र प्रदेश के खिलाफ अकेले ही भारी पड़ गए। मैच के चौथे व अंतिम दिन नाबाद 165 रनों की शतकीय पारी खेलकर न सिर्फ मुकाबला ड्रा कराया वरन टीम के लिए 3 अंक हासिल किए। आंध्र प्रदेश को 1 अंक मिला।

चौथे दिन 82 रन के साथ उतरे रिंकू ने घरेलू मैदान पर टीम को पिछड़ने से बचाया। पहली पारी में आंध्र प्रदेश के 470 रनों के जवाब में यूपी ने आठ विकेट के नुकसान पर 471 रन बनाकर पारी घोषित की। यूपी टीम ने शनिवार को अंतिम दिन छह विकेट के नुकसान पर 294 रनों से आगे खेलना शुरू किया। इस समय तक टीम संकट के समय से गुजर रही थी। 82 रन के साथ रिंकू और 28 पर विप्रराज ने संभलकर खेलते हुए पारी को आगे बढ़ाया। सातवें विकेट के लिए दोनों के बीच 119 रनों की साझेदारी हुई। रिंकू का शतक पूरा होने के बाद विप्रराज 119 गेंदों में 42 रन बनाकर रशीद की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। इसके बाद रिंकू ने शिवम शर्मा के साथ संभलकर पारी को आगे बढ़ाया और एक छोर से रन तेजी से बनाने का दौर जारी रखा। इसके बाद पीवीएसएन राजू की गेंद पर शिवम 38 रन पर क्लीन बोल्ड हुए। उसके बाद रिंकू ने शिवम मावी (20) के साथ मिलकर खेलते हुए आंध्र प्रदेश पर एक रन की बढ़त बनाकर मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक आंध्र प्रदेश से 176 रन पीछे चल रही यूपी टीम ने एक रन की बढ़त हासिल कर मुकाबला ड्रा कराया और यूपी को तीन अंक दिलाए। वहीं, मेहमान टीम आंध्र प्रदेश को एक अंक से ही संतोष करना पड़ा।

'प्लेयर ऑफ द मैच' बने रिंकू

रणजी ट्राफी के पहले ही मुकाबले में 'प्लेयर आफ द मैच' बने रिंकू ने अपनी शैली के विपरीत बल्लेबाजी कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके साथ टिके रहने की क्षमता का परिचय देकर टेस्ट क्रिकेट के लिए भी अपनी दावेदारी पेश कर दी। एक छोर पर टिके रिंकू ने धीरे-धीरे रन बटोर को टीम को पिछड़ने से बचाया और विकेट भी संभाले रखा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में कोहली व रोहित पर रहेंगी नजरें

इस सीरीज के जरिये दोनों के कैरियर की भविष्य को लेकर तय होगी दिशा

समय : पूर्वाह्न 9 बजे से

पर्थ, एजेंसी

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां पहले एक दिवसीय क्रिकेट मैच के लिए उतरेगी तो विराट कोहली और रोहित शर्मा की टीम में वापसी से जुड़े जज्बात के अलावा इस प्रारूप में पूर्णकालिक कप्तान बने शुभमन गिल पर भी नजरें रहेंगी। मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के बाद कोहली और रोहित भारतीय टीम में लौटे हैं। पिछले सात महीने में भारतीय क्रिकेट की तस्वीर ही बदल गई है। इस दौरान टी-20 और टेस्ट प्रारूप में कोहली और रोहित के बिना भारतीय क्रिकेट आगे बढ़ना सीख गया है।

अब सवाल यह है कि वनडे प्रारूप में इन दोनों दिग्गजों के पास देने के लिए क्या है। इसमे कोई दोराय नहीं है कि ये दोनों किसी भी दौर में और किसी भी मानदंड से वनडे क्रिकेट के महानतम बल्लेबाजों में गिने जाएंगे। इस सीरीज के लिए दोनों ने कड़ी मेहनत की है। रोहित ने तो कई किलो वजन भी घटाया है और कोहली लंदन में निजी ट्रेनर के साथ फिटनेस पर काम कर रहे थे। आईपीएल के बाद दोनों ने क्रिकेट नहीं खेली है लिहाजा खुद को ढालना चुनौतीपूर्ण होगा। दोनों के लिए अच्छी बात यह है कि उनकी वापसी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हो रही है जिसके सामने उनका रिकॉर्ड अच्छा रहा है। इस सीरीज के जरिये दोनों के कैरियर की भविष्य को लेकर दिशा तय हो सकती है।

रोहित को अब सिर्फ सीनियर खिलाड़ी के तौर पर टीम में अपनी भूमिका को आत्मसात करना होगा। पिछले दो टी20 और वनडे टूर्नामेंटों को उन्होंने अपनी कप्तानी में टीम को आईसीसी खिताब दिलाये हैं और वह मेलबर्न में आखिरी टेस्ट में भी टीम के कप्तान थे।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल (दाएं) और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श एकदिवसीय ट्रॉफी के साथ। एजेंसी

रोहित, विराट से मेरे रिश्ते में कुछ नहीं बदला है : गिल

पर्थ : पिछले कुछ सप्ताह से सोशल मीडिया पर चाहे जो अटकलबाजी चल रही हो, लेकिन भारत के नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली से उनके रिश्ते पहले की तरह मजबूत हैं। मैच के दौरान परेशानी में होने पर वह इन दोनों दिग्गजों से सलाह लेने में हिचकिचायेंगे नहीं। रोहित की जगह गिल को भारत का नया वनडे कप्तान बनाया गया है। उसके बाद से रोहित और कोहली के भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही है। गिल की कप्तानी में भारतीय टीम रविवार से ऑस्ट्रेलिा के खिलाफ तीन मैचों की वनडे शृंखला खेलेगी। स्वान नदी के किनारे प्रेस कांफ्रेंस में गिल ने कहा बाहर भले ही कुछ भी बातें चल रही हो लेकिन रोहित से मेरे रिश्ते नहीं बदले हैं। जब भी मुझे मदद की जरूरत होती है, वह हमेशा उपलब्ध होते हैं। चाहे वह पिच के बारे में पता करना हो या कुछ भी। उन्होंने कहा मैं उनसे जाकर पूछता हूं कि आपको क्या लगता है। अगर आप कप्तान होते तो क्या करते। विराट भाई और रोहित भाई से मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं और वे सलाह देने से हिचकिचाते नहीं हैं। 26 वर्ष के गिल को पता है कि इन दोनों धुरंधरों की जगह लेना मुश्किल है

टीम

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल।

ऑस्ट्रेलिया : मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्लेट, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मैथ्यू कुन्हेमन, मार्नस लाबुशेन, मिचेल ओवन, जोश फिलीप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क।

भारत के खिलाफ खचाखच भरे स्टेडियम में खेलना शानदार अनुभव होगा: मिशेल मार्श

पर्थ, एजेंसी : ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श ने शनिवार को कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली भारतीय टीम के खिलाफ खचाखच भरे स्टेडियम में खेलना उनकी टीम के लिए शानदार अनुभव होगा। ऑस्ट्रेलिया का ध्यान अगले महीने से शुरू होने वाली एशेज सीरीज पर केंद्रित है, लेकिन इससे पहले उसे भारत के खिलाफ तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की शृंखला खेलनी है। मार्श ने रोहित और कोहली के खिलाफ खेलने के बारे में मीडिया से कहा मुझे उनके खिलाफ काफी बार खेलने का सौभाग्य मिला। वे निश्चित रूप से खेल के दिग्गज हैं। विराट का इस प्रारूप में लक्ष्य का पीछा करने के मामले में कोई सानी नहीं है। मुझे लगता है कि आप टिकटों की बिक्री से देख सकते हैं कि बहुत से लोग आकर उन्हें देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा भारत के खिलाफ स्टेडियम को खचाखच भरा देखना हमारी टीम के लिए शानदार अनुभव होगा। मार्श ने कहा कि भारत के खिलाफ शृंखला बड़े स्कोर वाली होगी।

इंग्लैंड के खिलाफ गेंदबाजी संयोजन करना होगा दुरुस्त

समय : दोपहर तीन बजे से

इंदौर, एजेंसी

इंदौर में अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय महिला खिलाड़ी। एजेंसी

लगातार दो मैच हारने के बाद अपने अभियान को ढर्रे पर लाने का दबाव झेल रही भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को महिला विश्व कप के अहम मुकाबले में अपने गेंदबाजी आक्रमण को संतुलित करने के लिये छठे गेंदबाज को उतारने पर विचार करना होगा।

विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया से हारने के बाद भारत की सेमीफाइनल में प्रवेश की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। इस विश्व कप सत्र में भारत ने पांच बल्लेबाजों, एक विकेटकीपर और पांच गेंदबाजों को उतारने की रणनीति अपनाई है और गेंदबाजों में से तीन हरफनमौला हैं। लेकिन विश्व कप में यह संयोजन सटीक नहीं बैठा और अब 'करो या मरो' के बाकी मुकाबलों में भारत को इस पर पुनर्विचार करना होगा। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिये भारत को तीन में से दो मैच हर हालत में जीतने होंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच गेंदबाजों की रणनीति असफल होने के बावजूद आस्ट्रेलिया के खिलाफ इसमें बदलाव नहीं किया गया जिससे एक और पराजय हाथ लगी। दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया ने 251 और 330 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के गेंदबाजी आक्रमण की कलई खोल दी। हरफनमौलाओं को उतारकर बल्लेबाजी को गहराई देने की भारत की रणनीति के चलते रेणुका सिंह जैसी विकेट लेने वाली गेंदबाज की जगह अमनजोत कौर को तरजीह दी गई है। रेणुका की गैर मौजूदगी से भारत का आक्रमण एक जैसा हो गया है और विविधता देने के लिये उन्हें उतारना ही होगा।

टीम का मनोबल है ऊंचा : दीप्ति

इंदौर : सीनियर आलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा कि लगातार हार के बावजूद भारतीय टीम का मनोबल पहले की तरह ऊंचा है और एक सप्ताह के ब्रेक से टीम को रविवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले महिला विश्व कप के अहम मुकाबले से पहले एकजुट होने और ध्यान केंद्रित करने का मौका मिला है। पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से लगातार हार के कारण भारत को करारा झटका लगा है और अब उसे सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए अपने शेष तीन लीग मैचों में से दो में जीत हासिल करनी होगी। दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाताओं से कहा हम दो मैच हार गए हैं, लेकिन इससे हमारे मनोबल पर कोई असर नहीं पड़ा है क्योंकि हमने टूर्नामेंट की शुरुआत में दो अच्छे मैच खेले थे।

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	5	4	0	1	9	1.818
द.अफ्रीका	5	4	1	0	8	-0.440
इंग्लैंड	4	3	0	1	7	1.864
भारत	4	2	2	0	4	0.682
न्यूजीलैंड	5	1	2	2	4	-0.245
बांग्लादेश	5	1	4	0	2	-0.676
श्रीलंका	5	0	3	2	2	-1.564
पाकिस्तान	5	0	3	2	2	-1.887

न्यूजीलैंड-पाकिस्तान मैच बारिश के कारण रद्द

- दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में जगह पक्की की

कोलंबो: न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच महिला एकदिवसीय विश्व कप ग्रुप मैच शनिवार को यहां बारिश के कारण रद्द कर दिया गया, जिससे दक्षिण अफ्रीका की सेमीफाइनल में जगह पक्की हो गई।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही अंतिम चार का टिकट पक्का कर लिया था ऐसे में दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी करने के फैसले के बाद बारिश के कारण कई बार रुकावट के बाद स्थानीय समयानुसार रात नौ बजे मैच रद्द कर दिया गया। उस समय पाकिस्तान का स्कोर 25 ओवर में पांच विकेट पर 92 रन था।

ज्योति ने विश्व कप तीरंदाजी में कांस्य जीतकर इतिहास रचा

नानजिंग (चीन), एजेंसी

भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम। एजेंसी

अनुभवी ज्योति सुरेखा वेन्नम विश्व कप फाइनल में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाज बन गई, जिन्होंने यहां कांस्य पदक हासिल किया।

एशियाई खेल चैंपियन ज्योति ने दुनिया की दूसरे नंबर की तीरंदाज ब्रिटेन की एला गिब्सन को 150-145 से हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट में पोडियम पर जगह बनाई। आठ तीरंदाजों के विश्व कप सत्र के फाइनल में भारत की 29 वर्ष की ज्योति ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की एलेक्सिस रूइज को 143-140 से हराया था। वह सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर एक तीरंदाज मैक्सिको की आंद्रिया बेसेरा से 143-145 से हार गई। विश्व कप फाइनल में ज्योति तीसरी बार उतरी थी। इससे पहले वह 2022 और 2023 में पहले दौर में बाहर हो गई थी। भारत की मधुरा धमनगांवकर पहले दौर में मैक्सिको की मरियाना बेरनाल से 142-145 से हारकर बाहर हो गई। भारत को पुरुष कंपाउंड वर्ग में निराशा हाथ लगी। देश के शीर्ष तीरंदाज ऋषभ यादव शूट-ऑफ में नीदरलैंड के पूर्व विश्व चैंपियन माइक श्लोसेर से हारकर कांस्य पदक से चूक गए। दोनों तीरंदाजों ने निर्धारित पांच छोरों पर केवल तीन अंक गंवाए और स्कोर 147-147 से बराबर रहा। शूट-ऑफ भी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों ने परफेक्ट 10 अंक बनाए, पर श्लोएसर का तीर केंद्र के करीब लगा, जिससे यादव बहुत कम अंतर से पदक से वंचित रह गए।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में तन्वी शर्मा

गुवाहाटी : भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा ने चीन की लियू सी या के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

सोलह साल की तन्वी ने अपनी प्रतिद्वंद्वी पर 15-11, 15-9 से जीत दर्ज की। वह इस तरह इस टूर्नामेंट के फाइनल में क्वालीफाई करने वाली पूर्व विश्व नंबर एक साइना नेहवाल और अपर्णा पोपट के बाद केवल तीसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बन गयी। फाइनल में तन्वी का मुकाबला अब थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त अन्यापत पिचिटप्रीचसाक से होगा। पिचिटप्रीचसाक ने दूसरे सेमीफाइनल में हमवतन यातावीमिन केतक्लियेंग को एक गेम से पिछड़ने के बाद 10-15, 15-11, 15-5 से हराकर वापसी की।

नाराजगी | पक्तिका हमले में क्रिकेटरों की मौत के बाद फैसला, 17 नवंबर से होनी थी त्रिकोणीय सीरीज

पाकिस्तान में सीरीज नहीं खेलेगा अफगानिस्तान

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत में पाकिस्तानी हमलों में मारे गए अफगानी क्रिकेट।

अफगानिस्तान ने पक्तिका में तीन अफगान क्रिकेटरों की हत्या के बाद पाकिस्तान की भागीदारी वाली आगामी त्रिकोणीय टी-20 सीरीज से नाम वापिस ले लिया है। अफगानिस्तान ने इसे पाकिस्तानी शासन द्वारा कराया गया कायरतापूर्ण हमला करार दिया है।

पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका के बीच सीरीज 17 से 29 नवंबर तक रावलपिंडी और लाहौर में खेली जानी थी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने तल्ख बयान में कहा कि अपने खिलाड़ियों कबीर, सिबगतुल्लाह और हारून की शहादत से वह काफी दुखी हैं जिनकी पकतीका प्रांत के अरगुन जिले में पांच अन्य के साथ हत्या कर दी गई थी जब वे प्रांत की राजधानी शराना से एक दोस्ताना मैच खेलकर लौट रहे थे। इस घटना में सात अन्य घायल हुए हैं। एसीबी ने एक बयान में कहा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड पक्तिका प्रांत के अरगुन जिले में अपने बहादुर क्रिकेटरों की शहादत पर दुख व्यक्त करता है। पाकिस्तानी शासन ने एक कायरतापूर्ण हमले में उन्हें निशाना बनाया। इसमें कहा गया अफगानिस्तान के खेल जगत, खिलाड़ियों और क्रिकेट परिवार के लिये यह बड़ी क्षति है। पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करने और इस घटना की जवाबी कार्रवाई में अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नवंबर के आखिर में पाकिस्तान में होने वाली त्रिकोणीय टी-20 सीरीज से नाम वापिस लेने का फैसला किया है। बयान में कहा गया अल्लाह सभी शहीदों को जन्नत बख्शे और घायलों को जल्दी स्वस्थ करे। विभिन्न रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने पक्तिका प्रांत के अरगुन और बरमाल जिलों में हवाई हमले किए हैं जिससे दोनों देशों के बीच संघर्षविराम भी खत्म हो गया है। पूर्व कप्तान गुलबदिन नायब ने कहा पक्तिका के अरगुन में कायरतापूर्ण सैन्य हमले से हम दुखी हैं जिसमें कई मासूम नागरिकों और क्रिकेटरों की जानें गई हैं।

राशिद खान ने हमले की निंदा की

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि अफगानिस्तान में पाकिस्तान के हवाई हमलों में नागरिकों की मौत से वह काफी दुखी हैं। उन्होंने एक्स पर एक बयान में लिखा नागरिक ठिकानों पर हमला करना अनैतिक और बर्बर है। यह अन्यायपूर्ण और गैर कानूनी कार्रवाई मानवाधिकार का हनन है और इस पर ध्यान जाना चाहिए। राशिद ने कहा मासूमों की मौतों को देखते हुए मैं पाकिस्तान के साथ आगामी सीरीज नहीं खेलने के एसीबी के फैसले के साथ हूं। कठिन समय में अपने वतन के लोगों के साथ हूं। हमारे देश की गरिमा से बढकर कुछ नहीं है।